kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❒ वर्ष-14 ❒ अंक-319 ❒ मंगलवार, 23 दिसम्बर 2025 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

एसआईआर का विरोध कहीं से भी राष्ट्रहित में नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति से थोड़ी ही दिन में शिक्षा व्यवस्था में पूरी तरह से परिवर्तन दिखेगा साथ ही सामाजिक व्यवस्था में ही बदलाव दिखेगा जिसका सकारात्मक प्रभाव आने वाले समय में साफ दिखाई पड़ेगा। आनंदीबेन पटेल

नीतीश ने मोदी से की भेंट, साथ में थे सम्राट चौधरी, ललन सिंह 11

बिना स्वाध्याय के सामर्थ्य विकसित नहीं हो सकता: बालकृष्ण 12

कोडिन से यूपी में एक भी मौत नहीं हुई: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कोडिन कफ सिरप मामले में रखा सरकार का पक्ष

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सदन में कोडिन कफ सिरप मामले में सरकार का पक्ष रखा और समाजवादी पार्टी के नेताओं को खूब धोया। बोले कि प्रश्न क्या है और मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं। माननीय सदस्यों को अध्ययन करके आना चाहिए और सदन की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। नेता विरोधी दल ने सदन की कार्रवाई होते ही इस मुद्दे को उठाया, इसलिए मुझे खड़ा होना पड़ा। सीएम ने कहावत 'चोर की दाढ़ी में तिनका' का जिक्र कर समाजवादी पार्टी को आईना दिखाया। सीएम ने सदन में साफ किया कि कोडिन कफ सिरप से यूपी में एक भी मौत नहीं हुई है। इस मामले में एनडीपीएस के अंतर्गत कार्रवाई होगी, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को कोर्ट में लड़ा और जीता है।

सीएम ने नेता प्रतिपक्ष की चुटकी ली। बोले कि इस उम्र में व्यक्ति सच बोलने का आदी होता है, लेकिन समाजवादी इस उम्र में भी उनसे झूठ बोलवा देते हैं। समाजवादियों को ऐसा नहीं करना चाहिए और उन्हें भी सच बोलने का आदी होना चाहिए। उन्होंने लंबे समय तक स्पीकर के रूप में सदन को आगे बढ़ाया है। सीएम योगी ने सदन में कहा कि उत्तर प्रदेश में यूपी के सबसे बड़े होलसेलर को एसटीएफ ने पकड़ा था। 2016 में समाजवादी पार्टी ने उसे लाइसेंस जारी किया था। सीएम ने कहा कि देश में दो नमूने हैं। एक दिल्ली व दूसरा लखनऊ में बैठता है। जब देश में कोई चर्चा होती है तो वह देश छोड़कर भाग जाते हैं। यही आपके बबुआ के साथ भी हो रहा है। आप चिल्लाते रहेंगे और बबुआ सैरसपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे।

सीएम ने फिर स्पष्ट किया कि कोडिन कफ सिरप (नकली दवा) के कारण मौत की कोई भी बात शासन के संज्ञान में नहीं आयी है। समय-समय पर एफएसडीए विभाग लगातार छापेमारी व कार्रवाई करती है। कंपनियों में भी इस प्रकार की कार्रवाई होती है। यूपी में कोडिन कफ सिरप के केवल स्टाकिस्ट व होलसेलर हैं। इसका यहां प्रोडक्शन नहीं होता। इसका प्रोडक्शन मध्य प्रदेश, हिमाचल व अन्य राज्यों में होता है। मौत के जो प्रकरण आए हैं, वह भी अन्य राज्यों के हैं। ऐसे प्रकरण तमिलनाडु में ● शेष पेज 11 पर

योगी बोले

- ❒ बोले-मामले में कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा, यूपी के जो सबसे बड़े होलसेलर हैं, उन्हें 2016 में समाजवादी पार्टी ने जारी किया था लाइसेंस
- ❒ देश में दो नमूने हैं, जब कोई चर्चा होती है तो वह देश छोड़कर भाग जाते हैं
- ❒ मुख्यमंत्री ने सपाइयों से कहा- आप चिल्लाते रहेंगे और 'बबुआ' सैरसपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे
- ❒ अवैध लेन-देन भी लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ: सीएम योगी
- ❒ सीएम ने सपाइयों से कहा: समय आने पर होगी बुलडोजर कार्रवाई, तब चिल्लाइएगा नहीं

केवल गीत नहीं, राष्ट्र की चेतना व साहस का मंत्र है वंदे मातरम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि वंदे मातरम केवल गीत नहीं राष्ट्र की चेतना व साहस का मंत्र है। कांग्रेस के तुष्टीकरण और जिन्ना की राजनीति ने वंदेमातरम को विवाद का मुद्दा बनाया। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और मोहम्मद अली जिन्ना को सीधे तौर पर भारत के सांस्कृतिक विभाजन और देश के बंटवारे का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम पर किया गया समझौता धार्मिक भावना का सम्मान नहीं, बल्कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति का सबसे खतरनाक प्रयोग था, जिसने अलगाववाद को जन्म दिया। मोहम्मद अली जिन्ना राष्ट्रगीत को मुस्लिम लीग की राजनीति का औजार बनाया और जानबूझकर इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर सोमवार को विधानसभा में विशेष चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा ● शेष पेज 11 पर

योगी सरकार ने विधानसभा में प्रस्तुत किया 24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट

विकास की रफ्तार बनाए रखने और प्राथमिक क्षेत्रों को मजबूती देने पर सरकार का फोकस

❒ अनुपूरक बजट मूल बजट का 3.03 प्रतिशत, 18,369 करोड़ राजस्व व्यय और 6,127 करोड़ पूंजीगत व्यय का प्रावधान ❒ ऊर्जा, स्वास्थ्य और नगरीय विकास सरकार की शीर्ष प्राथमिकता ❒ औद्योगिक विकास के लिए 4,874 करोड़, पावर सेक्टर को 4,521 करोड़ ❒ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को 3,500 करोड़ की बड़ी सौगात

❒ नगर विकास के लिए 1,758.56 करोड़, शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर ❒ तकनीकी शिक्षा के लिए 639.96 करोड़, स्किल और इनोवेशन को बढ़ावा ❒ महिला एवं बाल विकास के लिए 535 करोड़ का प्रावधान ❒ सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए यूपीनेडा को 500 करोड़ ❒ मेडिकल एजुकेशन को 423.80 करोड़, गन्ना एवं चीनी मिल को 400 करोड़ ❒ वित्तीय अनुशासन के साथ विकास का संतुलन, एफआरबीएम सीमा का पूर्ण पालन

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार ने सोमवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश करते हुए कहा कि यह अनुपूरक बजट प्रदेश में विकास की निरंतरता बनाए रखने, आवश्यक क्षेत्रों में अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने और बदलती जरूरतों के अनुरूप योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से लाया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश का मूल बजट 808,736.06 करोड़ का था, जबकि प्रस्तुत अनुपूरक बजट मूल बजट के अनुपात में 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को मिलाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 का कुल बजट अब 833,233.04 करोड़ का हो गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकासात्मक प्राथमिकताओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। प्रस्तुत अनुपूरक बजट में राजस्व व्यय के रूप में 18,369.30 करोड़, पूंजीगत व्यय के रूप में 6,127.68 करोड़ ● शेष पेज 11 पर

पंचायत चुनावों के लिए 200 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान

लखनऊ। योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुपूरक बजट में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के सफल और सुचारु आयोजन के लिए 200 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि का प्रस्ताव किया है। पंचायती राज विभाग से जुड़े इस प्रस्ताव का उद्देश्य चुनावी तैयारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। योगी सरकार के इस कदम को ग्रामीण लोकतंत्र को सशक्त करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने न केवल चुनावी प्रक्रिया बल्कि पंचायतों से जुड़े बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करने का खाका तैयार किया है। सीएम योगी के निर्देश पर पंचायतों के सशक्तिकरण पर सरकार विशेष जोर दे रही है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए अनुपूरक बजट 2025-2026 के अंतर्गत 200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया जा रहा है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय भवन निर्माण के लिए 24.50 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण हिस्से में पंचायत उत्सव भवन या बारात घर के निर्माण पर योगी सरकार का विशेष ध्यान है। इसके लिए प्रतीकात्मक राशि के तहत एक लाख रुपये का प्रावधान किया जा रहा है। आवश्यक धनराशि बचत मद से वहन की जाएगी। वहीं, जिला पंचायत शाहजहांपुर में भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। योगी सरकार की कोशिश है कि इन प्रावधानों से पंचायत स्तर पर प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक गतिविधियों को स्थान मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया अधिक सुदृढ़ होगी।

संक्षेप

पनडुब्बी रोधी पोत अंजदीप नौसेना के बेड़े में शामिल

नयी दिल्ली। देश में ही बनाए जा रहे आठ पनडुब्बी रोधी पोत में से तीसरा पोत 'अंजदीप' सोमवार को नौसेना के बेड़े में शामिल हो गया। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित किया गया यह पोत चेन्नई में भारतीय नौसेना के सुपुर्द किया गया। यह पोत जीआरएसई और मैसर्स एलएंडटी शिपयार्ड, कट्टुपल्ली के बीच सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत डिज़ाइन और निर्मित किया गया है। यह सहयोगात्मक रक्षा विनिर्माण की सफलता को दर्शाता है। लगभग 77 मीटर लंबाई वाले ये पोत 'वॉटरजेट' प्रणोदन से संचालित होने वाले भारतीय नौसेना के सबसे बड़े युद्धपोत हैं। ये अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए पनडुब्बी रोधी रॉकेट और उथले जल सोनार से सुसज्जित हैं, जिससे पानी के नीचे मौजूद खतरों की प्रभावी पहचान और उन्हें निष्प्रभावी करना संभव हो पाता है। यह पोत नौसेना की पनडुब्बी रोधी क्षमता, तटीय निगरानी तथा बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताओं को और सुदृढ़ करेगा।

चार राज्यों, केंद्र शासित क्षेत्रों की मतदाता सूची का मसौदा आज

नयी दिल्ली। केरल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केंद्र शासित अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की नयी मतदाता सूचियों का मसौदा मंगलवार 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। इस समय चुनाव आयोग द्वारा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत इन राज्यों की सूचियों के शुद्धीकरण का काम भी चल रहा है। आयोग के अधिकारियों ने यहां बताया कि इन राज्यों और क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) और जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) सूची के मसौदे की प्रतियां सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों को विशेष रूप से प्रस्तुत करेंगे। सूचियों के मसौदे संबंधित राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्र के सीईओ और डीईओ की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी। आयोग के निर्णयों के अनुसार एसआईआर में घर-घर जा कर मतदाता गणना फार्म जमा कराने और प्राप्त करने के चरण में जो मतदता अपने पतों पर अनुपस्थित या अन्यत्र स्थानांतरित या मृत पाये गये या जिनके नाम एक से अधिक जगह की सूची में पंजीकृत पाये गये ऐसे लोगों की सूची सीईओ और संबंधि डीईओ की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

अरावली रेंज की सीमा न्यायालय के फैसले के बाद हुई स्पष्ट : यादव

नयी दिल्ली। वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि आर्द्र भूमि संरक्षण के लिए 'रामसर साइट' का विकास उनकी सरकार में कई गुना बढ़ा है और अरावली पहाड़ियों को लेकर न्यायालय के फैसले से इसका क्षेत्र तय हुआ है इसलिए अब अरावली क्षेत्र में खनन का कार्य नहीं हो पाएगा। श्री यादव ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरित अरावली से जुड़े मुद्दे हाल के वर्षों में तेजी से आगे बढ़े हैं और इसी का परिणाम है कि आर्द्र भूमि के संरक्षण के अंतरराष्ट्रीय रामसर समझौते के तहत देश में 'रामसर साइट' की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है। उनका कहना था कि 2014 में देश में जहां केवल 24 रामसर साइटें थीं वे अब श्री मोदी के हरित आंदोलन के कारण उनकी संख्या बढ़कर अब 96 हो गई है। इनमें सुल्तानपुर, भिंडावास, असोला, सिलीसेढ़ और सांभर जैसी रामसर साइटें विकसित हुई हैं। ये सभी श्री मोदी के कार्यकाल में ही रामसर साइट घोषित हुई हैं। उन्होंने कहा कि उदयपुर को ● शेष पेज 11 पर

गैंगस्टर एक्ट में चुनिंदा कार्यवाही से कमजोर हो रहा कानून का राज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ जांच प्रक्रिया पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत जांच और अभियोजन की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनिंदा तरीके से की जाने वाली जांच और चुनिंदा अभियोजन कानून के शासन के विपरीत है और इससे शासन व्यवस्था पर जनता का भरोसा कमजोर होता है। कोर्ट ने कहा कि प्रभावशाली और संगठित अपराध से जुड़े लोग जमानत की शर्तों का खुलेआम उल्लंघन करते हैं और अदालतों में बार-बार स्थगन लिया जाता है, जबकि अभियोजन तंत्र उन्हें प्रभावी ढंग से चुनौती देने में विफल रहता है।

न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने ये टिप्पणियां गाजियाबाद के नंदग्राम थाने में राजेंद्र त्यागी वो दो अन्य के खिलाफ दर्ज गैंगस्टर एक्ट की प्राथमिकी रद्द करने मांग में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए कीं। याची का कहना था कि गैंगस्टर एक्ट के आवश्यक प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। डीएम और एसएसपी की संयुक्त बैठक में अधिनियम के अनुसार आवश्यक संतोष दर्ज किए बिना ही कार्रवाई की गई है। कोर्ट ने कहा कि लोकतांत्रिक राज्य की बुनियाद इस सिद्धांत पर टिकी होती है कि हर नागरिक कानून के समक्ष समान है और राज्य की नजर में समान रूप से महत्वपूर्ण है। प्रशासकों को यह समझना चाहिए कि उनके निर्णय न्याय व्यवस्था की दिशा तय करते हैं और इतिहास न केवल उन निर्णयों को दर्ज करता है बल्कि उन्हें दोहराता भी है। कोर्ट ने गृह विभाग को आगाह करते हुए कहा कि चयनात्मक जांच और अभियोजन कानून के राज के विपरीत हैं और इससे शासन में जनता का विश्वास धीरे-धीरे खत्म होता 10 कोर्ट ने कहा कि जिन जिलों में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू है वहां गैंग चार्ट को मंजूरी देने की प्रक्रिया में जिलाधिकारी को शामिल नहीं किया जा रहा है। जबकि जिन जिलों में कमिश्नरेट व्यवस्था नहीं है. वहां गैंग चार्ट को मंजूरी देने के लिए डीएम और एसएसपी की संयुक्त बैठक होती है। कोर्ट ने इसे उत्तर प्रदेश गैंगस्टर नियम 2021 के नियम 5 (3) (ए) का उल्लंघन बताया, जिसमें स्पष्ट रूप से गैंग चार्ट की स्वीकृति के लिए डीएम और एसएसपी या पुलिस आयुक्त की संयुक्त बैठक अनिवार्य की गई है। राज्य सरकार के अधिवक्ता का कहना था कि 26 नवंबर ● शेष पेज 11 पर

कोडीन सिरप के साथ चार अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

❒ एटा में 50 लाख रुपये का कफ सीरप बरामद, शुभम जायसवाल के सिंडिकेट से जुड़े तार

❒ अलीगंज पुलिस और आगरा नारकोटिक्स की संयुक्त कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता/एजेंसी

लखनऊ/एटा/आगरा। एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स उत्तर प्रदेश (एएनटीएफ) की ऑपरेशनल यूनिट आगरा ने अवैध नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोमवार को चार सक्रिय अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान तस्करों के कब्जे से 47 कार्टून (5640 बोतल) वनरेक्स कोडीन सिरप, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है, बरामद की गई है। इसके साथ ही एक टाटा ऐस गोल्ड वाहन, एक एसेन्ट कार, चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन, एक कीपैड मोबाइल और 3900 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं।

एएनटीएफ आगरा यूनिट की तरफ से यह गिरफ्तारी थाना अलीगंज, जनपद एटा क्षेत्र के नकटई कला गांव में स्थित पंजाब सिंह के तंबाकू गोदाम पर छापेमारी के दौरान की गई है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान प्रमोद कुमार पुत्र शिवराज सिंह निवासी ग्राम नगला उम्मेद थाना जसरथपुर, पंजाब सिंह पुत्र हेतु सिंह निवासी नगला बनी थाना राजा का रामपुर, जितेन्द्र सिंह पुत्र अतर सिंह निवासी ग्राम असदपुर थाना राजा का रामपुर तथा जितेन्द्र सिंह पुत्र रामवीर सिंह निवासी ग्राम नकटई कला थाना अलीगंज, जनपद एटा के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया कि प्रमोद कुमार का भाई ट्रक चालक है, जिसे एक व्यक्ति ने बनारस से कोडीन सिरप लादकर पश्चिम बंगाल भेजा था, जहां वह पकड़ा गया और वर्तमान में जेल में बंद है। उसी व्यक्ति ने उसके भाई की पैरवी के ● शेष पेज 11 पर

मोदी-लक्सन की टेलीफोन वार्ता के बाद हुई घोषणा

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने वैश्विक बाजार में भारतीय इकाइयों के लिए अवसर बढ़ाने की दिशा में निरंतर किये जा रहे प्रयासों के बीच सोमवार को न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) सम्पन्न होने की घोषणा की जो इस साल ब्रिटेन और ओमान के साथ हुए व्यापक आर्थिक सहयोग के समझौतों के बाद भारत का तीसरा समझौता है।

इसके तहत न्यूज़ीलैंड अपने यहां आयात की जाने वाली सभी तरह की वस्तुओं (अपनी शत-प्रतिशत प्रशुल्क सूचियों) पर शुल्क समाप्त करेगा। इससे वहां भारत से जाने वाले सभी प्रकार के माल को शुल्क मुक्त प्रवेश मिल गया है । इस कदम से वहां के बाजार भारत के कपड़ा, परिधान, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग वस्तुएं और ऑटोमोबाइल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। यह समझौता सेवाओं के क्षेत्र में न्यूज़ीलैंड का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रस्ताव है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएं, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन, निर्माण और अन्य व्यावसायिक सेवाओं में भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए नए अवसर खुलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड और प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच आज टेलीफोन पर बातचीत के बाद भारत-न्यूजीलैंड एपुटीए की संयुक्त रूप से घोषणा की गयी। दोनों प्रधानमंत्रियों की इसी वर्ष मार्च में हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने व्यापार समझौते की बातचीत शुरू की थी। दोनों नेताओं ने कहा कि नौ महीने के रिकार्ड कम समय में समझौता वार्ता का पूरा होना साझा महत्वाकांक्षा और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिखाता है। दोनों पक्षों ने कहा है कि यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा है कि इस एफटीए से दोनों देशों के बीच संबंधों का और विस्तार होगा और द्विपक्षीय आर्थिक संबंध मजबूत होंगे । इससे व्यापार में वृद्धि के साथ एक दूसरे के

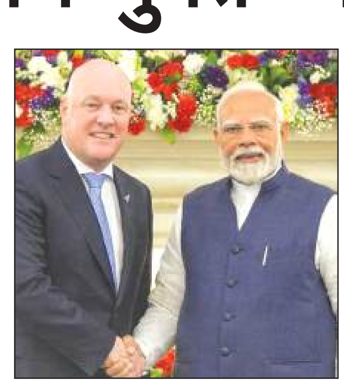

यहां निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इस समझौते की व्यवस्थाओं से दोनों देशों में नवाचार में लगे लोगों, उद्यमियों, किसानों, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नये मौके भी पैदा होंगे। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इस समझौते को अपने देश के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताया। उन्होंने श्री मोदी के साथ अपनी टेलीफोन वार्ता के बाद एक बयान में कहा, 'मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि मेरी पिछली भारत यात्रा के दौरान मैंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ इस समझौते की बातचीत शुरू की थी और उसके केवल नौ माह के अंदर ही व्यापार मंत्री टॉड मैकक्ले ने भारत के साथ व्यापार मंत्री (पीयूष गोयल) के साथ मिल कर यह समझौता सम्पन्न कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ व्यापार समझौते के वादे को अभियान का मुद्दा बनाया । दोनों देशों ने इस पर प्रतिबद्धता से काम किया। यह बुनियादी चीजों को ठीक करने तथा भविष्य का निर्माण करने वाला करार है। श्री लक्सन ने कहा, 'भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और सबसे तेजी से वृद्धि कर रही बड़ी अर्थव्यवस्था है-इससे न्यूजीलैंड के लोगों के लिए रोजगार, निर्यात और आर्थिक वृद्धि के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि एक भरोसेमंद देश के साथ बहुत अच्छी तरह से किया गए इस समझौते से न्यूजीलैंड को विस्तृत और दीर्घावधिक लाभ होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री गोयल ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और श्री लक्सन के मार्गदर्शन और नेतृत्व में हुआ यह समझौता दोनों देशों के आपसी संबंधों में एक ऐतिहासिक मुकाम है। श्री गोयल ने बताया कि इस एफटीए के मजबूत आधार के साथ दोनों नेताओं ने अगले पांच सालों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने और अगले 15 सालों में न्यूजीलैंड से भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर (17.91 अरब रुपये) के निवेश पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी और श्री लक्सन ने द्विपक्षीय सहयोग के अन्य क्षेत्रों खेल, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों का आदान-प्रदान में हुयी प्रगति का भी स्वागत किया दोनों नेताओं ने भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी है। उन्होंने बताया कि भारत के 100 प्रतिशत माल को न्यूजीलैंड के बाजार में शून्य आयात शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। भारत ने अपने यहां आयात किये जाने वाले 70 प्रतिशत प्रकार के माल पर न्यूजीलैंड को शुल्क उदारीकरण का लाभ देने की प्रतिबद्धता की है जिसमें वहां से ● शेष पेज 11 पर

यूपी कैबिनेट ने 15 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव को दी मंजूरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार सुबह आयोजित कैबिनेट की बैठक में 15 हजार 189.7 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके तहत मिर्ज़ापुर, हरदोई, बुलंदशहर, रायबरेली, गौतमबुद्धनगर, सोनभद्र, मेरठ, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़ में मेगा एवं सुपर मेगा श्रेणी की 12 औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किया जाएगा। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने ये जानकारी दी।

नन्दी ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश का प्रमुख गंतव्य बन कर उभरा है। बड़ी संख्या में निवेशक प्रदेश में निवेश के लिए स्वयं आगे आ रहे हैं। नन्दी ने कहा कि प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को धरातल पर साकार करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एक-एक एमओयू को फॉलोअप करना और उसे मेच्योर होने तक निरन्तर प्रयास करना हमारी प्रतिबद्धता है। प्रत्येक निवेशक, प्रत्येक उद्यमी उत्तर प्रदेश का मित्र है। बारह औद्योगिक इकाईयों में अर्थस्टार वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को मिर्ज़ापुर में 549.26 करोड़ की लागत ● शेष पेज 11 पर

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर जिलाधिकारी ने की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

बैठक में जिलाधिकारी ने एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृतक) श्रेणी के मतदाताओं के पुनः सत्यापन एवं मैपिंग कार्यों की प्रगति की जानकारी दी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृतक) श्रेणी के मतदाताओं के पुनः सत्यापन एवं मैपिंग कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा तैयार की गई एएसडी मतदाताओं की सूची सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं उनके बीएलए के साथ साझा की गई है। यदि कोई पात्र मतदाता भूलवश एएसडी सूची में शामिल हो गया है, तो उसे 26 दिसम्बर तक रोलबैक कराया जा सकता है, अन्यथा उसका नाम ड्राफ्ट सूची में सम्मिलित नहीं होगा।जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी अपात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो और कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए, इसके लिए बीएलओ और बीएलए के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने बताया कि एएसडी सूची सभी बूथों पर चस्पा की गई है तथा इसे जनपद प्रयागराज की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है, जहां मतदाता अपना नाम जांच सकते हैं।उन्होंने जानकारी दी कि 22 दिसम्बर अपराह्न 2 बजे तक 30,31,144 मतदाताओं (86.15 प्रतिशत) का डिजिटाइजेशन के अनुसार मैपिंग कार्य पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही, भारत निर्वाचन आयोग के ईसीआई नेट पोर्टल पर एएसडी श्रेणी के मतदाताओं की हिन्दी अनुवादित सूची पूर्ण विवरण सहित उपलब्ध करा दी गई है।जिलाधिकारी ने बताया कि जिन नागरिकों ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है या जो 01 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष के हो जाएंगे, वे फॉर्म-6 भरकर बीएलओ के पास जमा कर सकते हैं। ऐसे मतदाताओं का नाम 28 फरवरी 2026 को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। उन्होंने राजनीतिक दलों से अभियान में सहयोग की अपील की।बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी पूजा मिश्रा सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

माघ मेला के दौरान बेहतर आपदा प्रबंधन को लेकर राज्य स्तरीय संगोष्ठी सह टेबलटॉप एक्सरसाइज आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा माघ मेला के दौरान बेहतर आपदा प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 22S23 दिसम्बर 2025 को कोबरा ऑडिटोरियम, न्यू कैंट प्रयागराज में राज्य स्तरीय संगोष्ठी सह टेबलटॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया गया।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम में भीड़ प्रबंधन के साथ डूबने, शीतलहर एवं अग्नि दुर्घटना जैसी संवेदनशील आपदाओं पर विशेष फोकस किया गया।कार्यक्रम के पहले दिन तकनीकी सत्र आयोजित हुए, जबकि दूसरे दिन 26 जनपदों के अधिकारियों के साथ टेबलटॉप एक्सरसाइज कराई जाएगी। इसमें राजस्व, पुलिस, अग्निशमन एवं आपात सेवाएं, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी प्रतिभाग कर रहे हैं।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) योगेंद्र डिमरी ने कहा कि भीड़ प्रबंधन योजना बनाते समय खतरे, जोखिम और परिस्थितियों को समझना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला अंतर-विभागीय समन्वय एवं त्वरित निर्णय क्षमता को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी।ऑनलाइन माध्यम से जुड़े पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण ने कहा कि भीड़ प्रबंधन केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह वैज्ञानिक योजना, जोखिम आकलन और बहु-विभागीय समन्वय पर आधारित एक समग्र प्रक्रिया है। माघ मेला जैसे विशाल आयोजनों के लिए यह अभ्यास फील्ड अधिकारियों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा।मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने इसे आपदा प्रबंधन की तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। वहीं जीओसी मध्य भारत एरिया लेफ्टिनेंट जनरल पी.एस. शेखावत ने आयोजन स्थलों पर आगमन-प्रस्थान मार्गों के प्रभावी प्रबंधन पर बल दिया।अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजय पाल ने बताया कि माघ मेला के लिए ट्रैफिक, पार्किंग एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रैंड पैरेंट्स कार्यक्रम संत मैरिज हाल में सम्पन्न

कोरांव, प्रयागराज। कोरांव के तरांव में स्थित संत मेरीज स्कूल में आज 22 दिसंबर को ग्रैंड पैरेंट्स के लिए समर्पित कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि नाजरेथ हॉस्पिटल के निर्देशक फादर विपिन डीसूजा उपस्थित रहे, विशिष्ट अतिथि ए सी पी मेजा एस पी उपाध्याय तथा अन्य अतिथियों में नरसिंह केशरी पूर्व चेयरमैन कोरांव, राम अवध कुशवाहा पूर्व ब्लॉक प्रमुख कोरांव, प्रमोद मिश्र पयासी और आंध्र प्रदेश से आए हुए वाई एस आर कांग्रेस के प्रवक्ता मेड़ा किरण कुमार उपस्थित रहे ।विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जॉर्ज मेडापल्ली ने आए हुए अतिथियों को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों ने ग्रैंड पैरेंट्स को समर्पित मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया अंत में आए हुए सभी ग्रैंड पैरेंट्स को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

नैनी थाना क्षेत्र के मामा–भांजा चौकी इलाके में पशु तस्करी का आरोप

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र की मामा–भांजा चौकी अंतर्गत भंडरा के पास स्थित हिंदुस्तान ढाबा के आसपास पशु तस्करी का धंधा खुलेआम चलने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार, ढाबे की आड़ में लंबे समय से पशुओं की अवैध तस्करी की जा रही है, जिसमें नीचे से ऊपर तक हिस्सेदारी तय होने की चर्चा है।सूत्रों का दावा है कि इस नेटवर्क में चौकी, थाना और कुछ उच्च अधिकारियों तक हर माह लाखों रुपये की कथित बंदरबांट की जाती है। बताया जा रहा है कि यह तस्करी मामा–भांजा चौकी क्षेत्र से शुरू होकर नैनी, अटाला और खुल्दाबाद थाना क्षेत्रों से गुजरते हुए उन्नाव तक पशुओं की सप्लाई तक फैली हुई है।आरोप है कि स्लॉटर हाउस बंद होने के बावजूद प्रतिदिन कई दर्जन पशुओं का अवैध वध किया जा रहा है। पशुओं को छोटे हाथी, पिकअप और अन्य वाहनों में लादकर नैनी ब्रिज के रास्ते अटाला क्षेत्र तक पहुंचाया जाता है। स्थानीय स्तर पर कुछ नाम चर्चाओं में बताए जाते हैं, जिनके पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज होने की भी बात कही जा रही है, लेकिन कथित तौर पर कार्रवाई के बजाय केवल वसूली तक ही सीमित रह जाती है।

11 हजार चलती लाइन काट कर ट्रांसफार्मर खोलकर लाखों की चोरी

मोहनलालगंज, लखनऊ , कैनविज टाइम्स संवाददाता। 11 000 वोल्ट विद्युत लाइन काटकर अज्ञात चोर निजी फार्म हाउस में लगे 250 केवी का ट्रांसफार्मर उतार कर ट्रांसफार्मर में लगा लाखों रुपए का कीमती सामान अज्ञात चोर चोरी कर फरार हो गए।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के रत्नाकर यादव ने सोमवार मोहनलालगंज पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि ग्राम पुरसैनी स्थित मेरे फार्म हाउस पर ढाई सौ केबी का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था जिसे अज्ञात चोर बीती रात बिजली के पोल में चल रही 11000 वोल्ट की लाइन को काटकर ट्रांसफार्मर उतार ट्रांसफार्मर में लगा कॉपर वायर ऑयल समेत कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए सोमवार की दोपहर जब मैं मौके अपने फॉर्म पर पहुंचा तो देखा सारा सामान बिखरा हुआ था इसके बाद मैंने 112 पुलिस को सूचना दी वही पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देते हुए कार्यवाही करने की मांग की है।

सांसदों–विधायकों को पेंशन, कर्मचारियों को क्यों नहीं, ओपीएस बनाम एनपीएस पर हाईकोर्ट का सवाल

प्रयागराज । सांसदों और विधायकों को मिलने वाली पेंशन और सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू नई पेंशन योजना (एनपीएस) को लेकर देशभर में बहस तेज हो गई है। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली की मांग कर रहे कर्मचारी संगठनों को इस मुद्दे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी से बल मिला है। अदालत ने सरकार से पूछा है कि यदि एनपीएस कर्मचारियों के लिए ल्लअच्छीक्क है, तो इसे सांसदों और विधायकों पर क्यों लागू नहीं किया गया।गौरतलब है कि वर्ष 2004 के बाद नियुक्त सरकारी कर्मचारियों के लिए ओपीएस बंद कर एनपीएस लागू की गई। एनपीएस के तहत कर्मचारी के वेतन से 10 प्रतिशत अंशदान कटता है, जबकि सरकार 14 प्रतिशत योगदान देती है। इसके बावजूद सांसदों और विधायकों को अब भी पुरानी पेंशन का लाभ मिल रहा है।कर्मचारी संगठनों का कहना है कि नेता एक दिन के लिए भी चुने जाएं तो पेंशन के पात्र हो जाते हैं, जबकि कर्मचारी 35S40 वर्ष सेवा देने के बाद भी सुनिश्चित पेंशन से वंचित हैं। सरकार का दावा है कि एनपीएस लाभकारी है, पर कर्मचारी इससे सहमत नहीं हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार से इस असमानता पर स्पष्ट जवाब तलब करते हुए कर्मचारियों की मांगों पर विचार करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली पब्लिक स्कूल ने मनाया अपना वार्षिक शीतकालीन कार्निवल

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। दिल्ली पब्लिक स्कूल एल्डिको शाखा ने अपना वार्षिक शीतकालीन कार्निवल मनाया। स्कूल की तरफ से बताया गया कि उत्सव जीवन को जुनून और उद्देश्य से भर देते हैं और एक शानदार शीतकालीन कार्निवल ऐसा ही एक उत्सव है। जिसमें माता–पिता और छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अनामिका सिंह यूपी पीसीएस–2020 बैच के उद्घाटन के साथ हुई। प्रिंसिपल मनीषा अंथवाल ने अभिभावकों और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। उत्सव के दौरान स्कूल का मैदान शानदार संगीत और जीवंत भीड़ से गूंज उठा। यह बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम सवारी और खेल, स्वादिष्ट भोजन स्टालों, लाइव संगीत और नृत्य प्रदर्शन, एक कला और शिल्प कोने, छात्रों और उनके माता–पिता के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों के साथ उत्साह से भरा दिन होने का वादा करता है।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से विकसित भारत के लिए एआई एवं रोबोटिक्स आधारित स्मार्ट कृषि विषय पर अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस का शुभारंभ किया। दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय कृषि को तकनीक–आधारित, नवोन्मेषी एवं टिकाऊ बनाने के लिए समाधान प्रस्तुत करना है। इस दौरान कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स एवं स्मार्ट तकनीकों की भूमिका पर विस्तृत विचार–विमर्श हुआ, जिससे भविष्य की कृषि को अधिक सक्षम एवं लचीला बनाया जा सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश प्रताप सिंह, राज्यमंत्री, उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार, उत्तर प्रदेश सरकार रहे।

वंदे मातरम की भावना ने भारत को विश्व मंच पर गौरव दिलाया: मंत्री कपिल देव अग्रवाल

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने विधानसभा में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित विशेष चर्चा में सहभाग करते हुए कहा कि संसद के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा में पहली बार वंदे मातरम् जैसे महान राष्ट्रगीत पर विस्तृत चर्चा होना प्रदेश के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि देश के लिए समर्पण, संघर्ष और बलिदान की भावना का जीवंत प्रतीक है।मंत्री अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब अंग्रेज, क्रांतिकारियों पर अत्याचार करते थे, तब भी उनके मुख से 'वंदे मातरम्' का उद्घोष नहीं रुकता था। पीठ पर कोड़े पड़ते थे, लेकिन देशभक्ति की यह लौ उन्हें झुकने नहीं देती थी। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष महत्व दिए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल स्मरण नहीं, बल्कि नई पीढ़ी, युवाओं और बालिकाओं में देश के प्रति समर्पण और संघर्ष की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प है।

अधिवक्ता का चैंबर तोड़कर लाखों नगदी एवं स्टांप चोरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बा स्थित कोतवाली के बगल तहसील परिसर में अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी, को अंजाम देते हुए अधिवक्ता के चेंबर का ताला कटर से कटकर लाखों की नगदी एवं स्टांप पेपर सहित अन्य जरूरी कागजात चोरी कर फरार हो गए।

मोहनलालगंज कोतवाली के बगल तहसील परिसर स्थित बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अधिवक्ता अवधेश प्रताप सिंह के चैम्बर में रविवार देर रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल कटर मशीन एवं आरी से मुख्य द्वार काटकर चैम्बर में स्टाम्प वेंडर से जुड़ी दो अलमारियों को तोड़ कर स्टांप वेंडर आकाश द्वारा चेंबर के अंदर एकअलमारी में रखे स्टाम्प विभाग द्वारा जारी मूल स्टाम्प पेपर, एवं दूसरी अलमारी में अधिवक्ता की महत्वपूर्ण फाइलें व दस्तावेज तथा करीब 1 लाख 53 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए। चोरी के दौरान दोनों अलमारियों व चैम्बर को भी भारी नुकसान पहुंचाया।पीड़ित अधिवक्ता एवं मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अवधेश सिंह ने मोहनलालगंज कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की हैवही कोतवाली से सटे तहसील परिसर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में,हुई चोरी पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिवक्ताओं ने गंभीर सवाल उठाए हैं। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अधिवक्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

गोसाईगंज पावर हाउस पर दिन भर किसानो का चला धरना

लखनऊ। गोसाईगंज पावर हाउस के सामने भारतीय किसान यूनियन (भानू) के ब्लॉक अध्यक्ष आयुष वर्मा के नेतृत्व धरना चला। शाम होने से पहले ही बिजली विभाग के एस डी ओ और एक्सियन मौके पर पहुंचे। उन्होंने से किसानो के साथ बैठ कर उनकी समस्याओं को सुना और उनका उसी समय निस्तारण भी कर दिया।भाकियू ब्लॉक अध्यक्ष आयुष वर्मा के अनुसार किसान सुरेश कुमार,धर्मेंद्र कुमार, संतराम आदि की विद्युत समस्याओं लेकर पावर हाउस पर कई बार शिकायतें की गई लेकिन कामचोर कर्मचारियों व अधिकारियों ने उनपर ध्यान नहीं दिया।

शिक्षक की नौकरी लगवाने के नाम पर 14 लाख की ठगी, फर्जी नियुक्ति पत्र थमाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। शिक्षक पद पर नौकरी लगवाने के नाम पर 14 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि शातिरों ने सोनभद्र के एक सरकारी विद्यालय में नियुक्ति का झांसा देकर न केवल रुपये ऐंठे, बल्कि माध्यमिक शिक्षा परिषद का फर्जी नियुक्ति पत्र भी दे दिया। फर्जीवाड़े का खुलासा होने पर सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मिर्ज़ापुर के वासलीगंज निवासी मोहम्मद जमाल अख्तर और नैनी की एडीए कॉलोनी निवासी कौशलेश शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

एफआईआर के अनुसार फाफामऊ के चंदापुर गांव निवासी देवकी नंदन त्रिपाठी यूपी पुलिस से वर्ष 2021 में हेड कांस्टेबल पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। सीओ नगर मिर्ज़ापुर की पेशी में तैनाती के दौरान उनकी मुलाकात मोहम्मद जमाल और कौशलेश शर्मा से हुई थी, जो अक्सर पुलिस कार्यालय आते-जाते थे। दोनों ने दावा किया कि शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी से उनकी अच्छी पहचान है और वे टीजीटी परीक्षा पास कराकर नियुक्ति पत्र दिला सकते हैं।झांसे में आकर देवकी नंदन त्रिपाठी ने अपने बेटे राहुल त्रिपाठी के लिए संपर्क किया। इसके बाद प्रयागराज के प्रधान डाकघर के पास मुलाकात हुई, जहां दोनों आरोपियों ने टीजीटी पद पर नियुक्ति के बदले 14 लाख रुपये की मांग की। कुछ दिन बाद कौशलेश ने अपने मकान पर बुलाया, जहां जमाल और उसकी पत्नी बानो साजिदा मौजूद थीं। आरोप है कि वहीं नियुक्ति तय होने की बात कहकर आरटीजीएस, नकद और यूपीआई के माध्यम से कुल 14 लाख रुपये ले लिए गए।कुछ समय बाद आरोपियों ने फोन पर बताया कि बेटा टीजीटी परीक्षा में पास हो गया है। इसके बाद डाक से प्रयागराज माध्यमिक शिक्षा परिषद का कथित नियुक्ति पत्र भेजा गया, जिसमें सोनभद्र के चिहरिया राजकीय हाईस्कूल में सहायक अध्यापक पद पर नियुक्ति दर्शाई गई थी। पत्र पर उत्तर प्रदेश अपर शिक्षा निदेशक (राजकीय) के हस्ताक्षर भी बताए गए थे।जब पीड़ित का बेटा दिए गए पते पर पहुंचा तो पता चला कि उस नाम का कोई विद्यालय अस्तित्व में ही नहीं है। शिकायत करने पर आरोपियों ने पता गलत टाइप होने की बात कहकर नया नियुक्ति पत्र देने का आश्वासन दिया, लेकिन तब तक ठगी का खुलासा हो चुका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घायल व्यक्तियों को कोरांव थाना में बनी पुलिस सीसी टीम ने घायलों को पहुंचाया हॉस्पिटल

कोरांव, प्रयागराज। उच्चाधिकारियों के निर्देशन में जनहित के सहयोग के लिए हर थाना में सी सी टीम का गठन किया गया है जिससे आम जनता को हर तरह से सहयोग मिले व पुलिस आम जनता के बीच एक अच्छा सौहार्द बना रहे इसी क्रम में सोमवार को कोरांव थाना क्षेत्र के करपिया मे दो व चार पाहिया वाहन ठ्ठ70 क्क6647 चालक जतिन मणि त्रिपाठी निवासी कोलसरा लेडियारी थाना खीरी व अजीत कुमार निवासी सुहास बिसरी की गाडी से एक्सीडेंट हुआ सूचना प्राप्त होते ही कोरांव थाना में बनाई गई पुलिस सी सी टीम उपनिरीक्षक गिरीश राय हेड कांस्टेबल शमशेर सिंह कांस्टेबल अजय यादव, धीरज पटेल व कांस्टेबल धर्मेश यादव तुरंत घटनास्थल पर पहुंच कर घायल व्यक्तियो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव चिकित्सा हेतु पहुंचाए।

भाजपा महानगर अध्यक्ष ने डीएम को सौंपा घुसपैठियों की सूची

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी को लखनऊ शहर में अनधिकृत रूप से रह रहे संभावित घुसपैठियों की चिन्हित 65 झुग्गी झोपड़ियां की सूची उनके सरकारी आवास पर दी । उनका स्थलीय सत्यापन कराकर नियम अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के लिए पत्र भी दिया।आनंद द्विवेदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि लखनऊ में जो भी झुग्गी झोपड़ियां अवैध है और जो लोग उसमें अनधिकृत रूप से रह रहे हैं उनका यहां से क्या लेना देना है। तत्काल प्रभाव से उन्हें यहां से हटा जाए।यदि वोटर लिस्ट में उनका नाम है तो वह भी जांच का विषय है उसकी जांच करके सूचीबद्ध कराया जाए और हटाया जाए।जिलाधिकारी से भेंट के समय महामंत्री राम अवतार कनौजिया, उपाध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल, मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग, विनायक पांडे, अरविंद मिश्रा, राकेश गुप्ता, अनुराग साहू और शिशिर बाजपेई उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के पत्र के क्रम मे आयोजित हुए स्वास्थ्य शिविर

लखनऊ। सोमवार को अवध डिपो कैसरबाग, आलमबाग बस स्टैंड एवं आलमबाग डिपो में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के पत्र के क्रम में बस स्टैंडों पर स्वास्थ्य शिविर लगाये गए हैं तथा ये कार्यक्रम तीन दिवसीय है । इन स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन का उद्देश्य बस डिपो में कार्यरत चालक, परिचालक एवं सहयोगी स्टाफ को एक ही स्थान पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। शिविरों में टीबी की स्क्रीनिंग एवं जांच के साथ-साथ नेत्र परीक्षण, एचआईवी, एसटीआई, हेपेटाइटिस एवं सिफलिस से संबंधित परामर्श एवं जांच की सुविधा प्रदान की गई।

अवैध खनन करने वाले दबंगो की भेंट चढ़ रही नहर की पटरी, जिमेदारों मौन

काकोरी । कोतवाली काकोरी क्षेत्र में मिट्टी खनन माफिया सरकारी जमीनों पर कहर बनकर मिट्टी निकालने के लिए टूट पड़े हैं अब खनन करने वाले दबंगो ने नहरों-रजबहों को भी खनन की जद में लेना शुरू कर दिया है। बाहरू गांव की पुलिया के पास रजबहा की पटरी में रातों रात खनन माफियाओं ने सैकड़ों ट्रालियां मिट्टी खोदकर नहर की पटरी का नामोनिशान मिटा दिया है। क्षेत्रीय किसानों ने नहर में पानी आने पर नहर की पटरी कटने की आसंका जताई है और किसानों की सैकड़ो बीघा जमीन पर बोई फसल पानी मे डूबने की चिंता किसानों को सता रही है। सैकड़ो ग्रामीणों ने बताया कि में खनन माफिया ने रजबहे की पटरी खोदकर मिट्टी खनन कर रहे है । अगर इसका कोई विरोध करता है तो क्षेत्रीय दरोगा विरोध करने वाले लोगों को डरा धमकाकर कर फर्जी मुकदमे में जेल भेजने की धमकी देकर चुप करा देता है। वही नहर विभाग के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि स्थानीय पुलिस व नजर के क्षेत्रीय अधिकारी मिलकर नहर की मिट्टी बेच रहे हैं कोई शिकायत करता है।

एसीपी की ताबड़तोड़ कार्रवाई, खनन माफियाओं पर कसा शिकंजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रयागराज पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कौंधियारा सर्किल के एसीपी अब्दूस सलाम खान ने खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई की।

एसीपी ने कौंधियारा और खीरी थाना क्षेत्र में चल रहे अवैध बालू खनन की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जांच की। कार्रवाई के दौरान खनन के लिए बनाए गए अवैध रास्तों को तत्काल बंद कराया गया। माफियाओं द्वारा देर रात नदी से निकाली गई अवैध बालू को जेसीबी मशीन की मदद से वापस नदी में डलवाया गया।एसीपी अब्दूस सलाम खान ने मौके पर मौजूद दोनों थाना प्रभारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ल्लहमारे रहते अवैध कारोबार नहीं चलने दिया जाएगा, शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।क्क इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि आगे भी इसी तरह अवैध खनन पर रोक लगेगी।एसीपी की इस सख्त पहल से यह साफ संदेश गया है कि प्रयागराज में अवैध खनन करने वालों के खिलाफ पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में है और किसी भी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिविल डिफेंस के जांबाज स्वयंसेवकों ने बचाई अनमोल जान, किए गए सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। वर्ष 2025 में मानवता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश करने वाले सिविल डिफेंस प्रखंड लोहिया नगर के जांबाज स्वयंसेवकों को उनके साहसिक कार्यों के लिए डिवीजनल वार्डन द्वारा सम्मानित किया गया।

दिनांक 8 जनवरी 2025 को प्रातः दिल्ली से लखनऊ आते समय सिविल डिफेंस लोहिया नगर के डिप्टी डिवीजनल वार्डन डॉ. पंकज कुमार की गाड़ी के आगे चल रही वाहन संख्या ख्र्ट-47 क्क4599 अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। वाहन में चार महिलाएं एवं एक चालक सवार थे। दुर्घटना के कारण वाहन के दरवाजे लॉक हो गए।स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए डॉ. पंकज कुमार ने अपने दो साथियों के साथ तत्काल गाड़ी रोककर लॉक शीशे तोड़े और सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें से एक महिला की सांसें रुक चुकी थीं तथा सिर में गंभीर चोट थी। डॉ. पंकज कुमार ने मौके पर ही महिला को सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। अत्यधिक रक्तस्राव को रोकने के लिए महिला के स्टॉल से सिर को कसकर बांधा गया तथा तत्पश्चात एंबुलेंस के माध्यम से निकटवर्ती अस्पताल भिजवाया गया, जिससे पीड़िता की जान बच सकी।दूसरी घटना दिनांक 6 दिसंबर 2025 को सिविल डिफेंस प्रखंड लोहिया नगर के जांबाज स्वयंसेवक विनय कुमार मौर्य ने त्वरित सूझबूझ दिखाते हुए एक अजनबी व्यक्ति की जान बचाई। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र स्थित आशियाना के श्रेया आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सालय में दवा लेने आए राजेंद्र मणि त्रिपाठी का अचानक रक्तचाप अत्यधिक कम हो गया जिससे वे गिर पड़े और उनकी सांसें थम गईं।

लखनऊ में रिपो एजेंसियों का 'काला सच' बेनकाब, अपना दल (एस) जिलाध्यक्ष हरिओम पटेल को मिल रही जान से मारने की धमकियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रिपो एजेंसियों की मनमानी और कथित अवैध वसूली का गंभीर मामला सामने आया है। सोशल मीडिया के माध्यम से इन एजेंसियों की कार्यशैली उजागर करने वाले अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष हरिओम पटेल को अब लगातार धमकियां मिलने का आरोप है। पूरा मामला गोसाईगंज थाना क्षेत्र के रहमतनगर निवासी हरिओम पटेल के फ़ेसबुक अकाउंट से सामने आया, जहां उन्होंने लोन लेने वाले उपभोक्ताओं के साथ हो रही जबरदस्ती के कई मामलों को सार्वजनिक किया है। उच्च अधिकारियों के शिकायत के साथ-साथ सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक मामले के अनुसार साइन एसोसिएट नामक रिपो एजेंसी से जुड़े कुछ लोगों ने रहमतनगर निवासी श्याम सुंदर की गाड़ी को चिनहट थाना क्षेत्र अंतर्गत विधायक चौराहे के पास जबरन रोक लिया। आरोप है कि वाहन उठाने वाले लोगों ने खुद को बैंक अधिकारी बताते हुए गाड़ी कब्जे में ले ली, जबकि उनके पास न तो कोई पहचान पत्र था और न ही कंपनी का कोई ऑथराइजेशन लेटर। नियमों के अनुसार, रिपो एजेंसी केवल बैंक के लिखित आदेश पर ही वाहन जब्त कर सकती है, किसी भी प्रकार की जबरदस्ती, धमकी या मारपीट पूरी तरह गैरकानूनी है। पीड़ित के अनुसार, कंपनी के दबाव में उसके खाते से 30 हजार रुपये जमा कराए गए, इसके बावजूद गाड़ी लौटाने में लगातार टालमटोल की जाती रही। मामले की जानकारी मिलते ही हरिओम पटेल ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए साइन एसोसिएट कंपनी के कार्यालय पहुंचकर 112 नंबर पर सूचना दी। जब वहां से कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने पूरे मामले की जानकारी चिनहट थाना प्रभारी को दी। थाना प्रभारी द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद कंपनी ने पीड़ित के खाते में तत्काल 30 हजार रुपये वापस किए और दो दिनों के भीतर गाड़ी भी लौटा दी।

कल होगा बिजली कर्मियों, ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों का विरोध प्रदर्शन

लखनऊ । विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय निरस्त कर उत्तर प्रदेश में पिछले 16 साल से चल रहे आगरा फ्रेंचाइजी के निजीकरण के प्रयोग की समीक्षा की जाए। जहां फ्रेंचाइजी के चलते पावर कारपोरेशन को अब तक लगभग 30 अरब रुपए का घाटा हो चुका है। 23 दिसंबर को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जन्मदिन और किसान दिवस होने के कारण संघर्ष समिति ने निर्णय लिया है कि बिजली कर्मियों, ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों का निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन अब 23 दिसंबर के बजाय उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में 24 दिसंबर को होगा।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ने रखी सरकार की स्थिति

सदस्यों ने अनेक मामलों में कार्य पूर्ण होने पर मंत्री श्री शर्मा को दिया धन्यवाद

शिक्षण संस्थानों की विद्युत दरों में उदार नीति का आश्वासन

मृतक आश्रित कोटे में नियुक्ति प्रक्रिया का विवरण सदन के समक्ष रखा

कैनविज टाइम्स संवाददात

लखनऊ। प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने आज विधान परिषद में माननीय सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए सरकार का पक्ष स्पष्ट रूप से सदन के समक्ष रखा। इस दौरान अनेक सदस्यगणों ने अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यों के पूर्ण होने पर नगर विकास विभाग एवं मंत्री श्री शर्मा का धन्यवाद व्यक्त किया।नगरीय निकाय निदेशालय के अंतर्गत मृतक आश्रित कोटे से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि कार्मिक विभाग से प्राप्त परामर्श के उपरांत अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत चौरी चौरा, जनपद गोरखपुर द्वारा आदेश संख्या दिनांक 22 जुलाई 2025 के माध्यम से स्वर्गीय कुमारी अंबिका सिंह की बड़ी अविवाहित बहन कुमारी स्नेहा सिंह (पुत्री श्री गिरजानंद सिंह) को मृतक आश्रित के रूप में टैक्स कलेक्टर पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कुमारी स्नेहा सिंह द्वारा दिनांक 15 दिसंबर 2025 को अपराह्न में नगर पंचायत चौरी चौरा, जनपद गोरखपुर में उक्त पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है।ऊर्ज़ा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने शिक्षण एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं से संबंधित विद्युत दरों के विषय में सदन को अवगत कराया कि सरकार इन संस्थानों के प्रति संवेदनशील एवं उदार दृष्टिकोण रखती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शैक्षणिक संस्थानों की विद्युत दरें वाणिज्यिक श्रेणी या उससे अधिक नहीं होनी चाहिए। इस संबंध में उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग को लिखित रूप से अनुरोध भेजा जाएगा, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वित्तीय वर्ष 2020S21 से लेकर वित्तीय वर्ष 2025S26 तक विगत छह वर्षों में किसी भी श्रेणी की विद्युत दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है, जो उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।जनपद मैनपुरी के नगर पालिका परिषद के विभिन्न क्षेत्रों/मोहल्लों में सड़क निर्माण के प्रश्न पर नगर विकास मंत्री ने बताया कि नगर पालिका परिषद मैनपुरी के सीमा विस्तार के बाद विभिन्न मोहल्लों/क्षेत्रों में 23 करोड़ 19 लाख रुपए की लागत से कुल 196 सड़कों/गलियों का निर्माण कराया गया।इस संबंध में भी मा. सदस्यगण ने नगर विकास मंत्री श्री शर्मा का धन्यवाद दिया।नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने कहा कि सरकार पारदर्शी, संवेदनशील एवं जनहितकारी प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध है।

केजीएमयू में धर्म परिवर्तन के दबाव का आरोप, जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने लगाए नारे, आरोपी डॉक्टर की बर्खास्तगी की मांग.राजधानी लखनऊ के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (खक्क्ख्ठ) में धर्म परिवर्तन के दबाव को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले को लेकर मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने केजीएमयू परिसर में ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों ने केजीएमयू में कार्यरत एक डॉक्टर पर लव जिहाद और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप लगाए। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने आरोपी डॉक्टर को तत्काल बर्खास्त करने की मांग करते हुए परिसर में जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया, हालांकि खक्क्ख्ठ प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए केजीएमयू के कुलपति ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और उन्हें निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।कुलपति ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच के लिए विशाखा कमेटी गठित की गई है। जांच में यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डालीगंज में सम्पन्न हुआ पांच कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । डालीगंज स्थित मंदिर से सामूहिक विवाह के लिए पांच दूल्हों की बारात निकली तो हर कोई देखते रह गया, घोड़ी पर सजे धजे दूल्हे राजा के ऊपर लोग घरों से पुष्प वर्षा कर रहे थे। श्री राधा सखी सेवा परिवार समिति की ओर से सातवां कन्यादान उत्सव का आयोजन सोमवार को मानस मंदिर डालीगंज में धूमधाम से संपन्न हुआ। समिति की अध्यक्ष व संस्थापिका सुषमा अग्रवाल ने बताया कि इस बार भी 5 कन्याओं का कल्याण मंडप विवाह संपन्न हुआ। विवाह से पूर्व प्रातः 11:00 बजे नयागंज डालीगंज से दूल्हे बारात लेकर मानस मन्दिर पहुंचे। उसके बाद 11:30 बजे द्वारचार, 12: 30 बजे जयमाला, उसके बाद 4:30 बजे गोधूलि बेला में विवाह कार्यक्रम हुआ। फोक सिंगर दीपक सिंह ने विवाह में सुंदर गीतों से सभी को भाव विभोर कर दिया। शाम को भजन संध्या का कार्यक्रम से समापन हुआ। सभी जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक अर्पणा नेवटिया, भाजपा लखनऊ महानगर उपाध्यक्ष घनश्याम दास अग्रवाल, पार्षद रंजीत सिंह, पार्षद प्रतिनिधि सुदर्शन कटियार, व्यापारी नेता मनीष गुप्ता, रविश अग्रवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पश्चिम जोन पुलिस का जागरूकता अभियान जारी

अभियान के तहत सरकारी हेल्पलाइन नंबरों 102, 108, 112, 1090, 181, 1930 समेत अन्य नम्बरो की विस्तृत जानकारी दी गई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । कमिश्नरेट लखनऊ के पश्चिम जोन अंतर्गत थाना अमीनाबाद में महिला सहायता एवं सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के दौरान मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक गौरव कुमारी मय महिला आरक्षी वंदना यादव व महिला आरक्षी रंजू द्वारा अपनी टीम के साथ अमीनाबाद क्षेत्र के स्कंद हाई स्कूल में भ्रमण किया गया व अभियान के अंतर्गत उपस्थित शिक्षकगण एवं छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित सरकारी हेल्पलाइन नंबरों – 102, 108, 112, 1090, 181, 1930 इत्यादि – की विस्तृत जानकारी दी गई ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे तुरंत पुलिस या संबंधित विभाग से सहायता प्राप्त कर सकें,अभियान के दौरान छात्र छात्राओं को ''मिशन शक्ति'' अभियान के बारे में भी अवगत कराया गया, जो उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों और वरिष्ठ नागरिक महिलाओं को सुरक्षा, सहायता और अधिकारों के प्रति सजग बनाना है।साथ ही, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि यदि वे कहीं बालश्रम या किसी किशोर के साथ दुर्व्यवहार जैसी घटना देखें, तो तुरंत इस नंबर पर संपर्क करें, जिससे पीड़ित को समय पर सहायता मिल सके।साइबर अपराध से सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा छात्राओं को ''गुड टच'' और ''बैड टच'' की पहचान के बारे में भी शिक्षित किया गया। उन्हें आत्मरक्षा, आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन के महत्व पर प्रेरित किया गया।

नागरिक सुरक्षा संगठन के तृतीय बैच के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा संचालित तृतीय बैच का क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को 90 वार्डे न का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। आयोजित समापन समारोह में विश्वजीत श्रीवास्तव(आईपीएस), पुलिस उपायुक्त, पश्चिमी जोन, लखनऊ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चीफ वार्डे न अमरनाथ मिश्र ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि विश्वजीत श्रीवास्तव(आईपीएस) ने अपने संबोधन में कहा कि नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक आपदा प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों तथा त्योहारों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सिविल डिफेंस के स्वयं सेवक प्रशासन को महत्वपूर्ण सहयोग देते हैं उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त स्वयंसेवकों से अपेक्षा व्यक्त किया कि वे अर्जित ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज एवं राष्ट्रहित में करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्परता एवं अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चीफ वार्डे न अमरनाथ मिश्र ने वार्डे नो को कर्तव्य निष्ठा का पाठ पढ़ाया और बताया कि नागरिक सुरक्षा संगठन का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को आपदा एवं आपात स्थितियों के प्रति जागरूक करना है।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपाई की जयंती पर आयोजित एकल काव्य पाठ मे शामिल होंगे रक्षा मंत्री

लखनऊ। लखनऊ से सांसद केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार 24 दिसंबर को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ पहुंचेंगे। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार शाम 04:05 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से अटल कन्वेंशन सेंटर जाएंगे और वहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के अवसर पर आयोजित ''एकल काव्य पाठ'' कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम के उपरांत शाम 6:00 बजे कालिदास मार्ग आवास जाएंगे।अगले दिन बृहस्पतिवार 25 दिसंबर को अपराह्न 01:30 बजे कालिदास मार्ग आवास से राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के लिए रवाना होंगे। अपराह्न 1:50 कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेरणा स्थल के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।कार्यक्रम के उपरांत शाम 04:05 पर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे और शाम 04:40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

आरटीओ आफिस में मोबाइल जांच के नाम पर महिला कर्मी की निजता से खिलवाड़

लखनऊ। दलालों से साठगांठ के शक में चैट, कॉल डिटेल और निजी तस्वीरें खंगाली गईं.लखनऊ,राजधानी के ट्रांसपोर्टनगर स्थित आरटीओ कार्यालय में कार्यरत प्राइवेट कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर अमानवीय और,अपमानजनक व्यवहार का मामला सामने आया है। दलालों से साठगांठ की आशंका के नाम पर अफसरों द्वारा कर्मचारियों के मोबाइल फोन जबरन जब्त कर उनकी निजी जानकारी खंगालने के आरोप लगे हैं।प्राइवेट कर्मचारियों का आरोप है कि मोबाइल जांच के दौरान चैटिंग, कॉल डिटेल, ई-मेल और तस्वीरें तक देखी जा रही हैं। इसी क्रम में एक महिला कर्मी की व्यक्तिगत तस्वीरें भी जांच के नाम पर जबरन देखी गईं, जिससे वह भावुक होकर रोने लगी, लेकिन मौजूद अफसरों का दिल नहीं पसीजा।बताया जा रहा है कि परिवहन विभाग में ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े कार्य हाल ही में नई संस्था सिल्वर टच के कर्मचारियों को सौंपे गए हैं। इससे पहले आरटीओ प्रशासन संजय तिवारी द्वारा एक पत्र जारी कर पूर्व में कार्यरत प्राइवेट कर्मचारियों को भ्रष्ट और दलालों से जुड़ा बताया गया था। इसके बाद नई संस्था के कर्मचारियों की तैनाती हुई, लेकिन आरोप है कि नए कर्मचारियों को लगातार मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है।कर्मचारियों के अनुसार, मोबाइल फोन की जांच किसी लिखित आदेश या कानूनी प्रक्रिया के बिना की जा रही है, जो उनकी निजता और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। मामला सामने आने के बाद इसकी शिकायत परिवहन विभाग मुख्यालय तक पहुंच चुकी है।अब सवाल यह उठ रहा है कि,भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर क्या किसी महिला की निजता भंग करना जायज़ है और क्या अफसर कानून से ऊपर हैं।

महंगाई के इस दौर मे भी 5 रूपए प्लेट, वाह क्या बात है

लखनऊ । सोमवार एक पुराना गीत है पांच रुपैया बारह आना मारेगा भाइया ना रे ना ना शायद आपने सुना होगा लेकिन आज के समय मे अगर 5 रुपया आपके पास है तो आपको भैया मारेगा नही बल्कि उसी 5 रुपय मे आशीष भैया आपको भर पेट नाश्ता कराएंगे यक़ीन ना हो तो दुबग्गा रोड एच डी एफ सी बैंक के सामने आशीष हार्डवेयर के पास जाइये और 5 रूपए मे भर पेट नाश्ता कीजिये इतना ही नही एक बार से पेट ना भरे तो दुबारा 5 रूपए देकर वही स्वादिष्ट नाश्ता आप फिर से ले सकते हैं। छोटे से स्टाल मे सुबह 9 बजे से 1 बजे तक आपको 5 रुपय का नाश्ता पर्याप्त मात्रा मे मिलता रहेगा यहाँ छोला चावल,कढी चावल और राजमा चावल रोज़ बदल बदल कर बनता है जिसका मूल्य मात्र 5 रुपय लिया जाता है तो आप सब लखनऊ वासियों के लिए ये किसी भगवान के प्रसाद से कम नही है तो जाइये और ज़रूरतमंद को बताइये कि बालगंज एच डी एफ सी बैंक के पास आशीष 5 रुपय मे भर पेट नाश्ता करा रहे हैं। एक बात और जो आशीष ने बताई वो ये कि जब से अयोध्या मे श्री राम मंदिर की नीव रखी गई थी तभी से उन्होंने ये कार्य प्रारम्भ किया है जो अभी तक चल रहा है उनका कहना है ये कि राम जी की कृपा से आगे भी ये जारी रहेगा जिससे कोई क्म पैसो के कारण भूखा ना रहे अब आप ही बताइये ऐसी रामभक्ति और राम भक्त कहाँ देखने को मिलेगा तो जाइये और आनंद लीजिए सुबह 9 से 1 बजे तक।

शॉर्ट सर्किट से मजदूर के घर में लगी आग, घर की पूरी गृहस्थी जलकर खाक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । नगराम क्षेत्र के ग्राम पंचायत गढ़ा के मजरा अमजाद पुर में देर रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब एक मजदूर किसान के घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। यह हादसा रविवार की रात करीब 12 बजे हुआ।

आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही पलों में घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया और मेहनत से बसाई गई पूरी गृहस्थी उजड़ गई। पीड़ित किसान जगदीश पुत्र टीका ने बताया कि घटना के समय उनका पूरा परिवार गहरी नींद में सो रहा था। अचानक आग की लपटें और धुएं से उनकी नींद खुली। हालात की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर घर से बाहर भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। अगर कुछ मिनट की भी देरी होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और नगराम थाना पुलिस को अवगत कराया गया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार चौधरी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर का सारा घरेलू सामान, कपड़े, अनाज और जरूरी कागजात जलकर खाक हो चुके थे। घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान सुनील पटेल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और अधिकारियों को घटना से अवगत कराते हुए पीड़ित को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता और मुआवजा दिलाने की मांग की।

सदन की गरिमा, संतुलन और संवैधानिक आत्मा के संरक्षक हैं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना : डॉ. राजेश्वर सिंह

शांत स्वर, संतुलित दृष्टि और दृढ़ संवैधानिक समझ कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सदन को स्थिरता, मर्यादा और विश्वास प्रदान करती है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना केवल एक संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में सभी जनप्रतिनिधियों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा स्रोत हैं। उनका शांत स्वर, संतुलित दृष्टि और दृढ़ संवैधानिक समझ कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सदन को स्थिरता, मर्यादा और विश्वास प्रदान करती है।

वे जिस गरिमा और निष्पक्षता के साथ सदन का संचालन करते हैं, वह दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर व्यापक सम्मान अर्जित करती है।डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर अध्यक्ष महाना का मार्गदर्शन और आशीर्वाद सदैव आश्वस्त करने वाला रहा है।

उनके शब्द अनुभव, संवेदनशीलता और संस्थागत जिम्मेदारी से परिपूर्ण होते हैं, जो जनसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हैं। उनके नेतृत्व में सदन केवल कार्यवाही का मंच नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा और लोकतंत्र की गरिमा का संवाहक बना रहता है।उल्लेखनीय है कि डॉ. राजेश्वर सिंह ने ये विचार सोमवार को राज्य विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही में सहभागिता के दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट के पश्चात व्यक्त किए।

भारत की जनता करे पुकार, हिन्दू राष्ट्र करे सरकार: लल्ला बाबा

विकसित भारत पर है जोर, एक कदम सनातन की ओर

महंत लल्ला बाबा के नेतृत्व में 25 दिसंबर को अयोध्या धाम जायेगी पद यात्रा

पांच दिवसीय सनातन पद यात्रा 25 दिसम्बर से शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। चिनहट छोहरिया माता मन्दिर के मुख्य पुजारी लल्ला बाबा ने बातचीत करते हुए कहा है कि हम अपने रीति रिवाज और हिन्दू संस्कृति को भुला रहें हैं ये हमारे समाज के लिए ठीक नहीं है । आज़ हमें समाज को अपने धर्म के प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

हमने अभी तक बहुत धार्मिक यात्राएं और विभिन्न प्रकार के धार्मिक आयोजन किये हैं अभी हमारा समाज बहुत पीछे है, इसे जागरूक करने की जरूरत है।इस लिए हमने सनातन धर्म जनजागरण पद यात्रा के जरिए लखनऊ से अयोध्या धाम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के दरबार तक जनता को जागरूक और समाज को जगाने कि काम करेंगे।तृतीय सनातन धर्म जनजागरण पद यात्रा 25 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे चिनहट से अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान करेगी। लखनऊ से अयोध्या धाम क्षेत्र के समस्त साधू, सन्तों, माताओं, बहनों, भाइयों व भक्तों विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी छोहरिया माता मन्दिर से अयोध्या धाम के लिए पद यात्रा प्रस्थान करेगी। सभी लोग इस पावन पद यात्रा में सम्मिलित होकर पुण्य के भागीदार बनें। आप लोग अपने अपने वाहन से भी चल सकते है। जलपान भोजन, विश्राम की व्यवस्था छोहरिया माता मन्दिर के भक्तो की तरफ से निःशुल्क की गई है।तृतीय सनातन धर्म जागरण पद यात्रा? 25 दिसम्बर 2025, दिन गुरुवार रात्रि भोजन विश्राम सफदरगंज नेता जी श्याम लाल यादव स्मारक इण्टर कॉलेज, बाराबंकी में होगा। * 26 दिसम्बर 2025, दिन शुक्रवार रात्रि भोजन विश्राम जराय कला स्कूल व बारात घर बि. स. रुदौली, अयोध्या में किया जायेगा। * 27 दिसम्बर 2025, दिन शनिवार रात्रि भोजन विश्राम जन समाज विद्या पीठ इण्टर कॉलेज दिगम्बरपुर, अयोध्याघाट अयोध्या बाई पास के समीप होगा। 28 दिसम्बर 2025, दिन रविवार रात्रि भोजन विश्राम नेपाली बाबा आश्रम बालू घाट पर किया जाएगा।आप अपने देश व सनातन धर्म के लिए पद यात्रा में भाग लेकर प्रभु श्री राम का आर्शीवाद प्राप्त करें पैदल यात्रा में जगह-जगह राम भक्तो द्वारा जलपान की उत्तम व्यवस्था की गई है।

अनुपूरक बजट इस बात का प्रमाण है कि सरकार की नीतियां जमीनी जरूरतों से कटी हुई हैं: लोकदल

लखनऊ । लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने अन्नपूरक बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह अनुपूरक बजट किसानों के लिए नहीं, बल्कि घोषणाओं और फाइलों के लिए है, किसान आज भी खाद, बिजली, पानी, भुगतान और इलाज के लिए भटक रहा है। 24,496.98 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश कर सरकार आंकड़ों का ढोल पीट रही है, लेकिन ज़मीन पर सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। 8.08 लाख करोड़ के मूल बजट के बावजूद आज सरकार को फिर अनुपूरक बजट लाना पड़ रहा है, यह स्वयं स्वीकारोक्ति है कि योजनाएं सही तरीके से बनी ही नहीं। उन्होंने कहा कि अनुपूरक बजट इस बात का प्रमाण है कि सरकार की नीतियां जमीनी जरूरतों से कटी हुई हैं।

आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ 'रूप दर्शन' का वार्षिक महोत्सव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर, इंदिरा नगर, लखनऊ में भगवान के दिव्य 'रूप दर्शन' का वार्षिक समारोह आज अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। यह पावन आयोजन आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जी एवं दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जी की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान की दिव्य वाणी के पावन पाठ से हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्ज़ा एवं दिव्यता से ओतप्रोत हो उठा। उल्लेखनीय है कि 22 दिसंबर 1979 को श्री कृष्णचेतनावतार देवी मां द्वारा भगवान के 'लिपि रूप' में प्रकट स्वरूप पर जब प्रसाद अर्पित किया गया, तब उनके पावन कर-कमलों के स्पर्श मात्र से भगवान ने प्रसाद में साक्षात ' रूप' में दर्शन दिए। उसी ऐतिहासिक एवं अलौकिक घटना की स्मृति में यह वार्षिक महोत्सव प्रत्येक वर्ष श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया जाता है।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा दिव्य शक्ति मां पूनम जी एवं दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जी के श्रीमुख से निकले दिव्य प्रवचन। देश के विभिन्न नगरों से पधारे हजारों श्रद्धालुओं ने प्रवचनों के माध्यम से अपने जीवन से जुड़े आध्यात्मिक प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। प्रवचनों में कर्मकांड, अंधविश्वास एवं जाति-आधारित भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता, करुणा और विवेकपूर्ण जीवन जीने का संदेश दिया गया। अपने उद्बोधन में दिव्य शक्ति मां पूनम जी ने कहा– ल्लआज मानव के दुःखों का मूल कारण उसकी संकीर्ण सोच है। जाति मनुष्य की होती है और धर्म मानवता का। यह संदेश उपस्थित श्रद्धालुओं के हृदय में गहराई से उतरा और सामाजिक समरसता का सशक्त आह्वान बना।

यह भी उल्लेखनीय है कि 31 मार्च 1972 से श्री कृष्णचेतनावतार देवी मां की भागवत शक्ति-चालित लेखनी के माध्यम से भगवान ने 'लिपि रूप' में दिव्य संदेश देना आरंभ किया, जो आज दिव्य शक्ति मां पूनम जी एवं दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जी के कर-कमलों से निरंतर प्रवाहित हो रहा है। अब तक लगभग 400 से अधिक वाणी खंड प्रकाशित हो चुके हैं, जिनके अध्ययन से देश-विदेश के हजारों श्रद्धालुओं को मानसिक, शारीरिक एवं आत्मिक शांति का अनुभव हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में श्री कृष्णचेतनावतार देवी मां द्वारा रचित दिव्य भजनों का भावपूर्ण गायन, भव्य महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। संपूर्ण आयोजन श्रद्धा, शांति एवं आध्यात्मिक सौहार्द के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

गोरखनाथ भागवत कार्यक्रम में ट्रस्ट की अहम बैठक

महंत राम भूषण बने लखनऊ मंडल अध्यक्ष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। विश्व अधिकार कानून एवं अपराध नियंत्रण ट्रस्ट भारत की राष्ट्रीय अध्यक्षा माननीया नीतू सिंह दिनकर के निर्देशन में ग्राम असैसा, ब्लॉक पहला में आयोजित गोरखनाथ भागवत कार्यक्रम के अवसर पर ट्रस्ट की राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल, कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी के सदस्यों व पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक राष्ट्रीय संरक्षक एस. एस. दिनकर की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।बैठक के दौरान राष्ट्रीय महासचिव रवि लाल रस्तोगी द्वारा महंत राम भूषण (निवासी ग्राम कन्नपुर धाम) को लखनऊ मंडल का मंडल अध्यक्ष मनोनीत किए जाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनुज कुमार जैन (न्यूज़ एडिटर एवं मीडिया प्रमुख), ज्योतिष श्रीवास्तव (राष्ट्रीय कल्याण सचिव), रामानंद शुक्ला (जिला संरक्षक), सुधीर चौहान (जिला प्रभारी), सुधीर वर्मा (मंडल लेखाकार, लखनऊ), सुधीर कुमार मिश्रा (मीडिया प्रभारी), शिव कैलाश (जिला उपाध्यक्ष) सहित रोहित मिश्रा, प्रताप नारायण वर्मा, ओम प्रकाश शुक्ला, अनिल वर्मा, विवेक विश्वकर्मा, अवधेश गुप्ता, अजय गुप्ता, राम लखन यादव (ग्राम प्रधान), वीरेंद्र पाल, डलावल, अर्जुन नाग, ओशो दुबे, शिवनाथ तमोली, सुभाष, अमित, रामजी यादव, विपिन विश्वकर्मा, संदीप गौतम, रामू राजवंशी, विकास, हरी लाल गौतम, राम भजन पाल आदि बड़ी संख्या में सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में संगठन की मजबूती, विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह समिति की हुई बैठक

प्रशासनिक कार्यक्रमों के लिए 35 दिन निःशुल्क आरक्षित रहेगा प्रेक्षागृह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित पुस्तकालय एवं जन प्रतीक्षालय में आयोजित की गई। बैठक में अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह के उचित रख-रखाव, संरक्षण एवं आय के स्रोतों को बढ़ाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रेक्षागृह का पुनः 05 लाख रुपये के बेस प्राइस पर टेंडर कराया जाए, ताकि इसका बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रेक्षागृह में एयर कंडीशनर बढ़ाए जाने और 110 किलोवाट क्षमता के जनरेटर को शीघ्र स्थापित कराने के निर्देश दिए। जिससे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। डीएम ने ऊर्जा संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए प्रेक्षागृह में सोलर सिस्टम लगाए जाने पर भी बल दिया। कहा कि जनहित एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रेक्षागृह को वर्ष में 35 दिनों के लिए निःशुल्क प्रशासनिक कार्यक्रमों हेतु आरक्षित रखा जाए। बैठक में संबंधित अधिकारी और समिति के पदाधिकारियों ने प्रेक्षागृह के सुचारु संचालन और सुविधाओं के उन्नयन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार, नगर आयुक्त डॉ विपिन कुमार मिश्र, चन्द्रशेखर खन्ना धीरू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

जेल में हुआ क्रिकेट मैच, जेल अधीक्षक ने किया शुभारम्भ

शाहजहांपुर। जिला कारागार में जेल प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया। यह क्रिकेट मैच 10 ओवर का रहा। जिसमें दो टीमों पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सुपर किंग्स और ठाकुर रोशन सिंह सुपर जायंटस ने प्रतिभाग किया। जेल अधीक्षक जेपी तिवारी ने फीता काटकर और बैटिंग कर क्रिकेट मैच का शुभारम्भ किया। दोनो टीमों के बीच हुए शानदार मुकाबले में ठाकुर रौशन सिंह सुपर जायन्टस की टीम ने विजय प्राप्त की। सभी बन्दियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। वहीं, जेल अधीक्षक जेपी तिवारी ने दोनों टीमों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जेलर कृष्ण मुरारी गुप्ता सहित अन्य जेल के अधिकारी व कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

विजेताओं को किया सम्मानित, खेलकूद से बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है: फूलमियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। मदरसा नूरूलहुदा बिजलीपुरा में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हो गया। समापन समारोह में छात्र-छात्राओं के बीच खेल भावना, अनुशासन और आपसी सौहार्द देखने को मिला।

प्रतियोगिता में छात्राओं की बेगम हजरत महल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक अंक प्राप्त किए और ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता में दौड़, कबड्डी, खो-खो, लंबी कूद, रस्साकशी, बैडमिंटन सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेल मैदान में बच्चों का जोश और आत्मविश्वास देखते ही बनता था। निर्णायकों द्वारा निष्पक्ष रूप से परिणाम घोषित किए गए। समापन समारोह की अध्यक्षता मदरसा प्रधानाचार्य इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। साथ ही अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने विजेता एवं प्रतिभागी सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी लगन से पढ़ाई और खेल दोनों में आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस दौरान विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बेगम हजरत महल टीम के खिलाड़ियों को ओवरऑल चैंपियन की ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में साजिद अली खान, ममनून खान, जहूर, इजहार हसन, कामरान हुसैन, मोईन खान, शारिक अली खान, सैय्यद शारिक अली आदि कई लोग मौजूद रहे।

जनपद के सभी खण्डों में बनाये जायेंगे ओपेन जिमः जिलाधिकारी

सीतापुर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की पहल पर जनपद के समस्त विकास खण्डों में कुल लगभग 200 ओपेन जिम बनाये जायेंगे। इसमें सिधौली विकास खण्ड में 10, महमूदाबाद विकास खण्ड 10, विकास खण्ड ऐलिया में 10, विकास खण्ड बेहटा में 10, विकास खण्ड बिसवां में 10, विकास खण्ड गोंदलामऊ में 10, विकास खण्ड हरगांव में 10, विकास खण्ड कमसण्डा में 10, विकास खण्ड खैराबाद में 10, विकास खण्ड लहरपुर में 10, विकास खण्ड मछरेहटा में 10, विकास खण्ड महोली में 10, विकास खण्ड मिश्रिख में 10, विकास खण्ड पहला में 10, विकास खण्ड परसेण्डी में 10, विकास खण्ड पिसावां में 10, विकास खण्ड रामपुरमथुरा में 10, विकास खण्ड रेउसा में 10, विकास खण्ड सकरन में 10 ओपेन जिम बनाया जाना प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली का अवसर प्राप्त होगा। व्यायाम करने से लोगों को तनाव चिन्ता और अवसाद से मुक्ति मिल सकेगी तथा बिना किसी आर्थिक बोझ के व्यायाम करने का अवसर मिल सकेगा।

भंडारे में स्थानीय भक्तों शिष्यों समेत दूर-दूर से संत महात्माओं ने पहुंचकर भंडारे में ग्रहण किया प्रसाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला स्थित बबुरिहा धाम की पावन धरा पर श्री श्री 1008 स्वामी हरिदास जी महाराज के दूसरे से विलक्षण शिष्य महंत बाबा अवसान दास जी महाराज का 75वां वार्षिक भंडारा रविवार को महंत लक्ष्मण दास जी महाराज (लल्लू दास) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजित भंडारे में स्थानीय भक्तों शिष्यों समेत दूर-दूर से संत महात्माओं ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया, जिन्हें कुटी के मौजूदा महंत लक्ष्मण दास जी महाराज ने 101 रुपए दक्षिणा एवं अंग वस्त्र स्वरूप साल भेंट कर सम्मानित किया। इस भंडारे में लगभग 15 हजार संत महात्माओं और भक्तों ने प्रसादी ग्रहण किया। आपको बता दें कि, बावन बुजुर्ग बाला स्थित बबुरिहा धाम की सिद्ध तपोस्थली के मौजूदा महंत लक्ष्मण दास जी महाराज ने बताया कि, गद्दी के द्वितीय महंत बाबा अवसान दास जी महाराज विलक्षण संत थे। जिनका रविवार को 75वां वार्षिक भंडारा संपन्न हुआ। इस भंडारे में दूर-दूर से संत महात्माओं ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया और दर्शन के लिए कृपा करी। इसके अलावा आयोजित भंडारा में कुटी के शिष्यों भक्तगणों तथा साधु संतों के साथ-साथ क्षेत्र वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि, इस दौरान संतों का समागम, संतों का गुणानुवाद, दक्षिणा, अंग वस्त्र के रूप में साल भेंट किया गया। आयोजित 75वें भंडारे का संपूर्ण खर्च उनके शिष्य रायबरेली के रहने वाले धीरू सिंह भदौरिया के द्वारा उठाया गया। लक्ष्मण दास जी महाराज ने बबुरिहा धाम की पावन धरा पर स्थित श्री श्री 1008 स्वामी हरिदास जी महाराज कुटी के दूसरे महंत बाबा अवसान दास जी महाराज की विलक्षणता के बारे में बताते हुए कहा कि, जब अयोध्या धाम में संत महात्माओं से सवाल पूछे जाते थे और जिस सवाल का अयोध्या में स्थित संत महात्मा जवाब नहीं दे पाते थे, तो यहां से बाबा अवसान दास जी महाराज को बुलाया जाता था और वह वहां जाकर उस प्रश्न का उत्तर देते थे, जिसे कोई संत महात्मा नहीं बात पता था।

खाकी शर्मसार! नशे में धुत पीआरवी आरक्षी का वीडियो वायरल

सकरन, सीतापुर। जिस खाकी को जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वही खाकी अब सवालों के घेरे में आ खड़ी हुई है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने पुलिस विभाग की साख पर गहरा धब्बा लगा दिया है। वीडियो में एक पीआरवी आरक्षी धर्मेंद्र दुबे खुलेआम गांजा व शराब का सेवन करते हुए दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो में साफ तौर पर दिख रहा है कि पीआरवी में तैनात आरक्षी धर्मेंद्र दुबे नशे में धुत है, जिससे न केवल विभागीय नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, बल्कि आम जनता की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती नजर आ रही है। सूत्रों की मानें तो यह नशेबाज आरक्षी सकरन थाने में तैनात पीआरवी कर्मी बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में खलबली मची हुई है, वहीं उच्च अधिकारियों की चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है।

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राम पाण्डेय ने प्रा. विद्यालय मढिया ओयल को भेंट की एलईडी टीवी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ओयल खीरी। शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए आज दिनांक 22 दिसंबर को भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम पाण्डेय ने प्राथमिक विद्यालय मढिया ओयल में अध्ययनरत बच्चों के लिए ख्रक्क टीवी दान की।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक सादे एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के अध्यापक अभिषेक शुक्ला ने बताया कि वर्तमान समय में प्राथमिक शिक्षा को आधुनिक स्वरूप देने के लिए सरकार के साथ-साथ सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इसी क्रम में युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम पाण्डेय द्वारा विद्यालय के बच्चों को उपहार स्वरूप ख्रक्क टीवी प्रदान की गई है, जिससे डिजिटल माध्यम से शिक्षण कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।राम पाण्डेय ने बच्चों एवं उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि ल्लबच्चे देश और समाज का भविष्य होते हैं। यदि उन्हें समय के अनुसार आधुनिक शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, तो वे आगे चलकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है।ङ्क उन्होंने भविष्य में भी विद्यालयों के विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के अध्यापकगण अभिषेक शुक्ला, ऋचा रस्तोगी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओमकार, राम विलास, मंडल अध्यक्ष ओयल सत्यम सिंह, अंकुर सिंह, प्रांशु अवस्थी सहित विद्यालय के बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।विद्यालय परिवार ने युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राम पाण्डेय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा मिलेगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हिंदू संगठन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। बांग्लादेश में हिंदू समेत अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे कथित अत्याचारों के विरोध में सोमवार को हिंदू संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

प्रदर्शन कारियों का आरोप है कि बांग्लादेश में लगातार हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। वहां मंदिरों में तोड़फोड़, घरों पर हमले, महिलाओं से दुर्व्यवहार और जबरन पलायन जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन घटनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने इसे मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन बताया।हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। उन्होंने भारत

सरकार से मांग की कि वह इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाए और बांग्लादेश सरकार पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दबाव बनाए।कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि समय रहते इन अत्याचारों को नहीं रोका गया, तो स्थिति और भयावह हो सकती है। ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार से कूटनीतिक पहल करने, पीड़ितों को सुरक्षा दिलाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराने की मांग की गई।जिला प्रशासन ने ज्ञापन को उचित माध्यम से शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा।

कोडीन कफ सिरप कंाड के तार खीरी से जुड़े, गोला-पढ़ुआ में बड़ी कार्रवाई

लखीमपुर खीरी। जिले में कोडीन कफ सिरप के अवैध कारोबार का गंदा खेल सामने आया है। प्रदेश स्तर पर सामने आए कोडीन कफ सिरप कंाड के तार अब लखीमपुर खीरी से भी जुड़ते नजर आ रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई में जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से अवैध रूप से बेची जा रही कोडीन कफ सिरप की खेप बरामद की गई है।पुलिस सूत्रों के अनुसार ढखेरवा और गोला थाना क्षेत्रों में अवैध कोडीन कफ सिरप की बिक्री की सूचना मिलने के बाद छापेमारी की गई, जहां से प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद हुआ। इस मामले में गोला और पढ़ुआ थानों में दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।बताया जा रहा है कि आरोपी बिना किसी वैध अनुमति और चिकित्सकीय पर्चे के कोडीन युक्त कफ सिरप की बिक्री कर रहे थे, जिसका इस्तेमाल नशे के रूप में किया जा रहा था। पुलिस का कहना है कि यह अवैध कारोबार युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने का काम कर रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।कोडीन कफ सिरप कंाड की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) इस पूरे प्रकरण की निगरानी कर रही है। लखीमपुर खीरी में दर्ज दोनों मुकदमों की मॉनिटरिंग भी एसआईटी द्वारा की जा रही है। एसआईटी यह पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध कारोबार का नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान यदि किसी बड़े गिरोह या अन्य जिलों से जुड़े तार सामने आते हैं, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जिले में अवैध कोडीन कफ सिरप की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है।

एससी-एसटी कानून के कथित दुरुपयोग का आरोप

सीतापुर। सवर्ण स्वाभिमान संस्थान ल्लसवर्ण सेना के प्रमुख प्रभाकर सिंह चौहान ने एससी/एसटी एक्ट के कथित दुरुपयोग को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सवर्ण समाज को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और अब इस उत्पीड़न को और अधिक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रभाकर सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में एससी/एसटी एक्ट का भय दिखाकर सवर्ण समाज के सामान्य नागरिकों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास विभागों में कार्यरत सरकारी व संविदा कर्मचारियों को भी मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून का उद्देश्य संरक्षण है, लेकिन कुछ लोग इसका दुरुपयोग कर समाज विशेष को टारगेट बना रहे हैं।सवर्ण सेना प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि कई मामलों में पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है और पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। उन्होंने चुने हुए जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने गंभीर मुद्दे पर मौन साधे रखना उनकी जिम्मेदारियों से पलायन को दर्शाता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि संगठन अब तक संवैधानिक और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहकर अपनी बात रखता आया है, लेकिन यदि कथित उत्पीड़न का सिलसिला नहीं रुका तो सवर्ण समाज को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसके लिए शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधि स्वयं जिम्मेदार होंगे। अंत में उन्होंने प्रशासन से मांग की कि एससी/एसटी एक्ट का निष्पक्ष, संतुलित और न्यायसंगत प्रयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी वर्ग के साथ अन्याय न हो और कानून की विश्वसनीयता बनी रहे।

अनुशासनहीनता पर ऐप्जा का कड़ा कदम, कमल किशोर तिवारी उर्फ रंजय निष्कासित

धौरहरा खीरी। ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (ऐप्जा) संगठन ने अनुशासनहीनता और लगातार संगठन विरोधी गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए बड़ा कदम उठाया है। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर धौरहरा निवासी कमल किशोर तिवारी उर्फ रंजय को संगठन से निष्कासित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद संगठन और क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल बना हुआ है।संगठन के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला द्वारा जारी आवश्यक सूचना में बताया गया कि संबंधित व्यक्ति को पूर्व में कई बार समझाया गया और चेतावनी भी दी गई, लेकिन उसके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ। बीते कई दिनों से वह लगातार संगठन विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाया गया, जिससे संगठन की छवि धूमिल हो रही थी और अनुशासन व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।सूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि संगठन की एकता, मर्यादा और अनुशासन बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अनुशासनहीनता को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी कारण यह कठोर लेकिन आवश्यक निर्णय लिया गया।बताया जा रहा है कि कुछ दिन पूर्व कमल किशोर तिवारी का एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी।

घर में घुसकर महिला से मारपीट करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना रामचन्द्र मिशन पुलिस टीम ने घर में घुसकर महिला से मारपीट से मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बीती 02 दिसम्बर को थाना रामचन्द्र मिशन क्षेत्र के गांव चकपरमाली निवासी रामविलास ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 30 नवम्बर की रात करीब पौने दस बजे गांव के सौरभ, अनुज, प्रमोद और इंद्रजीत उसके घर पर आए और उसके पुत्र जसवीर से गाली-गलौज व मारपीट करने लगे। पुत्र को बचाने उसकी पत्नी राजवेटी आईं, तो उक्त लोगों ने उससे भी मारपीट की और पत्नी के सिर पर लोहे की राड मार दी। जिससे पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल पत्नी को जिला अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने उसकी गंभीर हालत देखकर बरेली रेफर कर दिया। बरेली में पत्नी का उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। आज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी सौरभ, अनुज और इन्द्रजीत पको वर्मा हॉस्पिटल हथौडा रोड से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना रामचन्द्र मिशन के प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार के साथ एसआई दिनेश कुमार, का. पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों की अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन 23 दिसम्बर को: अंजूलता

रायबरेली । मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अंजूलता ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन, 2026 हेतु पंचायत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण, 2025 के अंतर्गत अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन 23 दिसम्बर 2025 को किया जायेगा तथा आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण व दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि (1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किए जाएंगे) 24 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2025 तक किया जायेगा।

मंदिर परिसर में फिल्मी गाने पर रील, श्रद्धालुओं में आक्रोश, एसडीएम से शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। शहर के मिश्राना मोहल्ला स्थित प्राचीन मुड़िया महंत मंदिर में फिल्मी गाने ल्लजरा सा चूम लूँ मैं३ङ्क पर बनाई गई रील सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। यह रील प्रीति नामक महिला की फ़ेसबुक आईडी से पोस्ट की गई है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है।

जानकारी के अनुसार महिला द्वारा मंदिर परिसर के अंदर फिल्मी गाने पर डांस करते हुए रील बनाई गई, जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बताई जा रही है। मंदिर जैसे पवित्र स्थल पर इस प्रकार की गतिविधि को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि रील बनाने की सनक में कुछ लोग यह भी भूल जाते हैं कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है।मामले को गंभीरता से लेते हुए मंदिर के पुजारी एवं सर्वराकार ने इस संबंध में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को लिखित शिकायत दी है। शिकायत में मंदिर की गरिमा भंग करने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने का

आरोप लगाया गया है तथा संबंधित महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर आस्था और श्रद्धा का केंद्र होता है, जहां इस प्रकार के फिल्मी गानों पर रील बनाना अनुचित है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति धार्मिक स्थलों की पवित्रता से खिलवाड़ न कर सके।फिलहाल प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है और सोशल मीडिया पर वायरल रील को लेकर आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गुरु गोविन्द सिंह जयंती पर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जिलाधिकारी अवनीश राय ने अवगत कराया कि जनपद में 27 दिसम्बर 2025 को मनाई जाने वाली गुरु गोविन्द सिंह जयंती के अवसर पर शांति, कानून-व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने हेतु समस्त प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रस्तावित जुलूस, शोभायात्रा एवं धार्मिक आयोजनों के मार्गों का पूर्व निरीक्षण कर समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की जाए।

उन्होंने कहा कि असामाजिक एवं साम्प्रदायिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। स्थानीय अभिसूचना इकाइयों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर समय रहते निरोधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। भारत नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 (पूर्व की धारा 144 सीआरपीसी) का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि जुलूस मार्गों पर विद्युत तार, खंभे, पेड़ की डालियां अथवा अन्य किसी प्रकार की बाधाएं समय से हटाई जाएं। यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शहरी क्षेत्रों में नगर मजिस्ट्रेट तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उप जिलाधिकारी एवं संबंधित थाना प्रभारी शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। सभी अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखें।

बांग्लादेश में हिंदुओं की निर्मम हत्या पर भारतीय सनातन बोर्ड में रोष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। भारतीय सनातन बोर्ड के पदाधिकारियों ने बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के नरसंहार पर चिंता व्यक्त करते हुए रोष जताया है। सुभाष चौक स्थित डॉ सुशील गुप्ता के आवास पर भारतीय सनातन बोर्ड ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

संगठन अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहू ने बताया कि बांग्लादेश के किसी मुस्लिम नेता की हत्या हो जाने पर बांग्लादेश में रह रहे हिंदूओ को कैसे जिम्मेदार ठहराए जा सकता हैं।

बांग्लादेश की परिस्थिति को अराजक्ता की पराकाष्ठा बताते हुए, किसी हिंदू को मार मार कर अधमरा कर जिंदा जलाए जाने की भीभत्स घटना से पूरे देश में रोष व्याप्त है। यह पहली घटना घटित हुई है इसकी अखिल भारतीय सनातन बोर्ड घोर निंदा करता है। उपाध्यक्ष एडवोकेट अरविंद गुप्ता ने बताया कि भारत में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के समय बांग्लादेश की

आर्थिक उन्नति के लिए बढ़-चढ़कर आर्थिक मदद की थी। और आज की बांग्लादेशी सरकार ने हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर शत्रुतापूर्ण सौतेला व्यवहार किया है। संगठन महामंत्री डॉ अमर सिंह ने अराजक परिस्थितियों में केंद्र कि मोदी सरकार से बांग्लादेश के सभी हिंदू परिवारों की सुरक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की और बांग्लादेशी हिंदू परिवारों को स्थिति सामान्य होने तक देश में रहने की अनुमति दी जाए। बैठक में कार्य अध्यक्ष डॉ सुशील गुप्ता, बागेश यादव कृष्ण मोहन गुप्ता डॉक्टर संजीव सक्सेना, यशवर्धन सक्सेना अभिषेक साहू आदि उपस्थित रहे।

विकास खण्ड पवांसा में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संभल। जिलाधिकारी महोदय के निर्देशों के क्रम में आज दिनांक 22.12.2025 को ब्लॉक बाल कल्याण एवं सरंक्षण समिति की बैठक खण्ड विकास अधिकारी अमरजीत सिंह की अध्यक्षता में विकास खण्ड पवांसा सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालको को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी शैलेन्द्र भारद्वाज द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं सरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुडी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी श्री तेजपालसिंह ने सरकार द्वारा बालकों एवं छात्राओं के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह,

बालको को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी

बाल श्रम आदि एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 181 112, 1076 आदि हेल्पलाइन नंबर जिनका प्रयोग आपातकाल स्थिति में किया जा सकता है के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

सहायक विकास अधिकारी श्री गौरव सागर ने बैठक के माध्यम से सभी सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। बैठक में बाल कल्याण समिति से अध्यक्ष गौरव गुप्ता, प्रभारी प्रयत्न संस्था जस्ट राइट्स फॉर चिल्डेन से गौरी शंकर चौधरी, शिक्षा विभाग से नेमपाल सिंह, पुलिस विभाग से देवेन्द्र कुमार (एस.आई), मुल्की सिंह सागर, प्रियंका राजपूत आदि उपस्थित रहे।

नीति आयोग के आकांक्षात्मक विकास खण्डों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। नीति आयोग के अंतर्गत संचालित आकांक्षात्मक विकास खण्ड के तहत चयनित विकास खण्डों ब्रह्मपुर एवं बांसगांव में चल रहे विकास कार्यों की गहन समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्र सरकार द्वारा नामित सेंट्रल प्रभारी अधिकारी एवं सिविल डिफेंस डायरेक्ट, आईआरएस रिधिमा वशिष्ठ ने की। बैठक का उद्देश्य आकांक्षात्मक विकास खण्डों में लागू विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना, जमीनी स्तर पर प्रभाव का मूल्यांकन करना तथा आगामी रणनीति को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए सिविल डिफेंस डायरेक्ट रिधिमा वशिष्ठ ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खण्ड कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य देश के अपेक्षाकृत पिछड़े विकास खण्डों को तीव्र गति से विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुर एवं बांसगांव दोनों विकास खण्डों में विभिन्न विभागों द्वारा विकास के उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा इन दोनों विकास खण्डों को आकांक्षात्मक विकास

खण्ड के रूप में शामिल किया गया है, जबकि प्रदेश सरकार द्वारा कैंपियरगंज विकास खण्ड को इस श्रेणी में सम्मिलित किया गया है, जो जनपद के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आकांक्षात्मक विकास खण्डों का मूल आधार डेटा-संचालित शासन प्रणाली है। सभी विभाग अपने-अपने कार्यों की प्रगति को सटीक एवं समयबद्ध तरीके से पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि वास्तविक स्थिति का सही मूल्यांकन किया जा सके। उन्होंने कहा कि केवल आंकड़े भरना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन आंकड़ों के पीछे जमीनी स्तर पर वास्तविक परिवर्तन दिखाई देना चाहिए। रिधिमा वशिष्ठ ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, महिला एवं बाल विकास, स्वच्छता, पेयजल, बुनियादी ढांचा और आजीविका जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। पोषण के क्षेत्र में कुपोषण से मुक्ति, आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रभावी कार्यप्रणाली और बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को समय से पोषाहार उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

शिक्षा के संबंध में उन्होंने कहा कि विद्यालयों में नामांकन, नियमित उपस्थिति, ड्रॉपआउट दर में कमी और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जाए। आजीविका के क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने, कौशल विकास, स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसर सृजित करने पर बल दिया जाए। डिजिटल उपकरणों एवं नवाचार का अधिकतम उपयोग कर योजनाओं की निगरानी की जाए, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। बैठक में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि जनपद प्रशासन आकांक्षात्मक विकास खण्डों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिविल डिफेंस डायरेक्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का आपसी समन्वय बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

अटल जन्म शताब्दी पर जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय बदायूं में जिला स्तरीय भाषण, निबंध एवं एकल काव्यपाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. श्रद्धा गुप्ता ने की, जबकि संचालन डॉ. राकेश कुमार जायसवाल द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. वंदना प्राचार्य, राजकीय महिला महाविद्यालय ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अटल जी एवं सुशासन की महत्ता विषय पर भाषण प्रतियोगिता में अनूप सिंह राजकीय महाविद्यालय प्रथम सुदेश जे.एस. कॉलेज द्वितीय कुणाल शर्मा राजकीयमहाविद्यालय तृतीय एकल काव्यपाठ प्रतियोगिता में शगुन शर्मा राजकीय महाविद्यालय प्रथम अरुण सिंह राजकीय महाविद्यालय द्वितीय सुमन जी.बी. पंत डिग्री कॉलेज, कछला तृतीय कक्षा 8 से 12 तक की निबंध प्रतियोगिता में वशिष्ठ पाल एस.के. इंटर कॉलेज प्रथम योगेंद्री कुमारी राजकीय हाई स्कूल, दहेमू द्वितीय सेबी मदनलाल इंटर कॉलेज, बिसौली तृतीय प्रतियोगिताओं में जिले के कई महाविद्यालयों व विद्यालयों के छात्र- छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी विजेताओं को अटल जयंती सुशासन दिवस के मुख्य समारोह में जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. रविन्द्र सिंह यादव ने सभी अतिथियों, निर्णायकों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाषण प्रतियोगिता में मानसी शर्मा व चंचल पाठक ने मारी बाजी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। बिसौलो क्षेत्र के सिद्व बाबा इंटर कालेज शरह बरौलिया में सोमवार को कालेज के संस्थापक पण्डित स्व.प्रेम नारायण शर्मा व पण्डित रामकुमार शर्मा की स्मृति में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर वर्ग में ''बढ़ता आतंकवाद देश के लिए खतरा'' विषय पर बोलते हुए मानसी शर्मा प्रथम, शीतल,अरमान सैफी, आमिल ए नवीं, नव्या शर्मा व अनुप्रिया शर्मा संयुक्त रूप से द्वितीय, अदिति शर्मा,महक,राविया व मोहनी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। वहीं जूनियर वर्ग में शिक्षा में अनुशासन विषय पर बोलते हुए से दीपांशी सक्सेना ,चंचल पाठक प्रथम स्थान शालनी सिंह,स्वाति सिंह द्वितीय स्थान व प्रतिज्ञा शर्मा,काव्या सिंह,टिंवकल सिंह तृतीय स्थान पर रहे।इस अवसर पर कालेज के प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा ने कहा कि इस तरह की प्रतिगोगिताओं से छात्र तथा छात्राओं में प्रतिस्पर्धा होती है जिससे वे आगे बढ़ने के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित करते हैं। इससे विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में महावीर प्रसाद केएम इंटर कालेज इस्लाम नगर,अंकित चौहान नेहरू इंटर कालेज रुदायन व संजय उपाध्याय प्रधानाचार्य सरवस्ती विद्यामन्दिर स्कूल शरह बरौलिया रहे। प्रतियोगिता का संचालन नीरज चौहान व रामौतार मौर्य ने किया।

नाबालिग बच्ची से बदनीयती का प्रयास, विरोध करने पर की गई मारपीट

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता । नाबालिग बच्ची के साथ बदनीयती के प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है। उसहैत थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा उसहैत के वार्ड नंबरऽ2 निवासी हंसराज ने बताया कि दूसरे समुदाय के दो युवकों ने बच्ची के साथ गलत नीयत से छेड़छाड़ करने का प्रयास किया। बच्ची ने यह बात घर आकर बताई जिसका विरोध उनके दो बेटों प्रदीप और अनमोल द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपियों ने 8–10 लोगों के साथ मिलकर लाठी डंडो और धारदार हथियारों से लैस होकर उनके साथ मारपीट कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन घायल प्रदीप और अनमोल को लेकर उसहैत थाने पहुंचे, जहां आरोपी के खिलाफ तहरीर दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों का चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश और दहशत का माहौल है। मामला दो समुदाय का होने के चलते पुलिस बिशेष एहतियात बरत रही है।

रेलवे लाइन के पास रेलवे द्वारा खोदी जा रही खंदी

संभल (बहजोई) कैनविज टाइम्स संवाददाता । आज बहजोई रेलवे स्टेशन रेलवे लाइन के पास रेलवे द्वारा खोदी जा रही खंदी से नजदीक स्थित कॉलोनी की रास्ता बंद हो गया जिसको लेकर कॉलोनी वासियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित होकर अपनी समस्या को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के समक्ष रखा। जिसको लेकर जिलाधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण किया उन्होंने मौके पर जाकर रेलवे एवं राजस्व कर्मचारी से पैमाइश करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी जनमानस से वार्ता की एवं रास्ते से संबंधित समस्या को तत्काल निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू, संबंधित रेलवे कर्मचारी एवं राजस्व कर्मचारी सहित समस्त संबंधित अधिकारी एवं कॉलोनी के निवासी उपस्थित रहे।

तालाब में मिला युवक का शव, हाथ,पैर व पेट पर बंधी ईंट, हत्या की आशंका

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता । कस्बा फैजगंज बेहटा में बंगाली डॉक्टर के लड़के पिंटू विश्वास का शव मिला, पिंटू दो दिन से गायब था, तालाब में मिले शव के हाथ–पैर व पेट पर ईंट बंधी हुई हैं, हत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल में भ्रष्टाचार के विरोध में भाकियू असली का धरना प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जिला अस्पताल जनाना एवं मर्दाना में व्याप्त भ्रष्टाचार, अव्यवस्थाओं और मरीजों के शोषण के आरोपों को लेकर भारतीय किसान यूनियन असली के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जोरदार धरना-प्रदर्शन किया।जिसका संचालन जस्वीर यादव ने जबकि अध्यक्षता द्वारिका सिंह ने की। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल परिसर में नारेबाजी करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग उठाई। धरना प्रदर्शन के दौरान भाकियू असली के जिलाध्यक्ष केपीएस राठौर ने आरोप लगाया कि जिला अस्पताल में दवाइयों कीउपलब्धता, जांच सुविधाएं, भर्ती व्यवस्था और कर्मचारियों के व्यवहार में गंभीर अनियमितताएं हैं। मरीजों को मजबूरी का फायदा उठाकर उनके तीमारदारों को बाहर से दवाइयां खरीदने के लिए भेजा जाता है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में दवाइयों की उपलब्धता दर्शाई जाती है। प्रदर्शन के उपरांत संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सीएमएस अमित कुमार को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें भ्रष्टाचार की जांच, दोषियों पर कार्रवाई और अस्पताल की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग की गई। भाकियू असली नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन को और तेज करेगा। वहीं, सीएमएस अमित कुमार ने ज्ञापन प्राप्त कर जांच व उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। धरना प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में किसान नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिससे कुछ समय के लिए अस्पताल परिसर में हलचल बनी रही।

अटल जन्म शताब्दी समापन समारोह में मेधाओं का सम्मान

मीरजापुर । जीडी बिनानी पीजी कॉलेज में सोमवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी के समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद स्तर पर आयोजित निबंध, भाषण एवं एकल काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में शासकीय, अशासकीय एवं राजकीय विद्यालयों के छात्रऽछात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में अखिलेश कुमार पटेल, डॉ. स्वांगी उपाध्याय एवं डॉ. अंजनी कुमार मिश्र रहे। एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रो. वंदना मिश्रा, डॉ. अखिलेश नारायण मिश्र एवं संगीता ने निर्णायक की भूमिका निभाई, जबकि भाषण प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. अशोक कुमार चंदेल, डॉ. ऋषभ कुमार एवं डॉ. रीता मिश्रा ने किया। भाषण प्रतियोगिता में अंजलि जायसवाल ने प्रथम, प्रियंका राय ने द्वितीय एवं चंद्रमौली तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में काजल प्रथम, मीनाक्षी कसेरा द्वितीय एवं सौम्या मौर्य तृतीय स्थान पर रहीं।

बदमाशों की तलाश में पुलीस के खाली हाथ, तीसरे दिन भी नहीं हुआ खुलासा

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के रिगालिया गार्डन कॉलोनी निवासी महिला को बंधक बनाकर चार बदमाश शनिवार रात दो लाख रुपये, सोने–चांदी के जेवर व लाइसेंसी पिस्टल लूट ले गए थे। बदमाशों की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हुईं हैं। इस मामले में देर शाम तक कोई सफलता नहीं मिल सकी है। वही बदमाशों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है। वहीं पूरा मामला बीते शनिवार की शाम करीब 18:45 बजे थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के रिगालिया गार्डन कॉलोनी निवासी प्रीति वर्मा पत्नी आशीष कुमार पूजा करने मंदिर गईं थीं। मंदिर से लौटते समय महिला के पीछे–पीछे चार बदमाश घर में घुस आए। महिला को बंधक बनाकर घर में रखी 32 बोर की लाइसेंसी पिस्टल, सोने के दो हार, चार चूड़ियां, आठ अंगूठी, एक चेन आदि व दो लाख रुपये लूट ले गए थे। इस मामले में पुलिस को अभी कोई सफलता नहीं मिली है। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। टीमों को लगाया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा, और बदमाशों को जेल भेजा जाएगा।

विवाहिता का घर के कमरे में फंदे से लटका मिला शव

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। वभुसाया में रविवार की देर शाम विवाहिता का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला है। सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग गांव पहुंच गए। पति समेत परिजनों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए थाना पुलिस को सूचना दी। जिसपर पुलिस ने शव को जिला मुख्यालय भेजा है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव नौली हरनाथपुर के रहने वाले नन्हें ने अपनी बेटी की शादी करीब डेढ़ साल पहले इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव भुसाया के रहने वाले निर्दोष के साथ की थी। मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया है कि पति समेत परिवार के लोग दहेज में पांच लाख रुपये व बाइक की मांग करते हुए बेटी को प्रताड़ित करते आ रही थे। इसी के चलते बेटी की हत्या कर शव फंदे पर लटकाया गया है। पुलिस ने शव को जिला मुख्यालय भेजा है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। इंस्पेक्टर नरेश पाल सिंह ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला जेल में ऊन से महिला बंदी बुन रहीं आत्मनिर्भरता

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला जेल में 40 बंदी महिलाएं ऊन से आत्मनिर्भरता और समृद्धि बुनने का काम कर रहीं हैं। हाथों के बुने स्वेटर उनके लिए आत्मनिर्भरता की सीढ़ी बन गए हैं। बाजारों में अब जेल की महिलाओं के बने स्वेटरों का स्टॉल लग रहा है। लोक अदालत में लगी प्रदर्शनी में बंदी महिलाओं के स्वेटर खूब पसंद किए जा रहे हैं। सर्दी से बचने के लिए लोग जैकेट पर 15 सौ से दो हजार रुपये तक खर्च कर रहे हैं, वहीं ऊन का हाथ से बना स्वेटर सात से आठ सौ रुपये में मिल जा रहा है। लोग इसको अधिक पसंद कर रहे हैं।जेल कर्मचारी बाजार में स्टॉल लगाकर इन स्वेटरों का प्रचार–प्रसार भी कर रहे हैं। इनको खरीदने के लिए लोगों की डिमांड बढ़ गई है। लोग दिए गए नंबरों पर कॉल करके भी स्वेटर मंगा रहे हैं। स्वेटर खरीद रहे प्रदीप शर्मा ने बताया कि ऊनी स्वेटर लोक अदालत में लगी प्रदर्शनी में आठ सौ रुपये में खरीदा। सर्दी से बचाव के लिए यह बेहतर है। जैकेट से सर्दी नहीं रुक पाती है, लेकिन स्वेटर पहनकर अच्छा लगता है। महिला बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिला प्रशासन से लेकर जेल प्रशासन भी सहयोग कर रहा है। महिला बंदियों को स्वेटर बुनने के लिए ऊन जेल प्रशासन उपलब्ध करा रहा है। इससे महिलाएं अब स्वेटर के अलावा भी कई अन्य सामान बनाने का काम कर रहीं हैं। 40 महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर किसी न किसी आरोप के चलते जिला जेल में करीब 46 महिलाएं बंद हैं। इनमें 40 ऐसी महिलाएं हैं जो आत्मनिर्भर बनने की ललक में अपना हुनर निखार रहीं हैं। महिलाएं तरह–तरह के हुनर में परिपूर्ण हैं। उनको घर में रहकर भले ही अपने हुनर को प्रदर्शित करने का मौका नहीं मिलता, लेकिन जेल के अंदर रहकर महिलाएं अपने हुनर से आत्मनिर्भर और समृद्ध बन रहीं हैं।

ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का आंतरिक निरीक्षण, राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता । अपर जिलाधिकारी (वि./रा.)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 वैभव शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में उपलब्ध ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का आंतरिक निरीक्षण एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि आंतरिक निरीक्षण 24 दिसम्बर 2025 को मध्याह्न 12:00 बजे मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आगामी त्रि–स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन–2026 के दृष्टिगत निर्वाचन संबंधी अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हेतु उसी दिन अपराह्न 01:00 बजे अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में बैठक आयोजित की गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/सचिव से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर आंतरिक निरीक्षण एवं बैठक में सहभागिता सुनिश्चित करें।

25 दिसम्बर को कानून–व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी अवनीश राय ने अवगत कराया कि जनपद में 25 दिसम्बर 2025 को विभिन्न कार्यक्रमों एवं आयोजनों के दृष्टिगत कानून–व्यवस्था, शांति एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने हेतु समस्त प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जनपद के समस्त नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि बनाए रखते हुए असामाजिक, अराजक एवं साम्प्रदायिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। स्थानीय अभिसूचना इकाइयों के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर समय रहते प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 की धारा 163 (पूर्व की धारा 144 सीआरपीसी) का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्थिति में शांति भंग करने के प्रयासों को तत्काल नियंत्रित किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी एवं संबंधित अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर कानून–व्यवस्था सुदृढ़ रखें। जनपद स्तर पर किसी भी प्रकार की सामाजिक अथवा साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की घटना न होने पाए, इसके लिए समन्वय के साथ सतत निगरानी की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में नगर मजिस्ट्रेट तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उप जिलाधिकारी एवं संबंधित थाना प्रभारी शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

विवाह व सामूहिक भोज आयोजनों हेतु शासनादेश के अनुपालन के निर्देश

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता । जिलाधिकारी अवनीश राय ने अवगत कराया कि शासन द्वारा जारी आदेशों के क्रम में जनपद में आयोजित होने वाले विवाह, तेरहवीं, सामाजिक व सामूहिक भोज आयोजनों में निर्धारित नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस संबंध में समस्त उप जिलाधिकारियों, नगर मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि किसी भी आयोजन में निर्धारित संख्या से अधिक व्यक्तियों की उपस्थिति, सार्वजनिक मार्गों अथवा सरकारी परिसरों में अवरोध, तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों का अनधिकृत प्रयोग, यातायात बाधित करने जैसी गतिविधियां स्वीकार्य नहीं होंगी। आयोजकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कार्यक्रम स्थल पर शांति व्यवस्था बनी रहे तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि भोजन आयोजनों में अव्यवस्था, अपशिष्ट फैलाव अथवा प्लास्टिक/प्रतिबंधित सामग्री के प्रयोग पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। किसी भी आयोजन के लिए आवश्यक अनुमति निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत पूर्व में प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित आयोजक के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। शहरी क्षेत्रों में नगर मजिस्ट्रेट तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उप जिलाधिकारी एवं संबंधित थाना प्रभारी अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए उत्तरदायी होंगे।

बदायूँ रोडवेज की पोल खोलती एक पड़ताल

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद की रोडवेज व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यात्रियों की लगातार शिकायतों और ज़मीनी पड़ताल में बदायूँ रोडवेज की कई गंभीर खामियाँ उजागर हुई हैं। सबसे पहली बात सुबह पांच बजे से आठ बजे तक रोडवेज की तरफ से निकलना होता है नामुमकिन। चालक बसों कों इंक्वायरी वाले चौराहे पर उलटी सीधी खड़ी करके गायब हो जाते हैं। सुबह के समय आकर इनकी वानगी देखी जा सकती है। बसों का संचालन समय से न होना, जर्जर बसें, साफ–सफाई की कमी और यात्रियों से बदसलूकी जैसी समस्याएँ आम हो गई हैं।पड़ताल के दौरान सामने आया कि कई रूटों पर निर्धारित समय सारिणी का पालन नहीं हो रहा है। यात्रियों को घंटों बसों का इंतज़ार करना पड़ता है, वहीं कुछ बसें बीच रास्ते में खराब होकर खड़ी हो जाती हैं। इससे खासकर महिला यात्रियों, बुज़ुर्गों और छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, डिपो में रखरखाव के नाम पर केवल औपचारिकताएँ निभाई जा रही हैं। कई बसों की सीटें टूटी हुई हैं, खिड़कियाँ जाम हैं और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। बावजूद इसके, जिम्मेदारअधिकारी आँखें मूँदे बैठे हैं। यात्रियों ने प्रशासन से मांग की है कि बदायूँ रोडवेज की व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए, दोषियों पर कार्रवाई हो और यात्रियों को सुरक्षित व समयबद्ध परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए। अब देखना होगा कि इस खुलासे के बाद जिम्मेदार अधिकारी क्या कदम उठाते हैं।

लापरवाही पर सीएचसी अधीक्षक झंझरी का वेतन रोकने के दिये निर्देश : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियं का निरंजन की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य स मिति की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई।बैठ क में जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा राष्ट्रीय स्वा स्थ्य मिशन के अंतर्गत चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी।बैठक में प्रस्तावित एजेंडा के आधार पर यू.पी.एच.एम.आई.एस.हेल्थ डै शबोर्ड, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य,परिवार क ल्याण, कम्युनिटी प्रोसेस,राष्ट्रीय कार्यक्रम नान कम्युनिकेबल डिजीज, एन.सी.डी.एन.बी.सी.पी आर.एन.टी.सी.पी,पी.एम.एम.वी.वाई नियमित टीकाकरण, वैक्सीनेशन, जननी सुरक्षा व मातृ वंदना योजना के तहत भुगतान की स्थिति, आ शा इन्सेन्टिव, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी,ओपीडी व आ ईपीडी की स्थिति, प्राथामिक स्वास्थ्य केन्द्रों त था सीएचसी पर बेडों की ऑक्यूपेंसी की स्थि ति सहित अन्य योजनाओं की जिलाधिकारी द्वारा गहन समीक्षा की गई।वहीं जिला स्वास्थ समिति की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की समीक्षा की गई।बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत नवम्बर, 2025 का भ्रमण की समीक्षा की गई। एनआरसी में भर्ती बच्चों, आरसीएच पोर्टल फीडिंग के स्टेटस, एनपीसीडीसीएस, राष्ट्रीय कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टिक्षीणता नियंत्रण कार्यक्रम आदि सभी की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्दे श दिए हैं कि समय से कार्य कराना सुनिश्चित करें।जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के सीएससी अधीक्षकों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की योजनावार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी सीए चसी अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि सभी यो जनाओं के कार्य समय से पूर्ण कराया जाय त था समय-समय पर अपने अधीनस्थ कर्मचा रियों से योजनावार समीक्षा की जाय।ताकि यो जनाओं का क्रियान्वयन समय से किया जा सके।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशानुसार जनसामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए सभी अधीक्षक अपने अपने सीएचसी एवं पीएचसी पर ही नि वास करें तथा संस्थागत प्रसव एवं विभिन्न प्र कार के टीकों को समय से लगवाना सुनिश्चित करें। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मरीजों को भर्ती करायें,साथ ही इस पर वि शेष ध्यान दिया जाय।ई-कवच को पोर्टल को अपडेट करें।प्रसव केंद्र पर प्रसव की संख्या ब ढ़ाएं। जनपद के सभी सब सेंटरों पर एएनएम की उपस्थिति सुनिश्चित की जाये।ताकि सेंटर प र आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा ओं का लाभ दिया जा सके।बैठक में जिलाधि कारी ने सीएमओ को कड़े निर्देश दिये हैं कि वि भाग में कार्य के लिए जितने भी टेंडर पेंडिंग हो उन सभी को एक सप्ताह के अंदर नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जन पद के सभी सीएचसी केंद्रों में कायाकल्प करा ना सुनिश्चित करें।इसमें किसी भी प्रकार की ला परवाही कदापि न की जाय।बैठक में एएमआ ईएस की प्रगति को और सही करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार लाएं, साथ ही रैंकिंग पर विशेष ध्यान दें।समीक्षा में खराब प्रग ति मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएच सी अधीक्षक झंझरी का वेतन रोकने के निर्देश दिये है।उन्होंने कहा है कि इनके सीएचसी की प्रगति सही होने पर ही इनका वेतन देय होगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी सीएचसी अधीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में स्वयं जाकर टीकाकरण का स्थान चिन्हित करें और अधिक से अधिक बच्चों एवं महिला ओं का टीकाकरण करायें।जिलाधिकारी ने स्प ष्ट निर्देश दिये हैं कि क्षेत्र में जिन एएनएम व आ शाओं द्वारा नियमित चेकअप का कार्य नहीं कि या जा रहा है उनके खिलाफ नियमानुसार कार्य वाही करें,बैठक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर की समीक्षा के दौरान सीएचसी कटरा बाजार की खराब प्रगति पर सुधार लाने के निर्देश दिये हैं। बैठक में फैमिली प्लानिंग की समीक्षा के दौरान सभी सीएचसी अधीक्षकों को निर्देश दिये हैं कि सभी लोग अपने से संबंधित लक्ष्य को पूर्ण कर ना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार की ला परवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।जिनका लक्ष्य पूर्ण नहीं होगा उन सभी सीएचसी का वेतन अ गले माह में रोक दिया जायेगा।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, सीएम ओ डॉक्टर संत लाल पटेल,सीएमएस जिला म हिला अस्पताल,जिला अस्पताल,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, एसीएम ओ डॉक्टर आदित्य वर्मा, डॉक्टर सीके वर्मा, डॉक्टर आरपी सिंह,जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय उपाध्याय,तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

देहात कोतवाली क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन चरम पर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

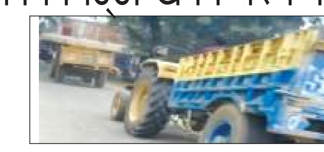

खोराहसा पुलिस चौकी के संरक्षण में धड़ल्ले से हो रही मिट्टी खुदाई

गोंडा । कोतवाली देहात क्षेत्र में इन दिनों अवैध मिट्टी खनन का गोरखधंधा पूरे शबाब पर है। हैरानी की बात यह है कि यह अवैध कारोबार स्थानीय पुलिस चौकी की कथित छत्रछाया में खुलेआम संचालित किया जा रहा है शिकायतों के बावजूद न तो खनन माफियाओं पर कोई कार्रवाई हो रही है और न ही प्रशासनिक स्तर पर कोई सख्ती दिखाई दे रही है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम गोंडा - अयोध्या मार्ग पांडे पुरवा के पास डड़वा कानून गो,तिवारीपुरवा सहित आसपास के इलाकों में दिन-रात जेसीबी और ट्रैक्टरों के माध्यम से मिट्टी की खोदाई की जा रही है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि खनन माफिया दिन-रात बिना किसी डर के खेतों, बंज र भूमि व अन्य स्थानों से भारी मात्रा में मिट्टी की खोदाई कर रहे हैं।मिट्टी से लदे ट्रैक्टर-ट्रॉलि यां और डंपर बेखौफ होकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं,जिससे ग्रामीण रास्ते जर्जर हो चुके हैं और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है।सूत्र बता रहे हैं कि खनन करने वाले व्यक्ति बेखौफ होकर यह कहते हैं कि रो जाना पांच से पांच हजार रुपये सीधे थाने और पुलिस चौकी पर दिए जाते हैं,जिसके बाद उन्हें खुलेआम खनन करने की छूट मिल जाती है ग्रा मीणों का कहना है कि अवैध खनन से पर्यावर ण को भारी नुकसान हो रहा है।खेतों की उप जाऊ मिट्टी हटने से कृषि प्रभावित हो रही है बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं।शिकायत करने वाले लोगों का यह भी आरोप है कि जब वे थाने या उच्च अधिकारियों से शिकायत के बाद कार्यवाही न होने पर लोग खुलकर सामने आने से कतराते हैं।इससे खनन माफियाओं के हौसले और बुलंद हो गए हैं।

सड़कों पर दौड़ रहे जानलेवा ओवरलोड वाहनों पर कब लगेगी लगाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शहर भर में ओपरलोड पिकप और मैजिक वाहन बेखौफ दौड़ रहे, कोहरे में बढ़ा हादसा

गोण्डा । शहर में जिन हल्के भार वाहनों को आम लोग सुरक्षित मानते हैं,वही वाहन सड़क हादसों को खुला न्योता देते नजर आ रहे हैं। फल, दूध, सब्जी,अनाज और घरेलू सामान ढोने वाले ह ल्के भार वाहन क्षमता से कहीं अधिक वजन लादकर सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं।यह सब तब हो रहा है जब परिवहन विभाग लगातार अ भियान चलाकर चालान और सीज की कार्रवाई का दावा करता है। हालात यह हैं कि शहर के लगभग सभी क्षेत्रों में पिकअप डाला,टाटा मैजि क और महिंद्रा मैजिक जैसे वाहन नियमों को धता दिखाकर ओवरलोड चल रहे हैं।बढ़ती ठंड व घने कोहरे के बीच सड़क हादसों की संख्या में इजाफा हुआ है, जिनमें कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है।इसके बावजूद इन वाह नों में न तो रिफ्लेक्टर लगे हैं और न ही सुरक्षा के अन्य जरूरी इंतजाम।जिससे कोहरे में पीछे से आने वाले वाहन चालकों को ये साफ दिखा ई नहीं देते। मानकों के अनुसार पिकअप डाले पर अधिकतम तेरह कुंतल माल लादने की अनु मति है,जबकि टाटा या महिंद्रा मैजिक पर अधि कतम सात कुंतल वजन ही ढोया जा सकता है लेकिन हकीकत में फल मंडी,सब्जी मंडी, भूसा और कबाड़ लेकर चलने वाले वाहनों पर ओवर लोड के साथ साथ ओवरहाइट सामान भी खुले आम ढोया जा रहा है।

ग्राउंड रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

इस पूरे मामले की कैनविज टाइम्स ने ग्राउंड पड़ताल की।रिपोर्टर ने ग्राहक बनकर कई पिक अप डाला चालकों से उनकी क्षमता से अधिक सामान ले जाने की बात की।

जब उनसे पूछा गया कि ज्यादा वजन लादने से रास्ते में कोई दिक्कत तो नहीं होगी, तो चालकों ने बेझिझक जवाब दिया कि कोई दिक्कत नहीं होती हैं सौ दो सौ और पांच सौ रुपये में सबमैनेज हो जाता है।यह बयान न सिर्फ नियमों की खुलेआम अन देखी को दर्शाता है,बल्कि सिस्टम पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।शहर में क्षमता से अधिक भार लादकर चलने वाले वाहनों पर लगातार कार्रवाई करने का दावा किया जा रहा लेकिन फिर भी धड़ल्ले से ओवरलोड वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

करनैलगंज में फर्जी मस्टर रोल के जरिए किया जा रहा लाखों का वारा–न्यारा

योगी सरकार के आला अधिकारियों की सख्ती भी बेअसर,जांच के नाम पर हों रही खानापूर्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले करनैलगंज विकास खंड में बीडीओ एपीओ,तकनीकी सहायक व ग्राम प्रधानों की मनमानी से भ्रष्टाचार का गढ़ बनता जा रहा है। केंद्र सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी मनरेगा योज ना के नियमों को दरकिनार कर खाऊ - कमाऊ नीति के तहत फर्जी मस्टर रोल का सहारा लेक र करनैलगंज विकासखंड के गांव चंगेरिया में सरकारी धन की बंदरबांट करने में लगे हुए हैं रविवार को कड़ाके की ठंड और कोहरे के बीच करनैलगंज क्षेत्र के तमाम गांवों में फर्जी तरीके से चल रहे मस्टर रोल से मनरेगा योजना को पलीता लगाने का काम किया जा रहा था।क्षेत्र के गांव में दो प्रोजेक्ट पर एक सात श्रमिकों की हाजिरी लगाई जा रही हैं जब कि धरातल पर कुछ और ही है।जबकि कोनहटा में दो प्रोजेक्ट में 180 मजदूरों का मस्टर रोल चल रहा है, यहाँ पर श्रमिक अदृश्य तरीके से काम करते हुए दि खाए गए हैं,विकास खण्ड करनैलगंज में ये गांव तो महज बानगी हैं। करनैलगंज क्षेत्र की तमाम अन्य ग्राम पंचायतों में भी मनरेगा योजना में य ही खेल चल रहा है।गांवों में फर्जी तरीके से म स्टर रोल चालू कर ब्लॉक के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर मनरेगा मजदूर अदृश्य होकर जॉब कार्डों में अपनी हाजिरी लगा कर प्रतिदिन तीन लाख से अधिक रूपए की चपत सरकार को लगाने के लिए भुगतान कराने में लगे हुए हैं।वहीं दूसरी तरफ ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा योजना में फर्जी मस्टर रोल तैयार कर सरकारी धन की बंदरबांट की शिकायत ज ब अधिकारियों से की जाती है तो जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है जिससे मनबढ़ और घाघ ग्रा म प्रधान,एपीओ व अन्य जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी खुल्लम-खुल्ला मनमानी पर उतर आते हैं इतना हीनहीं, ग्रामीणों का कहना है कि अपने खिलाफ कार्रवाई न होने से ग्राम प्रधानों का मनोबल बढ़ जाता है और वे शिकायतकर्ता का उत्पीड़न करने लगते हैं।गौरतलब है कि मन रेगा और इस पर नकेल कसने के लिए जिलेभर में बड़े स्तर पर टीमों का गठन कर जांच भी क राई जा चुकी है लेकिन इसके बावजूद मनरेगा में मनमानी रूक नहीं रही है।हालांकि, योजना में फर्जी मस्टर रोल के जरिए सरकारी धन की बंदरबांट को रोकने के मंडलायुक्त शशिभूषण लाल सुशील,डीएम प्रियंका निरंजन व सीडीओ अंकिता जैन का काफी सख्त रूख है।जिलाधि कारी प्रियंका निरंजन का स्पष्ट कहना है कि म नरेगा योजना में लापरवाही और अनियमितता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।शिकायत मिलने पर जांच कराकर सख्त कार्र वाई की जाएगी।

टीम गठित कर कराई जाएगी जांचः मंडलायुक्त मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर की जा रही फर्जी मस्टर रोल के बारे में जिले के जिम्मेदार अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं,इस संब ध में जब देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण ला ल सुशील से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में भ्रष्टाचार किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि टी म गठित कर मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

पंडरी कृपाल में ब्लॉक में क्षेत्र पंचायत की बैठक,ब्लॉक प्रमुख ने की विकास कार्यों पर चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । जिले के विकास खंड पंडरी कृपाल में सोमवार को ब्लॉक परिसर में क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित की गई थी,बैठक ब्लॉक प्रमु ख प्रियंका गौतम की अध्यक्षता में हुई इस बैठ क में विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान प्रधानों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों और स्कूलों में बनने वाले एमडीएस (मध्याह्न भोजन योजना) से संबंधित मुद्दों को उठाया।अधिकारियों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जान कारी प्रदान की।खंड विकास अधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने मनरेगा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026 -27 के लिए अनुमानित व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि श्रमांश पर अनुमानित व्यय 6.4850 करोड़ रुपये और सामग्री अंश पर अनुमानित व्यय 4.32 करोड़ रुपये है।कुल अनुमानित मानव दिवस 2,57, 341 निर्धारित किए गए हैं।इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजीव कुमार सिंह उर्फ बिट्टू सिंह, खंड विकास अधिकारी ओम प्रकाश सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी डॉ.सम्य प्रकाश पाठक, एडी ओ पंचायत भूदेव सिंह,पशु चिकित्सा अधिका री,भटवलिया प्रधान विजय मिश्रा,सुरेश पाठक, विकास शुक्ला,फूल बाबू,ननके पाठक,प्रगदत्त बाजपेई और आसाराम तिवारी सहित कई गण मान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ ने उठाई कर्मचारियों की आवाज, दशहरा अवकाश व चाय व्यवस्था की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर । पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ (पी0आर0के0एस0) के पदाधिकारियों ने आज मुख्य कारखाना प्रबंधक (कार्मिक) को एक मांग पत्र सौंपा। यह पहल महामंत्री विनोद राय के निर्देशानुसार की गई, जिसमें वर्ष 2026 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन और कारखाने में बढ़ती ठंड के मद्देनजर कर्मचारियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की मांग प्रमुख थी। सौंपे गए पत्र में वर्ष 2026 के लिए दशहरा अवकाश की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया गया है। संघ ने अनुरोध किया है कि 20 अक्टूबर (मंगलवार) को दशहरा की छुट्टी प्रदान की जाए, जैसा कि ऐतिहासिक रूप से कारखाने में होली और दशहरा पर दो दिन का अवकाश होता रहा है। इसके अलावा, कर्मचारियों की उत्पादकता और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कारखाने के विभिन्न सेक्शनों (शॉप्स) में चाय की व्यवस्था करने की भी मांग की गई। इस अवसर पर कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से रमेश मिश्रा (कार्यकारी अध्यक्ष एवं जोनल सचिव गक्क्रट), दीपक चौधरी (वरिष्ठ पदाधिकारी), ईश्वर चंद्र विद्यासागर (मंडल अध्यक्ष), कुलदीप मणि त्रिपाठी (मंडल मंत्री),फ़िरोज़ुल हक़ (मंडल मंत्री मुख्यालय), संजीव धर (मंडल अध्यक्ष मुख्यालय), मनोज शुक्ला (संगठन मंत्री), अभिषेक गुप्ता (संयुक्त मंत्री), शमशाद भाई (मंडल मंत्री अकाउंट), राकेश श्रीवास्तव (कार्यकारी अध्यक्ष, कारखाना मंडल), देवेश सिंह, अनिल गौतम, राजू रावत, अखिलेश तिवारी, बृजपाल सिंह, कैलाश राजभर, गणेश, सतीश श्रीवास्तव, लक्ष्मी श्रीवास्तव, अंशुमाला पाठक, गणेश तिवारी और अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

एसडीएम नानपारा ने जरूरतमंद लोगों को दिए कंबल

नानपारा, बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। रैन बसेरा व अलाव का निरीक्षण करने के उपरांत एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी ने जरूरतमंद पात्र व्यक्तियों को कंबल भी वितरित किए जिस पर स्थानीय लोगों ने एसडीएम नानपारा की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन का ऐसा मानवीय चेहरा देखकर आम जनता में भरोसा बड़ा है कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर संतोष और राहत साफ दिखाई दिया। एसडीएम ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार ठंड के मौसम में जरूरतमंद निराश्रित व असहाय लोगों को हर संभव राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की प्रथम प्राथमिकताएं है।

दो वांछित अभियुक्त को नानपारा पुलिस ने किया गिरफ्तार

नानपारा, बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली नानपारा पुलिस टीम ने दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बहराइच तथा क्षेत्राधिकारी नानपारा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 547/2025, धारा 80(2), 85 बीएनएस 2023 व 3/4 डीपी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में सोमवार को करीब 11:30 बजे पुलिस टीम ने गुलालपुरवा मोड़ से दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए अभियुक्तों को न्यायालय बहराइच में पेश किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान फूल चन्द्र निषाद पुत्र मुन्ने लाल उम्र लगभग 55 वर्ष तथा राहुल निषाद पुत्र फूल चन्द्र उम्र लगभग 23 वर्ष के रूप में हुई है, जो थाना कोतवाली नानपारा क्षेत्र के इटहा गांव के निवासी बताए गए हैं। पूरी कार्रवाई उपनिरीक्षक राम प्रवेश पाण्डेय, हेड कांस्टेबल राधेश्याम यादव एवं कांस्टेबल अवधेश कुमार की टीम द्वारा की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस प्रकार का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

शिशु जन्म की सरकारी मदद दिलाने के नाम पर आनलाइन ठगी, पुलिस ने पीड़ित को कराई वापस

उरई। उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में साइबर अपराधी भोले–भाले लोगों को ठगने के लिए लगातार नए–नए तरीके अपना रहे हैं। ताजा मामला जनपद जालौन के रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम निनावली जागीर का है, जहां शिशु जन्म पर मिलने वाली सरकारी मदद दिलाने के नाम पर झांसा देकर एक ग्रामीण से ?9,835 रुपए ऑनलाइन ठग लिए गए। जिले के ग्राम निनावली जागीर निवासी ईशेन्द्र सिंह पुत्र रामनारायण ने सोमवार को थाना रामपुरा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्तियों ने शिशु जन्म पर मिलने वाली सरकारी मदद दिलाने का वादा किया और बातों में उलझाकर उनसे ऑनलाइन ?9,835 रुपए मंगा लिए। थाना प्रभारी निरीक्षक रजत कुमार सिंह ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस द्वारा ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर साइबर सेल से समन्वय स्थापित किया गया। कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल रजनीश कुमार एवं कांस्टेबल मिथिलेश कुमार के सहयोग से त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी की गई राशि में से ?9,835 पीड़ित के खाते में वापस कराई गई। ठगी की रकम वापस मिलने पर ईशेन्द्र सिंह ने राहत की सांस ली और रामपुरा पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा की। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक रजत कुमार सिंह ने आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार के अनजान कॉल, लिंक अथवा ऑनलाइन भुगतान के अनुरोध पर सतर्क रहें और संदेह होने पर तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें, ताकि समय रहते साइबर अपराध को रोका जा सके।

बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म मामले में कोर्ट ने पांच दोषियों को सुनाई उम्रकैद की सजा

बुलंदशहर। राष्ट्रीय राजमार्ग–91 पर गाजियाबाद के कार सवार परिवार को बंधकर बनाकर मां–बेटी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पांच आरोपितों को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर एक लाख 81 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। सजा का ऐलान होने के बाद पुलिस ने दोषियों को कस्टडी में ले लिया।

सर्राफा व्यापार मंडल बहराइच /श्रावस्ती का शपथ ग्रहण समारोह सफलतापूर्वक संपन्न

जिला सर्राफा व्यापार मंडल बहराइच /श्रावस्ती की नई कार्यसमिति का गठन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । सर्राफा व्यापार मंडल बहराइच ,श्रावस्ती द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह एवं संयुक्त कार्य समिति बैठक ब्लिस रिसॉर्ट बहराइच में आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकप्रिय सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड जी और विशिष्ट अतिथि बहराइच सदर की विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी के प्रतिनिधि श्री अशोक जायसवाल जी रहे। व्यापार मंडल के अध्यक्ष दीपक सोनी दाऊ जी के द्वारा चयनित सभी पदाधिकारियों को अपने अपने पद पर शपथ दिलाया गया । बहराइच के सांसद डॉक्टर आनंद कुमार गौड़ को सर्राफा व्यापार संगठन के व्यापारियों ने 5 सूत्रीय माँग पत्र भी सौंपा । माँग पत्र के माध्यम से सभी व्यापारियों ने बीएनएस की धारा 317 के ख़िलाफ़ एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया इस धारा के तहत चोर के मात्र कहने भर से ही किसी भी सर्राफा व्यापारी को दिन या रात को घर अथवा दुकान से पुलिस गिरफ्तार कर के जेल भेज देती है ।

व्यापारियों को संबोधित करते हुए सांसद आनंद कुमार गौड़ ने कहा की आप सभी की जो भी माँग है उसको पूर्ण करने के लिए भरसक प्रयास करेंगे और और प्रयास हमेशा सफल होता है उन्होंने कहा कि धारा 317 की जो भी जटिलता है उसको दूर करने की लिए संसद में आवाज़ उठायेंगे जैसे महाराष्ट्र सरकार में यह व्यवस्था लागू है की इस धारा के तहत आने वाले व्यापारियों को अपना स्पष्टीकरण देने के लिए कम से कम 15 दिन का नोटिस दिया जाता है उसी तरह से उत्तर प्रदेश में भी यह व्यवस्था लागू हो ।

जिला कोषाध्यक्ष सत्येंद्र रस्तोगी सत्या ने पत्रकारों बात करते हुए कहा कि से नई कार्यसमिति अपने सभी व्यापारियों के व्यापारिक विकास और समाज सेवा में सकारात्मक योगदान देने के लिए सदैव तत्पर रहेगी ।

जिला अध्यक्ष सुमित खन्ना ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य में हमारी सरकार है हम अपनी सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते है कि धारा 317 से व्यापारियों को कितना मानसिक व सामाजिक नुकसान होता है हमारा व्यवसाय प्रमुख रूप से जेवर खरीदना और बेचना है हम व्यापारी कैसे तय करे की माल चोरी का है या नहीं सरकार कोई मानक तय कर दे जिससे हम अपने व्यवसाय को सुचारू रूप से कर सके । जिला महामंत्री राजेश रस्तोगी और रजनीश रस्तोगी सत्या ने सपथ लेने वाले सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा की हमारा संगठित होना ही हमारी ताक़त है बहराइच और श्रावस्ती को मिला कर 78 छोटी बड़ी कमेटियों को एक करके एक संगठन तैयार करना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है ।

फर्जी बैंक अधिकारी बनकर ठगी करने वाला शातिर आरोपित गिरफ्तार

उरई। उत्तर प्रदेश के उरई की कैलिया थाना पुलिस ने सोमवार को एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी बैंक अधिकारी बनकर लोगों को लोन दिलाने के नाम पर लालच देकर ठगी करता था। गिरफ्तार आरोपित मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। सीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि कैलिया थाना पुलिस ने आरोपित नानूराम को खैरी मोड़ से पकड़ा है। आरोपित फर्जी बैंक अधिकारी बनकर लोगों से संपर्क करता था और उन्हें कम ब्याज दर पर आसानी से बैंक लोन दिलाने का झांसा देता था। विश्वास दिलाने के बाद वह प्रक्रिया शुल्क, प्रोसेसिंग चार्ज, ब्रोकरेज या अन्य शुल्क के नाम पर पैसे मांगता और रकम हड़प कर फरार हो जाता था। बीते दिनों उसने इसी तरह एक महिला को ठगा था। महिला की शिकायत पर कैलिया थाना पुलिस ने जांच शुरू की और तहकीकात के बाद आज उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से ठगी की रकम 6 हजार 410 रुपये, एक मोबाइल फोन, लैपटॉप, कई सिम कार्ड, फर्जी पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड और एक नकली मुहर समेत अन्य सामान बरामद किए हैं।

भ्रष्टाचार के दलदल में फंसी ग्राम पंचायत चंदोई विकास के नाम पर दौड़ रहे हैं कागजी घोड़े

घूंघट में प्रधान परिजन लगे भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने जगह-जगह लगे गंदगी के अंबार स्वच्छ भारत मिशन की उड़ रही जगह-जगह पर धज्जियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जिस तरह से गाँवों के विकास के लिये पानी की तरह पैसा बहा रही है,वह पैसा ग्राम प्रधानो और सचिवों के भ्रष्टाचार की भेंट कैसे चढ़ रही हैं ये देखना हों तो विकास खंड मरौरी की ग्राम पंचायत चंदोई से बेहतर उदाहरण और कुछ भी नहीं हो सकता।जहाँ लाखों रुपयों से बने मानक विहीन निर्माण और विकास कार्य या तो बदहाल होकर धूल फाँक रहे हैं या फिर वह अपनी अंतिम सांसे गिन रहे हैं।दिलचस्प तो यह है कि इस बदहाली के बावजूद कागजों में विकास के घोड़े लगातार दौड़ाए जा रहे हैं।आंखें मूंद कर प्रधान के परिजन को प्रधान का तमगा दिया जा रहा हैं,जिससे चंदोई का विकास इन्हीं तमगों में खोकर अपनी बदहाली पर आंसू बहाने के लिए मजबूर है।हालांकि,जिले के जिम्मेदार अब तक कई बार यहाँ आये

और गये पर उन्होंने इस पंचायत की बदहाली और इसके विकास में प्रधान और पंचायत सचिव के जमकर किये गये भ्रष्टाचार को देखना गवारा नहीं समझा।बताया जाता है कि ब्लॉक के प्रमुख जिम्मेदारों को प्रधान के परिजनों की ओर से मिलते मंहगे गिफ्ट के चलते इस ग्राम पंचायत की बदहाली पर उन्होंने कभी नजर नहीं डाली हालांकि यह आम चर्चा है। कि प्रधान व पंचायत सचिव खूब मालामाल हो रहे है। और आम लोगों की बुनियादी सुविधाओं और विकास के लिये आया सरकारी रुपया इन भ्रष्टाचारियों के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया।

धूल फाँक रहा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र

ग्राम पंचायत में लाखों रुपए की लागत से बनाया गया प्लस्टिक अपशिष्ट प्रबंधन धूल फांकते हुये नजर आ रहा हैं इस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र में गजे कचरे के गट्ठर अब वहाँ की आबोहवा प्रदूषित कर रहे हैं। जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों ने अब तक यह जानने की भी कोशिश नहीं की कि यह किस हाल में है।

आरसीसी सड़क व नाली निर्माण में भ्रष्टाचार

शहर से सटे इस गाँव में किये गये मानक विहीन नाली निर्माण और आरसीसी सड़क निर्माण में ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव के द्वारा किये गये जमकर भ्रष्टाचार साफ-साफ दिखाई दे रहा है।गाँव में जहाँ नाली का निर्माण मानक विहीन तरीके से बनाकर रुपये सरकारी धन को हड़पा गया है। पूर्व बनाई गयी आरसीसी सड़क में पीली और पुराने ईंटों की बज़ड़ी पर ही लिपाई कर दी गई।

स्वच्छता मिशन की उड़ा रहे धज्जियाँ

गांव में जगह-जगह लगे कूड़े-करकट के अंबार चारों ओर गंदगी बिखेर रहे हैं,जो सरकार व प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता मिशन की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं।सूत्र बताते है कि कूड़ा उठाने के लिये लाई गई कूड़ा गाड़ी प्रधान द्वारा व्यक्तिगत प्रयोग में ली जाती है या फिर एक कोने में खड़ी होकर धूल फांक रही होती है।मनरेगा द्वारा निर्मित अन्नपूर्णा भवन में भी जमकर घोटाला किया गया है।

सफलता उन्हीं के कदम चूमती है जो दिन रात मेहनत करते है : डॉ. चरित्र सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख के भतीजे डॉ. चरित्र सिंह बने एमएस सर्जन, किया क्षेत्र का नाम रोशन

संघर्ष, संकल्प और सफलता का परिणाम,जनरल व लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में मिली सफलता

पूरनपुर। कौन कहता है कि आसमा में छेद नहीं हो सकता एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों इस कथन को साकार किया है पूरनपुर के डॉ. चरित्र सिंह ने जिन्होंने कठिन परिश्रम और अटूट संकल्प के बल पर एमएस जनरल एंड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की डिग्री प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति अडिग रहने की मिसाल बने डॉ. चरित्र सिंह ने एमएस जनरल एंड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की डिग्री प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। वे पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह के बड़े भाई एवं ग्राम प्रधान अगमवीर सिंह के सुपुत्र हैं। जिनकी प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने चिरौंजी लाल वीरेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर, पीलीभीत से हुई है। छात्र जीवन से ही वे अनुशासनप्रिय, शांत स्वभाव और लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित रहे। सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने पढ़ाई को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी।मेहनत का यह सफर तब और कठिन हो गया जब उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थान किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ में एमबीबीएस 2014 बैच के लिए प्रवेश पाया। चिकित्सा शिक्षा की चुनौतीपूर्ण पढ़ाई, लंबे अध्ययन घंटे और निरंतर परीक्षाओं के दबाव के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। दिन-रात की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से उन्होंने एमबीबीएस की डिग्री सफलतापूर्वक पूरी की।इसके बाद उन्होंने उच्च चिकित्सा शिक्षा की राह चुनी और एमएस जनरल एंड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी बैच 2022 में प्रवेश लेकर एक और कठिन लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाया। यह दौर उनके जीवन का सबसे संघर्षपूर्ण रहा, जहां अध्ययन के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और जिम्मेदारियों का संतुलन साधना पड़ा। लेकिन निरंतर अभ्यास,धैर्य और आत्मविश्वास ने उन्हें सफलता तक पहुंचाया।डिग्री प्राप्त करने के बाद डॉ. चरित्र सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि वे उत्तराखंड में बाबा नीम करोली जी की कृपा से सदैव सेवा भाव से चिकित्सा क्षेत्र में कार्य कर समाज और राष्ट्र की सेवा करना चाहते हैं।डॉ. चरित्र सिंह की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो यह संदेश देती है कि सच्ची लगन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता है।

मां से बिछड़ा हथिनी का नवजात शावक पीलीभीत टाइगर रिजर्व में नया बसेरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद बिजनौर के विजयसिंहपुर बढ़ापुर वन रेंज की रामजीवाला बीट में लगभग दो सप्ताह पूर्व मिले हथिनी के नवजात शावक को वन विभाग की टीम ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व के लिए रवाना कर दिया। भावुक पल उस समय देखने को मिले जब वन कर्मियों ने शावक को फूलों की माला पहनाकर सुरक्षित वाहन में बैठाया। पूरे रास्ते उसकी देखभाल और निगरानी के लिए अनुभवी पशु चिकित्सक डॉ. दक्ष गंगवार सहित वन कर्मियों की टीम को साथ भेजा गया। जानकारी के अनुसार, रामजीवाला बीट क्षेत्र में गश्त के दौरान वन कर्मियों ने एक गड्ढे से शावक के कराहने की आवाज सुनी थी। जांच करने पर पता चला कि कुछ ही समय पहले एक हथिनी ने वहां शावक को जन्म दिया था।लेकिन जन्म के तुरंत बाद वह शावक को छोड़कर जंगल में चली गई। वन विभाग की टीम ने पूरे दिन और कई दिनों तक हथिनी के लौटने का इंतजार किया, लेकिन वह वापस नहीं आई।इसके बाद पीलीभीत और मथुरा से विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम बुलाकर शावक को उसकी मां से मिलाने के लगातार प्रयास किए गए। हथिनी की तलाश, जंगल में निगरानी और प्राकृतिक तरीके से मिलान के तमाम प्रयासों के बावजूद सफलता नहीं मिल सकी। समय बीतने के साथ शावक की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ने लगी। शावक के हित को सर्वोपरि मानते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व भेजने का निर्णय लिया गया। पीटीआर में शावक के पालन-पोषण और संरक्षण के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। वहां उसे सुरक्षित बाड़े, स्वच्छ वातावरण और आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वह प्राकृतिक माहौल में सुरक्षित रह सके। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शावक की नियमित स्वास्थ्य जांच की जाएगी और हर स्तर पर उसकी देखभाल की जाएगी। उम्मीद जताई जा रही है कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व में शावक को नया जीवन और बेहतर संरक्षण मिल सकेगा।

कड़ाके की ठंड से बचाने को जरूरतमंदों को बांटे कंबल

सुल्तानपुर। जिले में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए गरीब व असहाय लोगों को राहत पहुंचाने में सुल्तानपुर शहर के समाजसेवी व समाजसेवी संस्थाएं अहम भूमिका निभा रही है। ताकि गरीब व असहाय लोगों को ठंड के दिनों में परेशानियो का सामना न करना पड़े इसक्रम में नगर कोतवाल धीरज कुमार, अमहट चौकी इंचार्ज रजत पाण्डे,और शियाने हैदर-ए-कर्रार वेलफ़ेयर एसोसिएशन संस्था ने अमहट चौराहा, मेडिकल कॉलेज, गोलाघाट, दीवानी चौराहा, पंत स्टेडियम, सिविल लाइन, बस स्टैंड, पर गरीब व असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण करने का कार्य कर रहे है। अभी तक संस्था द्वारा लगभग 1000 से अधिक कंबल वितरण किया गया है। कंबल वितरण का कार्य कई वर्षों से किया जा रहा है।शहर में हर क्षेत्रों से आए हुए मजदूरों के बीच कम्बल वितरण उनके पास जा कर किया जा रहा है संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अलमदार हुसैन,ने कहा कि हमारी संस्था पिछले कई वर्षों से गरीबों की हर प्रकार से मदद कर रही है।नगर कोतवाल धीरज कुमार ने कहा कि जब किसी जरूरतमंद की मदद करते हैं तो जो खुशी मिलती है, उतनी किसी अन्य काम में नहीं मिलती।अमहट चौकी इंचार्ज रजत पाण्डे बोले ऐसे कार्यों से पुलिस और जनता के बीच विश्वास और जुड़ाव बढ़ता है।और दुनिया मे इंसानियत से बढ़कर कुछ और नहीं है।इस मौके पर संस्था के पदाधिकारी, डॉ. मोहतशाम रजा, हैदर नकवी, अली जाफरी, दिलशाद हुसैन, फजल रिजवी, नूरुल हसन, इमरान हुसैन, सैफ खान, नूरुद्दीन, सलमान, एजाज, नयाब हैदर, अफरोज हैदर ,अकबर रजा, शियाने हैदर-ए-कर्रार वेलफ़ेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अलमदार हुसैन आदि मौजूद रहे।

डीएम ने सांसद खेल महोत्सव 2025 फिट युवा फॉर विकसित भारत के तहत खेल प्रतियोगिताओं का किया समापन

डीएम ने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। सांसद खेल महोत्सव 2025 फिट युवा फॉर विकसित भारत के तहत सोमवार को खेल प्रतियोगिताओं का समापन जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र श्रीवास, नगर मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर ने किया। जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों और शारीरिक शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत ही गर्व की बात है चारों विधानसभाओं से चुन चुन कर आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा को दिखाया। शासन की यही मंशा है कि ग्रामीण अंचलों के गांव के प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेल का अवसर मिले। सब जूनियर बालिका वर्ग की चक्का फेंक प्रतियोगिता में मंजू प्रथम, सलोनी द्वितीय, मीनाक्षी तृतीय, लंबी कूद में आलिया प्रथम, मंजू द्वितीय, मनीष पाल तृतीय स्थान पर रही। जूनियर बालिका वर्ग की ला फ़ेक प्रतियोगिता में कीर्ति का प्रथम, लीलावती द्वितीय, गायत्री तृतीय, लंबी कूद जूनियर बालिका वर्ग में शगुन पाल प्रथम, कविता द्वितीय, साक्षी तृतीय,जूनियर बालिका वर्ग की चक्का फेंक प्रतियोगिता में कृतिका प्रथम, लीलावती द्वितीय, शीतल तृतीय स्थान पर रही। जूनियर बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में गीता एंड पार्टी प्रथम जहरा और पार्टी द्वितीय रही।जूनियर बालक वर्ग की चक्का फेंक प्रतियोगिता में गौरव प्रथम युवराज सिंह द्वितीय हिमांशु तृतीय रहे। जूनियर बालक वर्ग की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रियांशु राना एंड पार्टी प्रथम शारिक और पार्टी द्वितीय रही। जूनियर बालक वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में युवराज सिंह प्रथम, गौरव द्वितीय ,युवराज तृतीय, चक्का फेंक में गौरव प्रथम, युवराज सिंह द्वितीय, हिमांशु तृतीय, लंबी कूद में शोएब प्रथम, हारून द्वितीय, आलोक तृतीय स्थान पर रहे। सब जूनियर बालक वर्ग की चक्का फेंक में वरुण प्रथम, हरजोत द्वितीय, कुलदीप तृतीय, लंबी कूद में नाविद प्रथम, अबी द्वितीय, अनुज तृतीय, गोला फ़ेक में गुरप्रीत सिंह प्रथम, अर्जुन द्वितीय, गौरव तृतीय स्थान पर रहे। जिला क्रीड़ा जयवीर सिंह, जिला युवा कल्याण अधिकारी अमित कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी छविराम सिंह,निर्णायक मंडल में आदित्य गंगवार,जयप्रकाश बघेल, यासीन अहमद, प्रशांत शुक्ला, संजय पांडे, व्यायाम शिक्षिका विभा मिश्रा, अनीता जोशी, राजेश शुक्ला, रीना मिश्रा,सर्वेंद्र नाथ शुक्ला, वेटरन्स क्रिकेट एसोसिएशन सचिव जगदीश सक्सेना, कौशल गंगवार, महेश कुमार, अविनाश चंद्र, आदि लोग रहे।संचालन जिला अध्यापक दुर्गेश कुमार आर्य ने किया।

भाई ने मामूली विवाद में सगे भाई की उंगली दांतों से काट डाली

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मोहनगंज क्षेत्र के गांव धर्मे मजरे बारकोट में मामूली विवाद में एक युवक ने अपने सगे भाई के हाथ की उंगली दांतों से काटकर अलग कर दिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया है। थाना क्षेत्र के गांव धर्मे मजरे बारकोट निवासी वीरेन्द्र सोनी पुत्र केतार सोनी ने पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि विपक्षी इन्द्रजीत सोनी आये दिन फर्जी उल्टा सीधा गाली गुप्ता दिया करते रहते है और समझाने बुझाने पर भी नही मानते है। रविवार की शाम करीब चार बजे शाम को वह उल्टा सीधा गाली गुप्ता दे रहे थे जब मना किया तो वह गिराकर मारा पीटा व बायें हाथ की अंगूठे के बगल की अंगुली को दांत से काटकर अलग कर दिया है। पीड़ित वीरेन्द्र सोनी घायलावस्था में थाने पहुंचकर पुलिस को आपबीती सुनाई और सीएचसी तिलोई में उपचार कराया। पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुये आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्जकर छानबीन में जुट गई है। इस सम्बंध में थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि घायल की तहरीर पर इंद्रजीत सोनी के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया गया है।

दो दिवसीय भ्रमण कर समस्या सुनेंगे अमेठी के सांसद

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कांग्रेस के सांसद किशोरी लाल शर्मा मंगलवार को अपने दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत देर शाम गौरीगंज पहुंचेगे।कांग्रेस के जिला प्रवक्ता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि सांसद किशोरी लाल शर्मा बुधवार को प्रातः जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आमजन से सीधे संवाद करेंगे।इस दौरान वह क्षेत्रीय लोगों की समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं पूरी गम्भीरता और आत्मीयता से सुनेंगे।इसके बाद वह क्षेत्र भ्रमण करते हुये विभिन्न गांवों और कस्बों में लोगों से मुलाकात करेंगे जहां विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के साथ साथ आम नागरिकों के सुख दुःख में सहभागी बनेंगे।क्षेत्र भ्रमण उपरांत वह रायबरेली स्थित सांसद निवास भुएमऊ पहुंचेंगे।

शहर में चल रहा है रात में भी सफाई अभियान चेयरमैन ने किया निरीक्षण

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मचारियों ने रात को भी शहर की सड़कों की सफाई की। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल ने पहुंचकर किया निरीक्षण, निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मचारी लगातार शहर की सड़कों की सफाई करते नजरआए। नगर पालिका परिषद की यह पहल शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए की गई है। सुबह के दौरान जब बाजारों में भीड़ बढ़ जाती है। रात्रि के समय दुकान बंद हो जातीहैं। आवागमन भी कम हो जाता हैं। जिससे सफाई कर्मचारियों को सफाई करने में आसानी हो जाती हैं। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल ने बताया कि शहर को साफ सुथरा बनाए रखने के लिए रात में सफाई कर्मियों की कई टीमें लगाई गई हैं।

सीएम योगी से मिले विधायक बाबूराम पासवान एवं चेयमैन शैलेंद्र गुप्ता

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। रविवार की सायं नगर पालिका परिषद पूरनपुर के अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने पूरनपुर के विधायक बाबूराम पासवान के साथ लखनऊ स्थित कार्यालय में प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी से शिष्टाचार भेंट की।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने पूरनपुर नगर की विभिन्न जनसमस्याओं एवं नागरिक हितों से संबंधित विषयों पर माननीय मुख्यमंत्री से विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा संबंधित मांगों का एक पत्रक सौंपा। पत्रक में नगर की प्रकाश व्यवस्था, नई नाली निर्माण, सड़कों के विकास और नये निर्माण एवं नगर सौंदर्यीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषय सम्मिलित थे। मुख्यमंत्री ने प्रस्तुत विषयों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए पूरनपुर नगर के समुचित एवं सर्वांगीण विकास हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस पर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता द्वारा माननीय मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मां प्रधान, बेटा प्रतिनिधि और दूसरा बेटा मनरेगा मजदूर

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। ग्राम पंचायतों के विकास के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत धन आखिरकार किस तरह ग्राम प्रधानों की जेब तक पहुंचता है, इसका जवाब शायद वही लोग जानते हैं जो इस व्यवस्था का फायदा उठा रहे हैं। ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला विकासखंड बल्दीराय की ग्राम पंचायत असरफपुर से सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, ग्राम पंचायत में मां ग्राम प्रधान, पहला बेटा प्रधान प्रतिनिधि और दूसरा बेटा मनरेगा मजदूर बनकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहा है। यह पूरा मामला ऑनलाइन रिकॉर्ड में साफ तौर पर देखा जा सकता है। रिकॉर्ड बताते हैं कि जहां एक ओर प्रधान का एक पुत्र प्रतिनिधि बनकर विकास योजनाओं का संचालन कर रहा है, वहीं दूसरा पुत्र मनरेगा मजदूर के रूप में पंजीकृत है और नियमित रूप से उसके खाते में मजदूरी की धनराशि पहुंच रही है। इस प्रकार एक ही परिवार द्वारा पंचायत की योजनाओं पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया गया है। इतना ही नहीं, सूत्र यह भी बताते हैं कि विद्यालय में मिड-डे मील का भोजन बनाने वाली रसोइया के खाते में भी मनरेगा मजदूरी की रकम पहुंच रही है। सवाल यह है कि क्या ब्लॉक स्तर के कर्मचारी और जिम्मेदार अधिकारी ऑनलाइन मजदूरी भुगतान की जांच नहीं कर रहे हैं, या फिर सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंदे हुए हैं? ग्रामीणों का कहना है कि यदि ग्राम पंचायत में हुए मनरेगा भुगतान की निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए, तो कई चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल यह मामला सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

11 साल का उजैफा बना चित्रकला का उभरता सितारा

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा बाजार निवासी तुफैल अहमद उर्फ कुननू का 11 वर्षीय पुत्र उजैफा तुफैल अपनी विलक्षण चित्रकला प्रतिभा से लोगों को हैरान कर रहा है। उजैफा सेंट जॉन्स कान्वेंट स्कूल गनापुर में कक्षा तीन का छात्र है, लेकिन उसकी कला उम्र से कहीं अधिक परिपक्व नजर आती है।उजैफा की खास पहचान यह है कि वह किसी भी व्यक्ति की फोटो देखकर उसकी हू-ब-हू तस्वीर कागज पर उतार देता है। उसकी बनाई गई तस्वीरों में चेहरे के भाव और बारीकियां इतनी सटीक होती हैं कि देखने वाले दंग रह जाते हैं। क्षेत्र में उसकी इस प्रतिभा की चर्चा तेजी से फैल रही है। सोमवार को उजैफा ने अपनी चित्रकला का शानदार उदाहरण पेश करते हुए बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह का चित्र बनाकर उन्हें भेंट किया। चित्र की समानता और बारीकी देखकर मौजूद लोगों ने बच्चे की जमकर सराहना की।परिजनों और क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि उजैफा को उचित मार्गदर्शन और मंच मिला तो वह भविष्य में चित्रकला के क्षेत्र में जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकता है।

वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है-एसपी बृजेश मिश्रा

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। सोमवार को वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर शहर के पंत स्टेडियम में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयुक्त सेवा समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक आयोजन में पीटीएस अधिकारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के प्रति भावना जागृत करना और उन्हें इसके महत्व से अवगत कराना था। पीटीएस एसपी बृजेश मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि भारत माता की आराधना हमारी प्राचीन परंपरा का हिस्सा है। उन्होंने वंदे मातरम' को केवल एक गीत नहीं, बल्कि 'भारत की आत्मा' बताया। मिश्रा ने आगे कहा कि यह गीत विभिन्न जातियों, धर्मों और संप्रदायों को एक सूत्र में पिरोकर भारत माता की सेवा में लगा सकता है। यह देश में चेतना का संचार भी करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह राष्ट्रगीत हर भारतीय में 'भारतीयता' का भाव विकसित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह गीत पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक पूरे देश को जोड़ने का कार्य करता है।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपया डकारने वाले पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी । थाना मोहनगंज पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर विदेश भेजने के नाम पर एक महिला से लाखों रुपया डकारने वाले पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया है। बताते चलें कि रायबरेली जनपद के थाना मिल एरिया के ग्राम राही एवं आसाम राज्य के जनपद नागांव के अमीन पटटी निवासिनी माजिदा बेगम पत्नी शमशुल जमाल ने अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम रायबरेली से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित महिला की मानें तो आज से चार वर्ष पूर्व एक रिश्तेदार के माध्यम से मोहम्मद असलम कुरैशी पुत्र याकूब कुरैशी निवासी ग्राम बहुआ थाना मोहनगंज से जान पहचान हुई तो उसके द्वारा बताया गया कि वह विदेश सऊदी अरब में रहता है तथा लोगा को रोजगार का वीजा भी उपलब्ध कराता है। पीड़िता का पति शमशुल जमाल इलेक्ट्रिशियन का काम करता है और रोजगार के लिये विदेश जाने का इच्छुक था तो आरोपी युवक द्वारा इलेक्ट्रिशियन कारीगर का वीजा सऊदी अरब का दो लाख रूपये मे माह मार्च 2023 तक उपलब्ध करा देगा उसने एक साथ पूरा पैसा दे पाने में असमर्थता जतायी तो आरोपी युवक ने थोड़ा थोड़ा पैसा माह मार्च तक भुगतान कर देने की बात कही तब महिला ने नाते रिश्तेदारो से एवं बंधन बैंक से समूह लोन लेकर करीब चार बार में और नकदी समेत एक लाख निन्यानबे हजार रुपया दिया गया और आरोपी द्वारा पूरा पैसा लेने के बाद भी उसको इलेक्ट्रिशियन का वीजा समय से नही दिया गया तो महिला द्वारा धनराशि वापस करने की बात कही गई तो आरोपी युवक द्वारा तिरासी हजार पांच सौ रुपया वापस किया गया तथा शेष बकाया एक लाख सोलह हजार चार सौ निन्यानबे रूपया मांगने पर भी नही दिया जा रहा है। बताया जाता है कि बीती सोलह जून को आरोपी द्वारा पुलिस के सामने पन्द्रह दिनों में पैसा वापस करने की बात कही गई थी लेकिन आज तक पैसा वापस नही किया गया। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मोहम्मद असलम कुरैशी और उनके बेटे इशराक कुरैशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

गौ आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाये जाएं : सीडीओ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण को लेकर जनपद में संचालित गौशालाओं में हरा चारा, भूसा, पशु आहार, स्वच्छ पेयजल, शेड, बीमार पशुओं को उचित देखभाल इत्यादि सुविधाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया।मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह ने गौशालाओं के निर्माण कार्यों को लेकर समीक्षा किया। उन्होंने कहा कि जिन गौशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है उनको हैंड ओवर लेकर गोवंशों को संरक्षित कराएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों से जनपद में संचालित समस्त गौशालाओं पर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी गो आश्रय स्थलों पर गोवंशों हेतु पर्याप्त मात्रा में पशु आहार, भूसा व हरा चारा की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए साथ ही वहां पर वर्तमान में ठंड व शीतलहर के दृष्टिगत गोवंशों की सुरक्षा हेतु समस्त को गोवंशों हेतु काऊकोट, अलाव, शेड के चारों तरफ तिरपाल तथा गो आश्रय स्थलों पर कार्यरत समस्त केयर टेकरों को कंबल देने के निर्देश मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समस्त नोडल अधिकारी, बीडीओ व पशु चिकित्सक प्रत्येक गौशाला का एक दिन के अंतराल पर अवश्य निरीक्षण करें। इसके उपरांत उन्होंने समस्त गौशालाओं पर सीसीटीवी कैमरा लगाये जाने की प्रगति की समीक्षा की जिस पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में दो गौशालाओं पर सीसीटीवी कैमरा लगा है शेष पर लगाए जाने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने समस्त संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि गोवंशों हेतु पीने का स्वच्छ पानी एवं छांव की उचित व्यवस्था रहे। सहभागिता योजना के अंतर्गत गोवंशों की सुपुर्दगी व भुगतान के संबंध में जानकारी ली तथा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार गोवंशों को सुपुर्दगी योजना के तहत गायों को देने व भुगतान की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आप लोग क्षेत्र में नियमित भ्रमण करें तथा जो भी गोवंश बाहर घूमते मिले उन्हें नजदीकी गौशाला में संरक्षित कराएं। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि गौशालाओं में भूसा दान देने हेतु किसानों से अपील करें तथा विशेष प्रयास कर अधिक से अधिक किसानों से गौशालाओं में भूसा दान कराएं। बैठक में उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करें कि वह अपने गोवंशों को ना छोड़े, यदि कोई गोवंश छोड़ने पाया जाए तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाए। पशु चिकित्सकों को नियमित गौशालाओं में जाकर बीमार गोवंशों की देखभाल व चिकित्सीय उपचार करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी ने सभी गौशालाओं में रजिस्टरों का रखरखाव सुव्यवस्थित ढंग से करने के निर्देश दिए तथा कहा कि जो भी अधिकारी गौशालाओं का निरीक्षण करने जाएं वह उसमें निरीक्षण टिप्पणी अवश्य अंकित करें एवं जो भी कमियां हैं उसका सुधार कराएं। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंशों के संरक्षण को लेकर शासन स्तर से लगातार समीक्षा की जा रही है तथा इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, समस्त खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी सहित नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

जो मूल जड़ को भूल जाता है वह समाज स्वत: ही समाप्त हो जाता है : डॉ. रमा शंकर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। नगर क्षेत्र के पयागीपुर स्थित हनुमान मंदिर निकट बाबा रामलाल द्वारा पर सकल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता डा0 रमाशंकर पाण्डेय प्रान्त ग्राम विकास प्रमुख ने कहा स्वामी विवेकानंद ने कहा था हिन्दू समाज शक्तिशाली होते हुए भी मरा हुआ हो गया इसका मुख्य कारण उक्त समाज अपनी शक्तियों से विस्मृत हो गया। जिस भारत को कभी विश्व गुरु कहा जाता था पूर्व काल में इसे आर्यव्रत के नाम से जाना जाता था इसकी सीमाएं जर्मनी ईरान ईराक तक थी इसका पुराना नाम आर्यन था। परशुराम के प्रपौत्र औरब ऋषि ने अरब देश को बसाया था। भारतवासी अपना राष्ट्रीय धर्म भूल गये इसी कारण अभी तक इसके बीस टुकड़े हो चुके है। जो मूल जड़ को भूल जाता है वह समाज स्वतः समाप्त हो जाता है पारखी दृष्टि से देखा जाय तो एक ही गोत्र में समाज के चारो वर्ण दिखाई पड़ेगे। मंच पर वंचित वर्ग के रामजियावन को नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया देश भक्ति फिल्म दिखाया गया अध्यक्षता श्रवण पाठक ने किया संचालन हरीनाथ शुक्ल ने किया मंच पर अवधेश शास्त्री, उषा यादव प्रधानाचार्य रहे। इस अवसर पर मुख्तया गिरीश मिश्रा सभासद, दीपक मिश्रा जिला अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ, अनूप तिवारी, राम लखन यादव, मनोज पाठक, राजीव मिश्रा, प्रभात सिंह, गोकरन पाठक, देवराज शुक्ल, धर्म देव तिवारी, हरीव्रत मिश्रा, एस के तिवारी आयुष शुक्ला ओमनरायन पाठक, जय रमण मिश्रा, देवेश तिवारी, नरायन राय, संदीप पाठक, शैलेन्द्र पाठक, हेमंत अवस्थी एडवोकेट, आशुतोष पांडे, नितेश मिश्रा,रवींद्र सिंह एवं वष्ठिमुनी शुक्ला समेत सैकड़ो की संख्या में पुरुष एवं मातृ शक्तियाँ उपस्थित रही सम्मेलन के उपरांत हजार लोगों ने भोजन प्रसाद भी ग्रहण किया।

सम्पादकीय

एक भयावह त्रासदी की बाकी है कसक

मंडी डबवाली में 23 दिसंबर 1995 को विश्व की भयावह अग्नि त्रासदी घटित हुई थी। ऐसा हर हादसा उस दुर्भाग्यपूर्ण अग्निकांड के जख्म हरे कर देता है। इसमें चंद मिनटों में 442 लोग काल का ग्रास बन गये। जिनमें ज्यादातर स्कूली बच्चे थे। देश में आग लगने की त्रासदियों की लंबी फ़ेहरिस्त है जो क्रम अभी भी जारी है। वजह है जागरूकता की कमी। कारण जानने के बावजूद सबक नहीं लिये जाते। बचाव उपायों पर अमल होना जरूरी है। पीड़ितों के प्रति तंत्र की बेरुखी भी कम नहीं। हालांकि असल जरूरत अग्नि सुरक्षा को बतौर 'संस्कार' अपनाने की है। डबवाली अग्नि त्रासदी के उस काले दिन से लेकर हाल में गोवा में आग की दुर्घटना तक, हर बार जब किसी बड़े हादसे की खबर सामने आती है, भीतर के जख्म पुनरू ताजा हो उठते हैं। वह 23 दिसंबर 1995 का दिन आज भी स्मृतियों में सुलगता है। जब राजीव मैरिज पैलेस में आयोजित डीएवी स्कूल के भव्य पारितोषिक वितरण समारोह में शॉट सर्किट से विश्व की भयावह अग्नि त्रासदी घटित हुई। चंद मिनटों में 442 लोग काल का ग्रास बन गये। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं था, बल्कि डबवाली शहर की लगभग एक प्रतिशत आबादी की बर्बादी थी। डबवाली का लगभग हर तीसरा परिवार प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर हादसे का पीड़ित हुआ। सैकड़ों परिवार बर्बादी की कगार पर आ गये, दर्जनों घरों को ताले लग गये। यह देश-दुनिया के लिए सबक था, पर सीख किसी ने नहीं ली। तीन दशक बाद भी हालात जस के तस हैं। गोवा अग्निकांड में 23 मौतों की खबर आई, तो लगा जैसे समय ठहर गया हो। वही अफरा-तफरी, वैसा ही आग का तांडव, वैसी ही बेबसी। हर बार वही सवाल उठता है कि हम कब तक लापरवाही की कीमत जानों से चुकाते रहेंगे? डबवाली अग्निकांड के मृतकों में 258 बच्चे, 140 महिलाएं व 44 पुरुष थे, हादसे में कुल 150 लोग घायल हुए व 31 दिव्यांग हो गये। मैं (लेखक) इकबाल सिंह शांत, उस त्रासदी का जीवित दिव्यांग पीड़ित हूं। हादसे की आग में फंसे अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी सरदार गुरदेव सिंह शांत को बचाने के लिए अंदर दोबारा दाखिल हुआ व उसी कोशिश में मेरे दोनों हाथ व पीठ गंभीर रूप से झुलस गई। दिव्यांग हो गया, लेकिन तसल्ली है कि पिता को बाहर निकाल लाया था। अफसोस, 25 दिसंबर 1995 को पीजीआई चंडीगढ़ में उनका देहांत हो गया। त्रासदी ने डबवाली से बहुत कुछ छीन लिया। डबवाली अग्नि त्रासदी के बाद मेरिज पैलेसों में आयोजनों की सुरक्षा बढ़ाने, अग्नि सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य व आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने के कई नियम-कायदे तो बने। लेकिन गोवा जैसी घटनाएं बताती हैं कि कागज पर बने नियम जमीन पर उतरने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। डबवाली अग्निकांड की सीबीआई रिपोर्ट में आग का कारण राजीव मैरिज पैलेस में कार्यक्रम हेतु लगाए दो बिजली कनेक्शन बताए गए थे। बिजली ट्रिपिंग के दौरान जेनरेटर का चेंज-ओवर नहीं बदला गया। पंडाल में लगी पॉलीथिन शीट, बांस व रेशमी कपड़े से आग तेजी से फैली। बिजली निगम, नगर पालिका, पैलेस मालिकों व दो निजी बिजली कर्मचारियों सहित 14 लोगों को दोषी माना गया। पुलिस ने कुछ पर 304-बी के तहत केस दर्ज किया। सीबीआई कोर्ट ने दो-दो साल सजा दी, पर बाद में उन्हें हाईकोर्ट ने बरी कर दिया। जांच में सामने आया कि कार्यक्रम स्थल का नक्शा तक पास नहीं था।मामला सिर्फ डबवाली और गोवा तक सीमित नहीं है, तथ्य खंगालें तो दर्जनों मामले रिकार्ड पर होंगे। देश में 1995 के बाद कई बड़े अग्नि हादसे हुए, जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। 13 जून 1997 को दिल्ली के उपहार सिनेमा में आग दुर्घटना में 59 लोगों की जान गई। सोलह जुलाई, 2004 को तमिलनाडु के कुंभकोणम स्कूल हादसे में 94 बच्चों की दर्दनाक मौत हुई। फरवरी 2010 में कोलकाता के स्टीफन कोर्ट में अग्नि त्रासदी ने 43 लोगों की जिंदगी छीन ली। दिसंबर 2017 में कमला मिल्स (मुंबई) की आग में 14 मौतें हुई। जनवरी 2018 में बवाना औद्योगिक क्षेत्र (दिल्ली) में आग से 17 मजदूरों की जान गई। मई 2019 में सूरत के तक्षशिला कोचिंग सेंटर में आग से 22 छात्रों की मौत हुई।

अरावली पहाड़ियों में खनन पर अदालत और सरकार

भारत की अरावली पर्वतमाला उत्तर और पश्चिम भारत की पारिस्थितिक सुरक्षा प्रणाली की रीढ़ है। दिल्ली से लेकर गुजरात तक फैली यह प्राचीन पर्वत श्रृंखला भारत की सबसे पुरानी भूवैज्ञानिक संरचनाओं में से एक होने के साथ ही यह मरुस्थलीकरण को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार, भूजल पुनर्भरण का अहम क्षेत्र और जैव विविधता का महत्वपूर्ण आश्रय भी है। ऐसे में हाल के दिनों में सोशल मीडिया और कुछ यूट्यूब चैनलों पर यह दावा किया जाना कि सरकार ने अरावली में खनन और निर्माण के लिए ढील दे दी है, स्वाभाविक रूप से चिंता पैदा करता है और इससे जुड़ा सच जानने के लिए प्रेरित करता है। इसी संदर्भ में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देना पड़ा है। उन्होंने इन आरोपों को भ्रामक और तथ्यों से परे बताया। वास्तव में इस पूरे विवाद को समझने के लिए तीन बुनियादी पहलुओं को स्पष्ट रूप से देखना आवश्यक है; अरावली का भौगोलिक और पारिस्थितिक महत्व, सुप्रीम कोर्ट के पुराने और नए आदेश तथा सरकार की वर्तमान संरक्षण नीति। हम यदि गहराई से देखें तब अरावली पर्वतमाला दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के 39 जिलों में फैली हुई दिखाई देती है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए यह 'ग्रीन लंग्स' की तरह काम करती है। यही पहाड़ियाँ थार मरुस्थल को उत्तर और पूर्व की ओर बढ़ने से रोकती हैं। वर्षा जल को रोककर यह भूजल को रिचार्ज करती हैं। हवा के बहाव को नियंत्रित करती हैं और प्रदूषण के स्तर को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। एनसीआर की जलवायु, वायु गुणवत्ता और जल सुरक्षा सीधे-सीधे अरावली की स्थिति से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि दशकों से अरावली क्षेत्र में खनन और निर्माण गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण और कई जगहों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए गए हैं। अरावली में अवैध खनन और पर्यावरणीय क्षति को लेकर 1980 के दशक से ही जनहित याचिकाएँ दाखिल होती रही हैं। इन याचिकाओं के परिणामस्वरूप उच्चतम न्यायालय ने कई ऐतिहासिक आदेश दिए। वर्ष 2009 में उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम और नूंह जिलों की अरावली पहाड़ियों में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह प्रतिबंध आज भी प्रभावी है। इसके बाद न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वैज्ञानिक मैपिंग और पर्यावरण प्रभाव अध्ययन (ईआईए) के बिना अरावली क्षेत्र में किसी भी नई खनन गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती। पहले वैज्ञानिक सर्वे फिर पर्यावरणीय योजना और उसके बाद ही किसी प्रकार की अनुमति, यह सिद्धांत स्थापित किया गया। इसमें भी महत्वपूर्ण तथ?य यह है कि ये रोकें अस्थायी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और कई मामलों में स्थायी हैं। आम धारणा के विपरीत हर साल नई-नई रोकें नहीं लगतीं, किंतु एक बार सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद वह वर्षों तक लागू रहता है। वर्ष 2025 में उच्चतम न्यायालय ने अरावली को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया। अदालत ने सभी राज्यों से अरावली की एक समान, वैज्ञानिक और लागू करने योग्य परिभाषा तैयार करने को कहा और केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया। यहीं से भ्रम की शुरुआत हुई। कुछ लोगों ने यह प्रचारित किया कि अब केवल पहाड़ी की चोटी से 100 मीटर ऊपर तक ही संरक्षण रहेगा और उसके नीचे खनन की छूट मिल जाएगी। निश्चित ही ये दावा अधूरा और पूरी तरह भ्रामक है। विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाया गया 100 मीटर मानदंड पहाड़ी की ऊँचाई को स्थानीय राहत के संदर्भ में परिभाषित करता है। इसका अर्थ यह है कि पहाड़ी का आधार यदि जमीन के भीतर 20 मीटर नीचे तक फैला है तो संरक्षण की गणना वहीं से होगी। यानी चट्टान की पूरी मोटाई, उसकी ढलानें और उससे जुड़ी घाटियां भी संरक्षण के दायरे में आती हैं। दूसरे शब्दों में यह नियम खनन को छूट देने के लिए नहीं है, उक्त संदर्भ में यह स्पष्ट करने के लिए है कि अरावली वास्तव में कहाँ तक फैली है। जबकि इससे पहले विभिन्न राज्यों में अलग-अलग परिभाषाओं के कारण भ्रम और दुरुपयोग की गुंजाइश बनी

दिल्ली से लेकर गुजरात तक फैली यह प्राचीन पर्वत श्रृंखला भारत की सबसे पुरानी भूवैज्ञानिक संरचनाओं में से एक होने के साथ ही यह मरुस्थलीकरण को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार, भूजल पुनर्भरण का अहम क्षेत्र और जैव विविधता का महत्वपूर्ण आश्रय भी है। ऐसे में हाल के दिनों में सोशल मीडिया और कुछ यूट्यूब चैनलों पर यह दावा किया जाना कि सरकार ने अरावली में खनन और निर्माण के लिए ढील दे दी है, स्वाभाविक रूप से चिंता पैदा करता है और इससे जुड़ा सच जानने के लिए प्रेरित करता है। इसी संदर्भ में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देना पड़ा है। उन्होंने इन आरोपों को भ्रामक और तथ्यों से परे बताया। वास्तव में इस पूरे विवाद को समझने के लिए तीन बुनियादी पहलुओं को स्पष्ट रूप से देखना आवश्यक है; अरावली का भौगोलिक और पारिस्थितिक महत्व, सुप्रीम कोर्ट के पुराने और नए आदेश तथा सरकार की वर्तमान संरक्षण नीति। हम यदि गहराई से देखें तब अरावली पर्वतमाला दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के 39 जिलों में फैली हुई दिखाई देती है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए यह 'ग्रीन लंग्स' की तरह काम करती है। यही पहाड़ियाँ थार मरुस्थल को उत्तर और पूर्व की ओर बढ़ने से रोकती हैं। वर्षा जल को रोककर यह भूजल को रिचार्ज करती हैं। हवा के बहाव को नियंत्रित करती हैं और प्रदूषण के स्तर को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। एनसीआर की जलवायु, वायु गुणवत्ता और जल सुरक्षा सीधे-सीधे अरावली की स्थिति से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि दशकों से अरावली क्षेत्र में खनन और निर्माण गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण और कई जगहों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए गए हैं। अरावली में अवैध खनन और पर्यावरणीय क्षति को लेकर 1980 के दशक से ही जनहित याचिकाएँ दाखिल होती रही हैं। इन याचिकाओं के परिणामस्वरूप उच्चतम न्यायालय ने कई ऐतिहासिक आदेश दिए। वर्ष 2009 में उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम और नूंह जिलों की अरावली पहाड़ियों में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह प्रतिबंध आज भी प्रभावी है। इसके बाद न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वैज्ञानिक मैपिंग और पर्यावरण प्रभाव अध्ययन (ईआईए) के बिना अरावली क्षेत्र में किसी भी नई खनन गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती।

रहती थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार नई वैज्ञानिक परिभाषा के बाद अरावली क्षेत्र लगभग 1.44 से 1.47 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ माना गया है। इसमें से करीब 90 प्रतिशत हिस्सा सीधे-सीधे संरक्षित श्रेणी में आता है। केवल 0.2 से 2 प्रतिशत तक का हिस्सा ही सैद्धांतिक रूप से खनन के लिए संभावित माना जा सकता है। किंतु यह संभावित शब्द भी महत्वपूर्ण है। इस छोटे से हिस्से में भी खनन तभी संभव है जब विस्तृत माइनिंग प्लान बने। वैज्ञानिक अध्ययन हो। पर्यावरणीय मंजूरी मिले और इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन (आईसीएफआरई) से अनुमोदन प्राप्त हो। व्यावहारिक रूप से यह छूट लगभग नगण्य है। दिल्ली की पूरी अरावली में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध है और भविष्य में भी यहां किसी प्रकार की माइनिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी। एनसीआर के संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण परियोजनाओं पर भी सख्त नियंत्रण रहेगा। जहां किसी क्षेत्र को लेकर संदेह होगा, उसे तब तक अरावली माना जाएगा जब तक वैज्ञानिक सर्वे कुछ और सिद्ध न कर दे। यह प्रावधान संरक्षण नीति को और अधिक कठोर बनाता है। ध्यातव्य हो कि मई 2024 में न्यायालय ने विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाए जा रहे असंगत मानदंडों को देखते हुए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। इस समिति में पर्यावरण मंत्रालय, चारों राज्यों के वन विभाग, भारतीय वन सर्वेक्षण, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति के प्रतिनिधि शामिल रहे। समिति का उद्देश्य था अरावली की एक समान, वैज्ञानिक और कानूनी रूप से मजबूत परिभाषा तैयार करना। इसकी सिफारिशों को 20 नवंबर 2025 के अंतिम आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार करते हुए पूरे अरावली क्षेत्र के लिए एक सस्टेनेबल माइनिंग मैनेजमेंट प्लान बनने तक सभी नई खनन लीज पर रोक लगा दी है। दूसरी ओर सरकार ग्रीन अरावली अभियान के तहत 39 जिलों में वनीकरण, जल संरक्षण और स्थानीय प्रजातियों की नर्सरी विकसित कर रही है। ड्रोन सर्विलांस, सीसीटीवी, ई-चालान, हाईटेक वेइंग ब्रिज और जिला स्तरीय टास्क फोर्स के जरिए अवैध खनन पर निगरानी रखी जा रही है। कुल मिलाकर यदि हम सार रूप में कहें तो अरावली को लेकर ढील या छूट की खबरें तथ्यात्मक नहीं हैं, यह बहुत भ्रामक हैं। न्यायालय के आदेशों और सरकार की नीतियों से इस क्षेत्र का संरक्षण कमजोर नहीं हुआ है, यह तो पहले से अधिक स्पष्ट और मजबूत हुआ है। आज जरूरत इस बात की है कि अफवाहों और आधे-अधूरे तथ्यों के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और न्यायिक आदेशों के आधार पर इस मुद्दे को समझा जाए। विकास और संरक्षण को आमने-सामने खड़ा करने की राजनीति से सावधान रहते हुए अरावली को बचाने का जो राष्ट्रीय संकल्प केंद्र सरकार और न्यायालय ने परस्पर दिखाया है, हमारा उसके साथ खड़ा होना ही समय की मांग है। **–कैलाश चन्द्र**

फिजाओं में घुला जहर

मुकुंद

इस साल 13 दिसंबर को दिल्ली ही नहीं, उसके आसपास के शहर गैस चैंबर में तब्दील हो गए। यह तारीख साल के सबसे प्रदूषित दिनों के कैलेंडर में दर्ज हो गई। नोएडा में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 455 तक पहुंच गया। नोएडा ही नहीं ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद और पानीपत में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। यहां एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया। शिलांगवासी खुशकिस्मत रहे। उनके यहां की हवा सबसे साफ रही। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक महज 14 रहा। देश की राजधानी दिल्ली का एक्यूआई 431 तक पहुंच गया। देश में वायु गुणवत्ता सूचकांक जारी करने वाले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 13 दिसंबर को 251 शहरों के आंकड़े भी जारी किए। इनके विश्लेषण में कहा गया कि महज 3.6 फीसदी शहरों में हवा साफ है। 22.3 फीसदी में स्थिति संतोषजनक है,।ज74.1 फीसदी शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इस तारीख को फरीदाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक 214 रिकॉर्ड किया गया है। प्रदूषण के लिहाज से ग्रेटर नोएडा (442) दूसरे जबकि दिल्ली (431) तीसरे स्थान रही। 430 अंकों के साथ गाजियाबाद चौथे स्थान पर रहा। पानीपत का एक्यूआई 426, हापुड़ और मेरठ का का 355 रहा। एक दिन पहले 12 दिसंबर को नोएडा में एक्यूआई 386 दर्ज किया गया था। 24 घंटे में 69 अंकों के उछाल से मेहनतकश लोग हांफने लगे। फिजाओं में घुला यह जहर लोगों बीमार बना देने के लिए काफी है। नोएडा में स्थिति किस कदर खराब रही, इसी बात से समझा जा सकता है कि वहां प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित सुरक्षित मानकों से 2,900 फीसदी अधिक रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार 13 दिसंबर को मात्र 3.6 फीसदी शहरों की हवा साफ रही। इन शहरों के इतर देश के छह शहरों में हवा साफ रही। इन शहरों में चिकमगलुरु, दमोह, कलबुर्गी, किशनगंज, कुंजेमुरा, शिलांग और तिरुनेलवेली शामिल हैं। कई दफा कई तारीखें कभी न भूलने वाली बन जाती हैं। मसलन 21 दिसंबर की रात बेहद सर्द रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग 22 दिसंबर की दोपहर भविष्यवाणी की है कि जम्मू और कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में अगले 24 घंटों के दौरान भारी बर्फबारी हो सकती है। यही नहीं बर्फीले तूफान का भी सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली-एनसीआर शीतलहर की चपेट में रहेंगे। घना कोहरा मुसीबत बढ़ा सकता है। तापमान गिरेगा। हवा की गुणवत्ता में सुधार के आसार नहीं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि इन दिनों उत्तर भारत का मौसम तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। पहाड़ों में बर्फबारी शुरू हो चुकी है। मैदानी क्षेत्रों में घना कोहरा और ठंड लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही है। इस बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ, उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम और अन्य मौसमी गतिविधियों को जवाबदेह माना जा रहा है। उत्तराखंड में दो तरह का मौसम है। यहां के मैदानी जिलों में घना कोहरा और कड़ाके की ठंड लोगों को परेशान कर रही है। ऊंचाई वाले हिमालयी इलाकों में बर्फबारी हो रही है। हिमाचल प्रदेश के रोहतांग पास, अटल टनल और शिंकू ला दर्रे पर हल्की बर्फबारी हुई है। निचले इलाकों में मौसम खराब बना हुआ है। शिमला, कुल्लू और मनाली में बादल छाए रहे।बिलासपुर और ऊना जैसे मैदानी जिलों में घना कोहरा देखा गया। विभाग का मानना है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में आनेवाले दिनों में ठंड और कोहरे का असर और बढ़ेगा। दिल्ली में कोल्ड डे जैसी स्थिति बन बनने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 24 घंटों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिनों तक तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी संभव है। पूर्वी भारत में अगले तीन दिनों तक तापमान स्थिर रहने और बाद में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट के आसार हैं। मध्य भारत में अगले 24 घंटों में हल्की बढ़ोतरी के बाद तापमान गिर सकता है। महाराष्ट्र में भी अगले 24 घंटों में तापमान थोड़ा बढ़ने के बाद स्थिर रहने की उम्मीद है। देश के बाकी हिस्सों में अगले सात दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे का अंदेशा जताया गया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में भी कुछ दिनों तक कोहरा रह सकता है। उत्तर आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर शीतलहर चलने की आशंका है। उत्तराखंड, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर भी कोल्ड डे की स्थिति बन सकती है। वैसे आज यानी 22 दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर में वायु गणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी में ही रहा।

सेहत मंत्र

ठंड में भी पीएं नींबू पानी, वजन को कम करने में है सहायक

जब भी नींबू पानी की बात होती है तो लोग अधिकतर गर्मी के मौसम में ही नींबू पानी पीना पसंद करते हैं। लेकिन सर्दी के मौसम में भी नींबू पानी पीना सेहत के लिए बेहद लाभदायक है। हालांकि अधिकतर लोग ठंड के मौसम में नींबू पानी नहीं पीते। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ठंड के मौसम में नींबू पानी पीने के फायदो के बारे में बता रहे हैं। इस लेख को पढ़ने के बाद आप भी ठंड के मौसम में भी नींबू पानी पीना शुरू कर देंगे? ठंड के मौसम में व्यक्ति को अधिकतर मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी?खांसी व जुकाम होने की संभावना अधिक होती है। लेकिन अगर आप ठंड के मौसम में नींबू पानी का सेवन करते हैं तो इससे आपका इम्युन सिस्टम मजबूत होता है। दरअसल, नींबू में विटामिन सी पाया जाता है तो आपके इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाता है। जिससे आप स्वयं को मौसमी बीमारियों से बचा सकते हैं। ठंड के मौसम में वजन का बढ़ जाना एक सामान्य समस्या है। दरअसल, इस दौरान व्यक्ति का मेटाबॉलिज्म हाई होता है, जिसके कारण लोग हैवी फूड भी आसानी से खा लेते हैं। इससे वजन बढ़ने लगता है। लेकिन नींबू पानी आपके वजन को मेंटेन करने में सहायक है। दरअसल, नींबू में पेक्टिन फाइबर पाया जाता है, जो हंगर क्रेविंग को कम करने में मदद करता है। इस तरह सर्दियों के मौसम में नींबू पानी आपके लिए काफी फायदेमंद होता है। अमूमन देखने में आता है कि सर्दियों में लोग पानी कम पीते हैं। दरअसल, इस मौसम में पसीना नहीं आता और इसलिए प्यास कम लगती है। लेकिन अगर आप ठंड के मौसम में नींबू पानी पीते हैं तो इससे शरीर में पानी का लेवल बना रहता है और आपकी बॉडी डिहाइडेट नहीं होती। कई बार लोगों को ठंड के मौसम में सिरदर्द, चक्कर आना व थकान की शिकायत होती है। इसका करण शरीर में पानी की कमी भी होती है। लेकिन अगर आप नींबू पानी पीते हैं तो आप इन स्वास्थ्य समस्याओं से आसानी से बच सकते हैं।

धर्म मंत्र

भगवान पार्श्वनाथ को सिर्फ शास्त्रों में ही न पढ़ें, उनकी ज्ञान-राशि को जीवन में उतारें

जिन महापुरुषों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास होता है वे ही वास्तविक धर्म के संस्थापक एवं सूत्रधार होते हैं। इसी वास्तविक और विशुद्ध धर्म को जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता है तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने हमारी आस्था को नये आयाम दिये और कहा कि हमारे भीतर अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। इसलिए उन्होंने उपासनापरक और क्रियाकाण्डयुक्त धर्म को महत्व न देकर जीवंत धर्म की प्रतिस्थापना की। उन्होंने जिस धर्म का उपदेश दिया, वह न ब्राह्मण धर्म था, न क्षत्रिय धर्म, न वैश्य धर्म और न ही शूद्र धर्म। वह विशुद्ध धर्म था, जो किसी कुल, जाति या वर्ण की परिधि में सिमटा नहीं था। भगवान पार्श्वनाथ की जयन्ती मनाते हुए हमें पार्श्वनाथ के जीवनदर्शन को जीवनशैली बनाने का संकल्प लेना होगा। भगवान पार्श्वनाथ एक क्रांतिकारी युगपुरुष थे, उनकी क्रांति का अर्थ रक्तपात नहीं! क्रांति का अर्थ है परिवर्तन। क्रांति का अर्थ है जागृति! क्रांति अर्थात स्वस्थ विचारों की ज्योति! क्रांति का अर्थ आग नहीं। क्रांति का अर्थ है सत्य की ओर अभियान। पूर्णता की ओर बढ़ना क्रांति है। वे अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर पृथ्वी पर जन्मे। तब तापस परम्परा में वे क्रांति-ज्वाला की तरह ऐसे प्रकट हुए, जैसे वर्षों तप में लीन रहने के बाद सहसा ज्ञान का तीसरा नेत्र खुल जाता है।

पर्यटन

चले आइए पहाड़ियों पर बसे भोपाल में तहज़ीब भरे इस शहर में बहुत कुछ है

खुले वन्य परिक्षेत्र में घूमते सफ़ेद शेर और मुगल काल की पुरानी तहजीबों से रूबरू होने का नाम है भोपाल। भोपाल एक शांत, ऐतिहासिक व सहज शहर है, जहां खूबसूरत झीलों का नजारा है। शहर का अधिकांश क्षेत्र हरीभरी पहाड़ियों से घिरा है। पूरे देश से कहीं से भी सरलता से यहां पहुंचा जा सकता है। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई व चेन्नई से सीधी रेल यात्रा की सुविधा भोपाल तक आने के लिए है। राजा भोज के बसाए इस खूबसूरत शहर का नाम पहले भोजपाल था। फिर अपभ्रंश में इसे भोपाल कहा जाने लगा। भोजपुर का विश्व प्रसिद्ध शिव मंदिर व एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद ताजउल मस्जिद भोपाल में ही है। भोपाल की पुरानी गलियों में घूमते सूरमा भोपाली चूना चाटते हुए, आपसे आज भी टकरा जाएंगे। परदे लगे तांगों में बुरका पहने हुए महिलाएं आज भी पुराने भोपाल में नजर आती हैं। आदिम युगीन भीम बैठकों की गुफाएं और विश्व प्रसिद्ध सांची के स्तूप भोपाल के नजदीक ही हैं। आज भी आप भोपाल की तीन खासियतों जरदा, परदा व गरदा, को भी वैसा ही पाएंगे। पर्यटकों के लिए एक खास तोहफ़े के रूप में मौजूद है, शान-ए-भोपाल 'मेरीन ड्राइव'। लाल घाटी से कमला पार्क तक का तालाब के किनारे-किनारे खूबसूरत रास्ता, जहां तीन किलोमीटर तक बड़ी झील के किनारे पैदल चलने व ड्राइविंग का आनंद लेने रोज शाम हजारों लोग इकट्ठा होते हैं। शाम होते ही भोपाल के इस मेरीन ड्राइव पर तालाब में झिलमिलाती हजारों विद्युत लड़ियों का अपना अलग ही आनंद है। ताजउल मस्जिद देखने योग्य है। यह मस्जिद एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद मानी जाती है। इसके पास ही दिसंबर माह में विश्व मुस्लिम शांति सम्मेलन 'इस्तिमा' का मेला लगता है जिसमें दुनिया भर के मुसलमान शरीक होते हैं। इस विशाल मस्जिद के निर्माण की शुरुआत शाहजहां बेगम ने 1868 में की थी। निर्माण कार्य उसकी मृत्यु के बाद संपन्न हुआ। भोपाल की जामा मस्जिद भी आप देखने जा सकते हैं। स्वर्ण शिखर से मंडित भोपाल के चौक में स्थित यह आकर्षक मस्जिद कुदेसिया बेगम द्वारा निर्मित है। इसके बारे में कहा जाता है कि यहां पहले परमार वंशीय राजा उपादित्य द्वारा 1059 में निर्मित सभा मंडप था।

पहल, डिजिटल शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता : एन के पाठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। कस्बा सतरिख स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को आयोजित डिजिटल शाला कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने फीता काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की द्य उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा की पहल वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने परिषदीय विद्यालयों में छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिए कार्य कर रही संस्थाओं की सराहना भी की। मालूम हो कि केप्री ग्लोबल तथा मुस्कान ड्रीम्स द्वारा चयनित नए विद्यालयों में स्मार्ट टीवी व लैपटॉप वितरित किया गया। इस क्रम में हरख विकास खण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालय सतरिख में 12 लैपटॉप व 03 टी0वी0 संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गये हैं। इसके साथ ही जनपद के अन्य 08 विद्यालयों में डिजिटल शाला कार्यक्रम के अन्तर्गत स्मार्ट टीवी एवं पेनड्राइव इत्यादि उपलब्ध कराये गये हैं। इस मौके पर मुस्कान ड्रीम्स की नोएडा टीम से सीनियर प्रोग्राम मैनेजर श्री अभिजीत सिंह बिष्ट ने कहा कि मुस्कान ड्रीम्स पिछले कई वर्षों से सरकारी विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। वर्ष 2022 से संचालित 'डिजिटल शाला' कार्यक्रम के अंतर्गत देवा, बंकी सहित अन्य ब्लॉकों के लगभग 60 विद्यालयों में स्मार्ट टीवी के माध्यम से विज्ञान, गणित एवं अन्य विषयों का डिजिटल कंटेंट उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मुस्कान ड्रीम्स द्वारा संचालित 'इनोवेटर्स ऑफ टुमारो' कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में आधुनिक आईसीटी लैब स्थापित की जा रही हैं, जहां लैपटॉप, स्मार्ट टीवी तथा प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर की सहायता से बच्चों को कंप्यूटर, कोडिंग एवं तकनीकी कौशल से जोड़ा जा रहा है। इस मौके पर जिला समन्वयक श्रीमती विनीता मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी हरख श्री अश्वनी प्रताप सिंह, सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट श्री अनुपम सिंह, प्रोग्राम एसोसिएट श्री मोहित कुमार सिंह, उच्च प्राथमिक विद्यालय सतरिख की प्रधानाध्यापिका श्रीमती आलोक सिंह,श्री ऋषि टंडन सहित समस्त शिक्षक, शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

गोड़से की स्वीकार्यता के उद्देश्य से बंद की मनरेगा योजना : रणधीर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मोदी सरकार आर्थिक तौर पंगु हो गयी है। और महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार योजना के लिए धन का अभाव कारण बता योजना समाप्त कर दी है।यह संघ नियंत्रित और प्रशिक्षित सरकार महात्मा गांधी नाम से नफरत करती है और वह चाहते है कि नाथूराम गोडसे रोजगार योजना चलाई जाये, जिससे गोडसे को स्वीकार्यता दिलायी जा सके।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा ज्ञापन, प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए पार्टी के राज्य परिषद सदस्य रणधीर सिंह सुमन के कहीं।वही जिला सचिव बृजमोहन वर्मा ने कहा कि राज्य सरकारे खुद कर्ज के मकड़?जाल में फंसी हुई। वह40%नयी योजना में शेयर नहीं कर पायेगी और नया कानून धन के अभाव में दम तोड़ दे?गा, राज्य परिषद सदस्य प्रवीण कुमार ने कहा कि 70 करोड लोगो को आंशिक रोजगार देने वाले कानून समाप्त करना उनकी आर्थिक विफलता का सूचक है। वही किसान सभा के अध्यक्ष विनयकुमार सिंह ने कहा कि मनरेगा कानून को कम्युनिस्ट पार्टी ने बनवा था और कम्युनिस्ट पार्टी उसके लिए आन्दोलन करेगी। पार्टी के कोषाध्यक्ष शिव दर्शन वर्मा नेतृत्व में एक ज्ञापन राष्ट्रपति को सम्बोधित जिलाधिकारी के माध्यम से दिया गया। प्रदर्शन में मो.कदीर हसन, राजकुमार वर्मा, प्रेमचद्रवर्मा, महेन्द्र यादव, धर्मेन्द्र शर्मा, प्रमेन्द्र वर्मा, सर्वेश यादव, रामनरेश वर्मा, दीपक वर्मा, सचिन्दानन्द श्रीवास्तव सुन्दरलाल सोनी, दीपक शर्मा, आशीषवर्मा, संदीप तिवारी, अमर सिंह प्रधान, राजेन्द्र बहादुर सिंह, श्याम सिंह ,रुबी सिंह चंदेल, संतोष कुमार , अंकुल वर्मा आदि प्रमुख लोग शमिल थे।

पुल निर्माण का कार्य में तेजी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के महादेवा मरकामऊ मार्ग पर मड़ना ग्राम के पास 5.66 करोड़ रुपये की लागत से नए पुल का तेजी से निर्माण चल रहा है।लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे इस कार्य में दो पियर और दो एबटमेंट का कार्य पूरा हो चुका है तथा गार्डर लगाने का काम जारी है।पुल का निर्माण मार्च 2026 तक पूर्ण होने का लक्ष्य है।इसके साथ ही पुल से जुड़ी डामर सड़क का निर्माण भी किया जाएगा।इस नए और चौड़े पुल बनने से विभिन्न क्षेत्रों से लाखों लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी।

समाजसेवी हाजी याकूब का सौ की उम्र में निधन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी। नगर पंचायत जैदपुर के मोहल्ला महमूदपुर निवासी मोहम्मद याकूब राइन का लंबी बीमारी के पश्चात लगभग 101 वर्ष की उम्र में देहांत हुआ।स्वर्गीय याकूब को नाम आंखो से शाम 5:30 लोध पुरवा स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे दे खाक किया गया। स्वर्गीय याकूब के सुपुत्र हाजी जमील के अनुसार उनके वालिद की उम्र लगभग 101 वर्ष थी! इस अवसर पर जमीतुराइन के प्रदेश अध्यक्ष वसीम राइन पूर्व अध्यक्ष रियाज अहमद भाजपा नेता अलीम राइन इमदाद मामा वसीम खान सिराज सिद्दीकी शकील खान मछली शहाबुद्दीन सिद्दीकी सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोपी को भेजा जेल

अमेठी। थाना मुसाफिरखाना पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में वांछित एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना मुसाफिरखाना के प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार सिंह मय हमराह द्वारा वांछित अभियुक्तों की तलाश व संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में वांछित जितेन्द्र कुमार पुत्र राम समोनख निवासी ग्राम फत्तेपुर थाना हलियापुर जनपद सुलतानपुर को गिरफ्तार किया गया।

कूटरचित दस्तावेजों से सरकारी जमीन का हिबानामा, आरोप, एसपी से शिकायत

बेलहरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर पंचायत बेलहरा निवासी एक समाजसेवी अल्ताफ हुसैन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि बेलहरा कस्बे के बाबा साहब मंदिर के उत्तर दिशा में गाटा सं0 804 की भूमि राजस्व अभिलेखों में आबादी दर्ज है।जिसके आधे भाग में मंदिर की दुकानों की लगभग 40 वर्ष पुरानी नीव भरी थी और शेष आधे भाग में धोबियों का कब्रिस्तान है। उक्त भूमि पर राजा मो.अमीर मो. खां द्वारा अवैध कब्जा करने का प्रयास किया था,जिसे रोकने के लिए उन्हें आमरण अनशन पर बैठना पड़ा था। राजा की मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारियों ने प्रकीर्ण वाद दायर किया है, जिसकी आगामी 17 जानकारी को पेशी है। आरोप है भटुवामऊ निवासी मुश्ताक अहमद ने कूटरचित दस्तावेज तैयार करके उक्त भूमि पर करीब 18 वर्षों से रखी कस्बे के निवासी फारूक अंसारी की गुमटी को अपनी गुमटी बताकर अपने बड़े भाई मो.जाफर के नाम हिबानामा लिख दिया है। मुश्ताक ने कूटरचित दस्तावेज पर आधारित हिबानामा करके सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया है। इस मामले में अल्ताफ हुसैन ने एसपी को पत्र लिखकर मांग की है कि कूटरचित दस्तावेज पर आधारित हिबानामा करने वाले मुश्ताक अहमद,क्रेता भूमि मो0 जाफर,हिबानाने के गवाह शिव पल्टन और मुजीब के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाए ताकि सरकारी और सार्वजनिक भूमि सुरक्षित रह सके।

विहिप की जन आक्रोश यात्रा 24 दिसंबर को

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय 25 दिसंबर को साय 3 बजे नगर पालिका परिषद नवाबगंज के प्रांगण में विश्व हिंदू परिषद के धर्म रक्षा निधि समर्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिसके तैयारियों को लेकर जिला अध्यक्ष रामनाथ मौर्य ने आज समीक्षा की। 23 दिसंबर धर्म रक्षा दिवस स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस एवं व 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम सभी प्रखंडों में होंगे। विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत की प्रांत योजना बैठक इस बार हरदोई जिले में होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामनाथ मौर्य व संचालन जिला मंत्री राहुल कुमार ने किया। इस अवसर पर दुर्गा वाहिनी विभाग संयोजिका नेहा मिश्रा,जिला संस्कार प्रमुख रामकिशोर शुक्ला,मातृशक्ति संयोजिका कमलेश शुक्ला, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका लीना श्रीवास्तव,विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक अमित कुमार गुप्ता,जिला सहसंयोजक आदर्श श्रीवास्तव,नगर मंत्री अभिनव रस्तोगी,नगर सह मंत्री सौरभ गुप्ता,जिला शक्ति साधना केंद्र प्रमुख प्रतिमा त्रिपाठी आदि बैठक में उपस्थित रहे।

जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल के नेतृत्व में पीएम को संबोधित ज्ञापन चौकी इंचार्ज को सौंपा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बांग्लादेश में दीपू दास की जिंदा जला कर कर दी गई निर्मम हत्या और वहां निर्दोष हिंदू समाज पर उनके समूल सफाए के उद्देश्य से किए जा रहे अंतहीन अत्याचार और हिंदुओं के सामूहिक नरसंहार के विरोध में मझोला में आक्रोशित हिंदू समाज ने राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल के नेतृत्व में बंगलादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनुस का पुतला दहन किया और उसे जूतों से पीटा। उसके बाद वहां इस्लामिक जिहादियों के शिकार हुए हिंदुओं की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया और फिर बांग्लादेश सरकार और जेहादियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल ने कहा कि जिस देश को हमारे 3900 से भी अधिक सैनिकों ने अपने प्राण देकर स्वाधीनता दिलाई आज वही कृतघ्नता पर उतारू है और कट्टरपंथ की राह पर चलता हुआ अपने यहां शांति से जीवन यापन कर रहे हिन्दू समाज का जातीय सफाया करने पर उतारू है।जिस क्रम में हिंदू समाज पर रोज अत्याचार हो रहे हैं सामूहिक नरसंहार हो रहे हैं मातृ शक्ति का बलात्कार हो रहा है और हिंदुओं के संपत्तियों को आग लगा कर उनको बेघर कर दिया जा रहा है और तिल तिल के मरने पर विवश किया जा रहा है और उनका सिर्फ एक ही दोष है कि वे लोग धर्म से हिंदू हैं। ऐसे भीषण अत्याचार को अब हिंदू समाज बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा और भारत का हिंदू भी कंधे से कंधा मिलते अपने बांग्लादेशी हिंदू बंधुओं के साथ खड़ा है और इस अत्याचार और नरसंहार को रोकने हेतु अंतिम स्तर तक भी जाने को तैयार खड़ा है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे अजय निराला ने कहा कि अब समय आ गया है कि बंगलादेश से एक स्वतंत्र हिंदू बंगभूमि का निर्माण किया जाए तभी वहां के हिंदुओं के प्राण और सम्मान की रक्षा की जा सकेगी। गोपाल मंडल ने भारत सरकार से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुए 1971 की भांति सैनिकों को बांग्लादेश पर हमला करके वहां हिंदुओं को बचाने हेतु आह्वाहन किया। सूर्य प्रकाश वर्मा ने कहा कि 1947 में बंगलादेश में हिंदू 40 प्रतिशत थे जो इस्लामिक जिहाद के शिकार हो कर अब मात्र 6 प्रतिशत रह गए हैं इससे स्पष्ट है कि हिंदू समाज जहां भी अल्पसंख्यक होता है वहीं उसका अस्तित्व पर संकट खड़ा हो जाता है।

थानाध्यक्ष को हटाने की मांग अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन

लाक अप में बन्द करने का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। एक अधिवक्ता को फोन कर थाने बुलाने,फिर इन्हें पीटने वा लाक अप में बन्द करने की घटना से अधिवक्ताओं में व्याप्त आक्रोश सड़क से लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक दिखा। जिला बार एसो अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा,महामंत्री रामराज यादव के संयुक्त नेतृत्व में एकत्र अधिवक्ताओं को अवगत कराया गया की तहसील सिरौली गौसपुर ग्राम बीर बल पुरवा थाना सफदरगंज निवासी चंद्रेश वर्मा को एस ओ सफदर गंज ने फोन से बुलाकर लाक अप में बन्द किया तथा उन्हें उनकी कथित पत्नी की शिकायत पर पीटा है।इस पर वकीलों में आक्रोश फैल गया।जिला बार में एकत्रित वकीलों के साथ अध्यक्ष/महामंत्री ने जुलूस की शुरुआत की आगे बड़ने पर जुलूस में भारी संख्या में अधिवक्ता सम्मिलित हो गए।सभी लोग सिविल कोर्ट परिसर में घूमने के बाद अयोध्या राजमार्ग पहुंचे।राजमार्ग को आंशिक जाम किया फिर नारे बाजी करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच कर कार्यालय घेराव कर लिया।हजारों की संख्या में एकत्र अधिवक्ताओं का एस ओ को निलंबित करने की मांग करने लगे।इस बीच वहां सी ओ व अपर पुलिस अधीक्षक उन्हें मनाने पहुंचे लेकिन वकीलों ने एक नही सुनी। अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा,पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल शुक्ला,पूर्व वरिष्ट उपाध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी,रमन द्विवेदी,अनुराग शुक्ला,ज्ञानेश शुक्ला,बलराम ,आदि के साथ पीड़ित वकील चंद्रेश वर्मा भी गए। एसपी अर्पित विजय वर्गीय ने एसओ के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जायेगी तथा पीड़ित वकील के विरुद्ध दर्ज करें वाले बाद भी समाप्त किया जायेगा।इसके बाद एस पी ऑफिस का घेराव समाप्त हुआ,आज के प्रदर्शन में कई सैकड़ा अधिवक्ता,बार एसो के अधिकांस पदाधिकारी ,सदस्य भी उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजकीय हाईस्कूल काजी बेहटा में करियर मेला एवं करियर गाइडेंस कार्यक्रम के साथ वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी देना रहा। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत ने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य राम कुमार गिरी ने शिक्षा के साथ कौशल विकास पर जोर दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य रश्मि गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। करियर गाइडेंस सत्र में विज्ञान, कला, वाणिज्य, तकनीकी शिक्षा व रोजगार से जुड़ी जानकारियां दी गईं। वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लापता युवक का शव मिला

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सोमवार की सुबह घर से निकले एक 15 वर्षीय किशोर का शव गांव के बाहर एक चिलवल के पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों मे लटकता मिला। मृतक की शिनाख्त थाना क्षेत्र के ग्राम डढियामऊ निवासी बाबू का पुत्र मुजीब उर रहमान के रूप हुई। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के पिता बाबू के अनुसार मुजीब सोमवार की सुबह घर से निकला था लेकिन घर वापस नहीं हालांकि आसपास तलाश भी किया गया लेकिन कोई जानकारी नही मिली दोपहर करीब 3 बजे बजे गांव के कुछ लड़के बकरी चराने गये थे उनमें किसी की निगाह पेड़ से लटकते शव को देखा । प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों से मिली सूचना पर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मनरेगा के नामकरण पर कांग्रेसियों में उबाल, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदले जाने और योजना में किए गए बदलावों को लेकर सोमवार को कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व व शहर अध्यक्ष शकील अंसारी की मौजूदगी में सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व नेता पैदल मार्च व नारेबाजी करते हुए जिला कार्यालय से निकलकर लाल डिग्गी चौराहा, सुपर मार्केट, डाकखाना चौराहा, गंदा नाला, जिला चिकित्सालय के सामने से होते हुए बस स्टेशन, तिकोनिया पार्क,विकास भवन होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जिलाधिकारी दफ्तर के सामने कांग्रेसी धरने पर बैठकर और जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया, प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों के पास सिटी मजिस्ट्रेट ज्ञापन लेने पहुंची लेकिन कांग्रेसी जिलाधिकारी को ज्ञापन देने की जिद पर अड़े रहे और उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देने से मना कर दिया। घंटों कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी कार्यालय के सामने सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन के घंटों समझाने पर कांग्रेसियों ने एडीएम वित्त राजस्व राकेश प्रताप सिंह को तीन सूत्रीय मांग पत्र राष्ट्रपति के नाम संबोधित किया। ज्ञापन में मांग की गई कि केंद्र सरकार द्वारा जी राम जी का नाम पुनः राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ल्लमनरेगाल्ल किया जाए और केंद्र सरकार द्वारा योजना में घटाए गए बजट को पुनः जोड़ा जाए तथा रोजगार हेतु गारंटी सुनिश्चित कराई जाए आदि मांगों को लेकर कांग्रेसियों ने राष्ट्रपति के नाम एक संबोधित ज्ञापन दिया है। प्रदर्शन के दौरान कंाग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि मनरेगा से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाना उनके सम्मान पर सीधा आघात है। कंाग्रेस पार्टी इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ कंाग्रेस का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के सम्मान से जुड़ा मामला है। सरकार को नाम बदलने की राजनीति छोड़कर इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आज भी मनरेगा के तहत मजदूरों को समय पर भुगतान नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने स्वयं 11 वर्षों तक इस योजना का लाभ उठाया है,यहां तक की कोरोना महामारी के समय इसी योजना ने देश को भुखमरी से बचाया है इसके बावजूद अब इसका नाम बदलने का फैसला समझ से परे है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मनरेगा का नाम पुनः नहीं बहाल किया गया तो कंाग्रेस इसके लिए व्यापक आंदोलन चलाएगी।

जामो में संदिग्ध परिस्थितियों में लड़की ने नहर में लगाई छलांग

अमेठी । थाना जामों क्षेत्र के गांव पूरे सुभाऊ कटारी गांव में शनिवार की शाम को एक लड़की ने संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में छलांग लगा दी।लड़की को नहर में गिरते देख मौके पर मौजूद ग्रामीणों में हड़कम्प मच गया। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुये नहर में कूदकर लड़की को बाहर निकाला और उसकी जान बचाई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लड़की अचानक नहर के किनारे पहुंची और देखते ही देखते नहर में कूद गई। लड़की के नहर में गिरते ही आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से लड़की को कुछ ही देर में नहर से बाहर निकाल लिया गया लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी।लड़की की स्थिति नाजुक देख स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गम्भीर हालत को देखते हुये जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां लड़की का इलाज जारी है।घटना की सूचना मिलते ही जामों पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।पुलिस ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है और यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि महिला ने नहर में छलांग क्यों लगाई।

प्रशासन के आश्वासन पर धरना प्रदर्शन स्थगित

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा द्वारा अब तक जिला प्रशासन को सौंपे गए विभिन्न ज्ञापनों पर कार्रवाई न होने के विरोध में 23 दिसंबर को जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरनाऽप्रदर्शन का ऐलान किया गया था। इस संबंध में सोमवार को जिलाधिकारी एवं सिटी मजिस्ट्रेट ने संगठन के पदाधिकारियों को जिलाधिकारी कार्यालय बुलाकर वार्ता की। वार्ता के दौरान प्रशासन ने संगठन द्वारा दिए गए सभी ज्ञापनों पर शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन देते हुए धरनाऽप्रदर्शन न करने का आग्रह किया। प्रशासन के आश्वासन के बाद हिन्दू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा ने संगठन की ओर से धरनाऽप्रदर्शन स्थगित करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा जिला प्रशासन को दिए गए ज्ञापनों में नगर क्षेत्र में पार्किंग स्थल बनाए जाने, चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगाए जाने, गौहनिया तालाब की बाउंड्री कराए जाने, अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाए जाने, ई-रिक्शा के रूट निर्धारण, नजूल भूमि पर स्थित अवैध आरा मशीनों की भूमि को कब्जामुक्त कराए जाने, ब्रह्मचारी घाट पर हो रहे सौंदर्यीकरण कार्य को समय से पूर्ण कराए जाने, नेपाल कैसिनो में जा रहे युवाओं को रोकने हेतु उचित कार्रवाई किए जाने, खाद्य पदार्थों में हो रही मिलावट को रोकने, बाल श्रम को रोकने, शहर में गौशालाओं की व्यवस्था सुधारने, गौवंशों की सुरक्षा हेतु शाइनिंग पेंट करने या रेडियम बेल्ट पहनाने, बिना पंजीकरण चल रही कोचिंग संस्थाओं पर कार्रवाई करने, अवैध रेस्टोरेंट और स्पा सेंटरों पर रोक लगाए जाने, ओवरलोडिंग रोकने एवं बड़े वाहनों की शहर में प्रवेश की समय सीमा लागू करने, चंदोई में स्थित नजूल की भूमि को कब्जामुक्त कराने, सब्जी मंडी में मांस की दुकानों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने, मूलचंद धर्मशाला के जीर्णोद्धार, रामलीला मार्ग की मरम्मत एवं डिग्री कॉलेज चौराहे का नाम प्रभु श्रीराम चौराहा तथा रामलीला मार्ग का नाम प्रभु श्रीराम मार्ग किए जाने, आवारा गौवंशों के उचित इलाज एवं दवाइयों के प्रबंध, नगर क्षेत्र में गौशाला निर्माण तथा वाटर वर्क्स में बनी दुकानों के आवंटन जैसे जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद फिलहाल धरना स्थगित किया गया है।

श्रीलंका पर एक और बड़ी जीत हासिल करने उतरेगा भारत, फील्डिंग पर होगी निगाह

एजेंसी

विशाखापत्तनम। पहले मैच में बड़ी जीत हासिल करने से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम जब श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मैदान पर उतरेगी तो वह फील्डिंग के स्तर को बेहतर करके अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने पिछले महीने विश्व कप जीतने के बाद बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। भारतीय टीम ने श्रीलंका को केवल छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया था लेकिन इस बीच उसकी फील्डिंग अपेक्षानुरूप नहीं रही और उसने कुछ कैच छोड़े। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा, ''हम अपनी फील्डिंग पर काम कर रहे हैं। पता नहीं क्यों हम बार-बार कैच छोड़ रहे हैं। मैदान गीला था, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। यह एक ऐसी चीज है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अगले मैच में हम बेहतर रणनीति के साथ उतरेंगे। विश्व कप की सफलता के बाद भारतीय टीम को छह सप्ताह का ब्रेक मिला। इसके बाद भारतीय टीम ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक सप्ताह के शिविर में भाग लिया था। फील्डिंग में थोड़ी बहुत कमी आना लगभग अपेक्षित था और कप्तान को लगता है कि टीम बहुत जल्द लय में आ जाएगी। हरमनप्रीत ने कहा, ''हम एक महीने बाद खेल रहे हैं। हम खुद को बेवजह चुनौती नहीं देना चाहते। हम बस टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। कागजों पर भी भारतीय टीम मजबूत नजर आती है। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों काफी मजबूत हैं। सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में चल रही जेमिमा रोड्रिग्स ने विश्व कप के अपने शानदार प्रदर्शन को यहां भी जारी रखा। भारत के लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू 20 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा का टीम में शामिल होना रहा, जिन्हें हाल ही में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में नजरअंदाज कर दिया गया था। वैष्णवी को भले की कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने चार ओवर में केवल 16 रन दिए और एक भी चौका नहीं लगने दिया। शैफाली वर्मा के लिए यह श्रृंखला बेहद महत्वपूर्ण है तथा वह उस प्रारूप में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी जो उनकी बल्लेबाजी शैली के अनुरूप है। टीम इस प्रकार हैं: भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा। श्रीलंकाः चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर विचार किया था: रोहित

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि 2023 में खेले गए वनडे विश्व के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्होंने संन्यास लेने पर विचार किया था क्योंकि उन्हें लगा कि ''इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। भारत ने घरेलू मैदान पर खेले गए इस वनडे विश्व कप में रोहित की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन किया था तथा लगातार नौ मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन इस महत्वपूर्ण मैच में उसे पराजय का सामना करना पड़ा था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाया था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। रोहित ने मास्टर्स यूनियन के एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मुझे ऐसा लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। उन्होंने कहा, ''मुझे इससे उबरने में थोड़ा समय लगा। मैं खुद को बार-बार याद दिलाता रहा कि यही वह चीज है जिससे मुझे वास्तव में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। धीरे-धीरे मैं इससे उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस हासिल की और फिर से मैदान पर सक्रिय हो गया। रोहित ने कहा, ''उस हार से हर कोई निराश था और हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि क्या हुआ है। मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर यह बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से दो या तीन महीने पहले ही नहीं, बल्कि 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था। रोहित ने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और इस साल की शुरुआत में उन्हें वनडे की कप्तानी से हटा दिया गया था। वह अभी 50 ओवर के प्रारूप में खेलते हैं और उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना है। रोहित ने कहा, ''मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 2023 में वनडे विश्व कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी ऊर्जा नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और खुद को वापस पटरी पर लाने में कुछ महीने लग गए। ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद में मिली उस हार के एक साल से भी कम समय बाद भारत ने रोहित की कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था, लेकिन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार की पीड़ा से उबरना आसान नहीं था।

आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं कॉनोली

एजेंसी

नयी दिल्ली। पंजाब किंग्स की टीम से जुड़ने वाले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कूपर कॉनोली ने कहा कि वह अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बल्लेबाजी क्रम में किसी भी नंबर पर खेलने के लिए तैयार हैं। आक्रामक बल्लेबाज, चुस्त फील्डर और बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी करने वाले कॉनोली को पंजाब किंग्स ने इस महीने की शुरुआत में मिनी नीलामी में तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। कॉनोली ने सोमवार को वर्चुअल मीडिया बातचीत में कहा, ''मैं अपने खेल को इस तरह से ढालना पसंद करता हूं जिससे मैं किसी भी स्थिति में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का पूरी तरह से उपयोग कर सकूं। इसलिए चाहे वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना हो या मध्यक्रम में खेलना हो, मैं किसी भी तरह की भूमिका निभाने के लिए तैयार हूं। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी बिग बैश लीग में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए दो अर्धशतक बनाए हैं। पंजाब किंग्स हालांकि उनका फिनिशर के रूप में उपयोग कर सकता है। इसके संकेत कप्तान श्रेयस अय्यर ने नीलामी के बाद दिए थे। कॉनोली ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं अभी (पर्थ) स्कॉर्चर्स के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने की भूमिका के बारे में सीख रहा हूं। यह एक ऐसी भूमिका है जिसका मैं आनंद लेता हूं। लेकिन अगर आईपीएल में मेरी भूमिका अलग होती है तो यह मुझे अच्छी तरह से समझ में आता है क्योंकि यह एक विश्व स्तरीय टीम है। उन्होंने कहा, ''मध्यक्रम में बल्लेबाजी करना एक अच्छा अवसर होगा, जिससे मुझे कड़ी मेहनत करने और अपना खेल मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के अनुरूप ढालने का मौका मिलेगा।''

न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को 323 रन से हराकर 2-0 से जीती सीरीज

माउंट माउंगानुई (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड ने सोमवार को माउंट माउंगानुई में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 323 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही कीवी टीम ने सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। इस मुकाबले में जैकब डफी की घातक गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई, जिन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाए। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 462 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था, लेकिन मेहमान टीम महज 138 रन पर सिमट गई। लंच से पहले और बाद में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और चाय के तुरंत बाद, सिर्फ चार ओवर में पूरी टीम ऑलआउट हो गई। डफी ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि स्पिनर अजाज पटेल ने 23 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। वेस्टइंडीज की ओर से दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने सर्वाधिक 67 रन बनाए। दरारों से भरी पिच पर असमान उछाल और मूवमेंट मिल रहा था, जिसका डफी और अजाज ने भरपूर फायदा उठाया। वेस्टइंडीज की टीम एक समय बिना विकेट खोए 87 रन पर थी, लेकिन इसके बाद 25 रन के भीतर 8 विकेट गंवा बैठी। दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज ने 43/0 से की थी। ब्रैंडन किंग ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम के शुरुआती 59 में से 53 रन बनाए। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद न्यूजीलैंड ने फील्डिंग में आक्रामकता बढ़ाई और यहीं से मैच पलट गया। डफी ने 87 के स्कोर पर किंग को गली में ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच कराकर पहला झटका दिया। इसके बाद अजाज पटेल ने जॉन कैंपबेल (16) को आउट किया। अजाज ने जल्द ही कावेम हॉज को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। डफी ने लगातार झटके देते हुए एलेक अथानाज (2), जस्टिन ग्रीव्स (0) और कप्तान रोस्टन चेज (5) को आउट किया। चेज के लिए यह सीरीज बेहद खराब रही, जिसमें उन्होंने तीन टेस्ट में सिर्फ 42 रन बनाए। अजाज पटेल ने शाई होप (3) को एलबीडब्ल्यू किया। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने चोटिल केमार रोच (4) को बोल्ड किया। अंतिम सत्र में रचिन रविंद्र ने एंडरसन फिलिप को आउट किया, जबकि जैकब डफी ने जेडन सील्स को बोल्ड कर वेस्टइंडीज की पारी और मैच का अंत कर दिया। इससे पहले न्यूजीलैंड के लिए दोनों पारियों में सलामी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत दी। डेवोन कॉनवे ने दोनों पारियों में 227 और 100 रन की शानदार पारियां खेलीं, जबकि कप्तान टॉम लैथम ने 137 और 101 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी सलामी जोड़ी ने एक ही मैच की दोनों पारियों में शतक लगाए। इन दोनों बल्लेबाजों की मदद से न्यूजीलैंड ने जहां पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाए, वहीं दूसरी पारी 2 विकेट पर 306 रन बनाकर घोषित की थी।

पाकिस्तान की अंडर19 टीम का स्वदेश पहुंचने पर जोरदार स्वागत

कराची। दुबई में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को हराकर एशिया कप जीतने वाली पाकिस्तान की अंडर19 टीम का स्वदेश पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया तथा देश के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ उनके लिए स्वागत समारोह की मेजबानी करेंगे। टीम का इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आमतौर पर इस तरह का स्वागत सीनियर टीमों का किया जाता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पहले ही इस जीत को देश में खेल के लिए एक बड़ी उपलब्धि घोषित किया था। पाकिस्तान में जूनियर स्तर की क्रिकेट पर लोगों की नजर नहीं रहती लेकिन फाइनल में भारत की अंडर19 टीम पर जीत ने इसे विशेष बना दिया और इसलिए हवाई अड्डे पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। रविवार को खेले गए फाइनल में 172 रन बनाने वाले समीर मिन्हास और चार विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज अली रजा को पाकिस्तान क्रिकेट का भविष्य माना जा रहा है।

एबॉट की वापसी पर नजर, हैमस्ट्रिंग चोट से उबरकर बॉक्सिंग डे पर खेलने की उम्मीद

एजेंसी

सिडनी। सिडनी सिक्सर्स के अनुभवी तेज गेंदबाज सीन एबॉट ने हैमस्ट्रिंग चोट के बाद वापसी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। एबॉट ने कहा है कि पिछले छह हफ्ते उनके लिए काफी ल्लनिराशाजनकङ्क रहे, लेकिन अब वह बॉक्सिंग डे पर बिग बैश लीग (BBL) में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार होने की दिशा में बढ़ रहे हैं। 33 वर्षीय एबॉट शुरुआती नवंबर में शेफील्ड शील्ड मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट का शिकार हो गए थे। इस चोट के चलते वह एशेज सीरीज की शुरुआत से बाहर हो गए, जबकि उन्हें पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड में शामिल किया गया था। चोट लगने से पहले उन्होंने न्यू साउथ वेल्स की ओर से विक्टोरिया के खिलाफ पांच विकेट झटके थे। उसी दिन ऑस्ट्रेलिया के सीनियर तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ गए थे, जिसके कारण उनका एशेज अभियान समाप्त हो गया। एबॉट ने हेज़लवुड के साथ मिलकर एससीजी और क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के सिल्वरवॉटर ट्रेनिंग बेस पर रिहैब पूरा किया है। सिडनी थंडर के खिलाफ 'सिडनी स्मैश' में सिक्सर्स की जीत के दौरान फॉक्स क्रिकेट से बातचीत में एबॉट ने कहा,ल्लमुझे बस कुछ छोटे-छोटे बॉक्स टिक करने हैं और फिर उम्मीद है कि अगले हफ्ते चयन के लिए खुद को उपलब्ध करा पाऊंगा। यह समय काफी निराशाजनक रहा, लेकिन एलीट लेवल पर यह सब खेल का हिस्सा है। अब उम्मीद है कि मैं अगले हफ्ते मैदान पर उतरूंगा और अच्छा प्रदर्शन करूंगा। सिडनी सिक्सर्स की टीम, जिसने बीबीएल सीजन की शुरुआत दो हार के साथ की थी, ने थंडर को 47 रनों से हराकर पहली जीत दर्ज की। टीम का अगला मुकाबला बॉक्सिंग डे पर एससीजी में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ है। टीम के युवा ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स ने कहा कि एबॉट की वापसी सिक्सर्स के लिए बहुत बड़ी साबित होगी। एडवर्ड्स के मुताबिक, वह अनुभव और कौशल का खजाना हैं। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग–तीनों में उनका योगदान अहम होता है। हम उन्हें मिस कर रहे थे और बॉक्सिंग डे पर उन्हें मैदान में देखना बेहद रोमांचक होगा। एबॉट बिग बैश इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पुरुष गेंदबाज हैं, जिनके नाम 175 विकेट दर्ज हैं। उनकी मजबूत वापसी न सिर्फ सिक्सर्स के लिए अहम होगी, बल्कि भारत और श्रीलंका में होने वाले अगले साल के टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनकी दावेदारी भी मजबूत कर सकती है।

दवा क्षेत्र 2047 तक 500 अरब डॉलर का कारोबार खड़ा करने के लक्ष्य के साथ 2026 में करेगा प्रवेश

नयी दिल्ली। भारत के दवा उद्योग के लिए वर्ष 2026 आवश्यक परिवेश तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण पांच वर्षीय अवधि की शुरुआत का संकेत है, ताकि वह स्वयं को नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करते हुए वर्ष 2047 तक 500 अरब डॉलर का क्षेत्र बनने के अपने लक्ष्य को हासिल कर सके। यह प्रयास शुल्क उतार-चढ़ाव और वैश्विक व्यापार पुनर्संरचना जैसी निकट अवधि की चुनौतियों के बीच किया जा रहा है। देश का मुख्य रूप से जेनेरिक दवाओं पर आधारित दवा उद्योग पिछले 25 वर्ष में तीन अरब डॉलर से बढ़कर 60 अरब डॉलर के आकार तक पहुंचा है। अब अगली पीढ़ी की दवाओं में नवाचार की दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है। उद्योग साथ ही अगले सात वर्ष में विशिष्ट अधिकार समाप्त होने जा रही 300 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की दवाओं को हासिल करने के अवसर का लाभ उठाने की भी कोशिश करेगा। भारतीय दवा संघ के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा, '' आज भारतीय दवा उद्योग एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और अगले 25 वर्ष नवाचार, गुणवत्ता और पहुंच के आधार पर तय होंगे। उन्होंने कहा कि देशी दवा कंपनियों में नवाचार का 'एजेंडा' उल्लेखनीय गति पकड़ रहा है। जैन ने कहा, '' वर्ष 2026 से आगे आने वाले पांच वर्ष क्रियान्वयन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होंगे, नीतिगत रफ्तार को ठोस उपलब्धियों में बदलने के लिए ताकि भारत वर्ष 2047 तक 450ऽ500 अरब डॉलर का उद्योग बनने एवं वैश्विक जीवन विज्ञान नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित होने के अपने लक्ष्य को हासिल कर सके। समर्थक नीतियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि दवाऽचिकित्सकीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन देने वाली योजना (पीआरआईपी) को उद्योग से मजबूत प्रतिक्रिया मिली है, जो एक महत्वपूर्ण शुरुआत का संकेत है।

वर्ष 2025 में भारतीय एथलेटिक्स: नीरज ने 90 मीटर का जादुई आंकड़ा छुआ लेकिन सताता रहा डोपिंग का डंक

नयी दिल्ली। भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा फॉर्म में उतार चढ़ाव के बावजूद 90 मीटर तक भाला फेंकने के जादुई आंकड़े को छूने में आखिरकार सफल रहे लेकिन इस बीच वर्ष 2025 में भारतीय एथलेटिक्स को डोपिंग का डंक भी डसता रहा। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसी वर्ष तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पदक जीतने में नाकाम रहने से उन्हें निराशा भी हाथ लगी। इस प्रतियोगिता में युवा सचिन यादव ने चोपड़ा को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल किया और इस तरह से भाला फेंक में विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की। लेकिन डोपिंग का खतरा कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी इसकी चपेट में आ गए। इनमें ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह और एशियाई खेलों की पूर्व पदक विजेता चक्का फेंक की खिलाड़ी सीमा पुनिया भी शामिल हैं। अपनी तरह के पहले मामले में एक एथलीट और उसके कोच की जोड़ी को डोपिंग के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि दो नाबालिग एथलीट भी डोपिंग में पकड़े गए। इन सबके बीच सकारात्मक पहलू यह रहा कि भारत ने दो विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिताओं की मेजबानी की। इनमें से एक में चोपड़ा ने मेजबानी की और जीत हासिल की। भारत ने इसके अलावा 2031 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित कुछ प्रमुख महाद्वीपीय और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए बोली लगाई है। भारतीय खेलों के नायक चोपड़ा इस साल हिमाचल प्रदेश के एक निजी रिसॉर्ट में टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ परिणय सूत्र में बंधे। इस समारोह में कुछ करीबी रिश्तेदार और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। लोगों को इसके बारे में तभी पता चला जब चोपड़ा ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शादी की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके कुछ महीनों बाद चोपड़ा ने अपना भाला 90.23 मीटर तक फेंका और ऐसा करने वाले एशिया के तीसरे और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बन गए। चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग, गोल्डन स्पाइक मीट और एनसी क्लासिक के रूप में इस साल तीन बड़े खिताब जीते। उन्होंने घरेलू दर्शकों और परिवार के सदस्यों के सामने एनसी क्लासिक के रूप में विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अपना सपना साकार किया। इस स्टार खिलाड़ी को हालांकि डायमंड लीग फाइनल में निराशा हाथ लगी और वह जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। लेकिन सबसे अप्रत्याशित परिणाम सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में चोपड़ा 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी सचिन यादव (86.27 मीटर) ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन करके चौथा स्थान हासिल किया। डोपिंग अपराधों के कारण अयोग्य घोषित किए गए एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर बना हुआ है। डोपिंग के आरोप में पकड़े गए देश के कुछ शीर्ष एथलीटों में शिवपाल, पुणे हाफ मैराथन के विजेता प्रधान विलास किरुलाकर, फर्राटा धाविका शेखर धनलक्ष्मी और 2014 के एशियाई खेलों की पदक विजेता हैमर थ्रोअर मंजू बाला शामिल हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने दो नाबालिगों पर तीन साल का प्रतिबंध भी लगाया है। भारतीय जूनियर टीम के पूर्व मुख्य कोच रमेश नागपुरी को डोपिंग में मिलीभगत के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। दो अन्य कोच करमवीर सिंह और राकेश को भी डोपिंग के आरोप में निलंबित कर दिया गया। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार ने प्रतियोगिता से इतर किए गए परीक्षणों के दौरान प्रतिबंधित एनाबॉलिक पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिकी डोपिंग विरोधी एजेंसी द्वारा लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को झेल रहे हैं।

डेक्कन गोल्ड माइंस ने किर्गिस्तान में सोने की खनन परियोजना में उत्पादन परीक्षण किए शुरू

नयी दिल्ली। सोने एवं महत्वपूर्ण खनिजों की खोज एवं खनन करने वाली कंपनी डेक्कन गोल्ड माइंस लिमिटेड ने किर्गिस्तान में अपनी स्वर्ण खनन परियोजना के चालू होने से पहले प्रारंभिक परीक्षणों की शुरुआत की सोमवार को घोषणा की। प्रारंभिक परीक्षणों में कंपनी के करीब 20,000-30,000 टन अयस्क का प्रसंस्करण करने की संभावना है। परीक्षण चरण के दौरान प्राप्त सोने को बिक्री योग्य कन्संट्रेट या बिस्कुट के रूप में उत्पादित किया जाएगा जिससे क्रमिक संचालन से पहले प्रक्रिया के प्रदर्शन का प्रारंभिक सत्यापन हो सकेगा। कंपनी ने बयान में कहा, '' डेक्कन गोल्ड माइंस लिमिटेड ने किर्गिस्तान में अपने 'आल्टिन टोर गोल्ड' परियोजना को शुरू करने से पहले के परीक्षण की शुरुआत की घोषणा की है। डेक्कन गोल्ड माइंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हनुमा प्रसाद मोदाली ने कहा कि जैसे-जैसे परियोजना शुरू होने की ओर बढ़ रही है।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए दोनों देशों के लिए फायदे का सौदा : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को दोनों देशों के लिए फायदे का सौदा बताया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से हमारे किसानों, मछुआरों और डेयरी सेक्टर को बहुत ज्यादा फायदा होगा। उन्होंने कहा कि यह आपसी फायदे वाला समझौता भारत-न्यूज़ीलैंड आर्थिक साझेदारी को और मज़बूत करेगा और विकसित भारत 2047 के विज़न की ओर भारत की यात्रा को आगे बढ़ाएगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता संपन्न होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के मार्गदर्शन और नेतृत्व में और मेरे दोस्त और समकक्ष मंत्री टॉड मैक्ले के करीबी और सहयोगी जुड़ाव से भारत न्यूजीलैंड ने रिकॉर्ड नौ महीनों में एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने बताया कि एफटीए लागू होने पर भारत के 100 फीसदी निर्यात पर टैरिफ शुल्क सुनिश्चित करेगा, जिसमें सभी टैरिफ लाइनों पर टैरिफ खत्म कर दिया जाएगा। इससे किसानों, एमएसएमई, श्रमिकों, कारीगरों, महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों और युवाओं को फायदा होगा, साथ ही कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूते जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों के लिए अपार अवसर मिलेंगे। इंजीनियरिंग और विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, प्लास्टिक, फार्मास्यूटिकल्स और रसायन जैसे क्षेत्रों को भी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता निवेश को महत्वपूर्ण बढ़ावा देता है, जिसमें न्यूज़ीलैंड 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर का प्रत?यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) को लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका लक्ष्य विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, सेवाएं, नवाचार और रोजगार सृजन है। इसमें किसानों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एफटीए न्यूज़ीलैंड के बाजारों में भारतीय कृषि उत्पादों के लिए नए अवसर खोलेगा, जिसमें फल, सब्जियां, कॉफी, मसाले, अनाज और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ शामिल हैं। गोयल ने कहा कि कृषि उत्पादकता साझेदारी, उत्कृष्टता केंद्रों और न्यूज़ीलैंड की उन्नत कृषि-प्रौद्योगिकियों तक पहुंच के माध्यम से किसानों को उच्च उत्पादकता, बेहतर गुणवत्ता और उच्च आय से काफी फायदा होगा। शहद, कीवी फल और सेब जैसे बागवानी उत्पादों के लिए लक्षित पहल इस क्षेत्र को और मजबूत करेगी। वाणिज्?य मंत्री ने कहा कि घरेलू संवेदनशीलता को देखते हुए भारत ने कृषि और संबद्ध उत्पादों की सुरक्षा की है, जिसमें डेयरी, चीनी, कॉफी, मसाले, खाद्य तेल, कीमती धातुएं (सोना और चांदी), कीमती-धातु स्क्रैप, तांबा कैथोड और रबर-आधारित उत्पाद शामिल हैं, जिससे किसानों, एमएसएमई और घरेलू उद्योगों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

विकसित भारत के निर्माण में सामूहिक प्रयास जरूरी: उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं और इसमें भारतीय रक्षा लेखा सेवा (आईडीएएस) की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि रक्षा सेवाओं के वित्तीय संसाधनों का कुशल प्रबंधन देश की सुरक्षा क्षमता को सीधे प्रभावित करता है।

आईडीएएस के 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवकों को ज्ञान के साथ-साथ चरित्र, विनम्रता और संवेदनशीलता को भी अपने कार्य व्यवहार में शामिल करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से 'सेवा भाव और कर्तव्य बोध' को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ नागरिकों की सेवा करने का अवसर सौभाग्य के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग की 275 वर्षों से अधिक पुरानी गौरवशाली परंपरा रही है और यह भारत सरकार के सबसे पुराने विभागों में से एक है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सिविल सेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। समावेशी विकास और अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाना अमृत काल का प्रमुख उद्देश्य है, जिसे साकार करने में युवा अधिकारियों की ऊर्ज़ा और नवाचार निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सशस्त्र बलों की परिचालन तैयारियों को बनाए रखने के लिए विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन अनिवार्य है। उन्होंने सार्वजनिक धन के प्रबंधन में ईमानदारी, पारदर्शिता, सतर्कता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने तेजी से बदलते तकनीकी युग में सतत क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर जोर देते हुए आईजीओटी कर्मयोगी जैसे प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों के प्रति अनुकूलन, नवाचार, नैतिक प्रशासन और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण विकसित भारत की यात्रा में सिविल सेवकों की पहचान बननी चाहिए। कार्यक्रम में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, रक्षा लेखा महानियंत्रक विश्वजीत सहाय और वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) राज कुमार अरोड़ा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नीतीश ने मोदी से की भेंट, साथ में थे सम्राट चौधरी, लल्लन सिंह

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। राज्य में हाल के चुनाव के बाद दसवीं बार मुख्यमंत्री बने श्री कुमार की दिल्ली की यह पहली यात्रा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात में श्री कुमार के साथ राज्य के उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह भी थे। समझा जाता है कि श्री कुमार ने राज्य के विकास की योजनाओं की प्रगति के संबंध में प्रधानमंत्री को जानकारी दी और केंद्र से सहयोग के लिए आभार जताया। श्री मोदी बिहार में श्री नीतीश के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पटना गये थे।

मनरेगा का खत्म होना सबकी नैतिक नाकामी : सोनिया गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और दूसरे कानूनों में बदलावों के जरिए वह जनता के अधिकारों पर आधारित कानूनी ढांचे को खत्म कर रही है।

श्रीमती गांधी ने एक अंग्रेजी दैनिक में सोमवार को अपने लेख में सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मनरेगा का कमजोर होना 'सबकी नैतिक नाकामी' है। इससे देश भर के करोड़ों लोगों को वित्तीय नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक कल्याण की पहल नहीं थी, बल्कि यह अधिकारों पर आधारित कार्यक्रम था जो गांव के परिवारों को रोजी-रोटी की सुरक्षा और सम्मान देता था। मनरेगा ने महात्मा गांधी के सभी के कल्याण के सपने को पूरा किया और काम करने का संवैधानिक अधिकार दिया था।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने सभी से एकजुट होने का आह्वान किया और कहा अब पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है कि हम एकजुट हों और उन अधिकारों की रक्षा करें जो हम सभी की रक्षा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कई बुनियादी अधिकारों को एक-एक कर खत्म कर रही है। खेती क़ानूनों में सुधार का जिक्र करते हुए श्रीमती गांधी ने कहा कि कृषि से संबंधित तीन काले कानूनों के जरिए सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अधिकार से वंचित करने की कोशिश थी। उन्होंने आगाह किया कि सरकार भविष्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 को खत्म कर सकती है।

भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है चुनाव आयोग : ममता

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को चुनाव आयोग पर हमला करते हुए कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर चल कर अनियोजित तरीके से काम कर रहा है।

सुश्री बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के बूथ लेवल सहायकों की बैठक को संबोधित करते हुए आयोग पर केंद्र की सत्ताधारी पार्टी के इशारे पर काम करने और चुनावी सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर असली मतदाताओं को बड़े पैमाने पर परेशान करने का आरोप लगाया।

सुश्री बनर्जी ने कहा, ''मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी में ऐसा लापरवाह चुनाव आयोग नहीं देखा। वे सिर्फ़ इशारे पर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने पुनरीक्षण प्रक्रिया के इरादे और उसे लागू करने के तरीके पर सवाल उठाया। मतदाताओं को चिह्नित करने और उनका नाम हटाये जाने के तरीके पर आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री ने रोज़मर्रा की उन सच्चाइयों का ज़िक्र किया, जिन्हें उनके मुताबिक चुनाव अधिकारी नज़रअंदाज़ कर रहे थे।

उन्होंने कहा, ''एक वोटर 2002 में एक खास पते पर रहता था। आज वह वोटर शायद वहां न हो। कैसे हो सकता है? लोग वार्ड बदलते हैं, शादी के बाद महिलाएं दूसरी जगह चली जाती हैं, कुछ लोग अपना उपनाम बदल लेते हैं, कुछ नहीं बदलते। जिन लोगों ने अपना उपनाम बदला है, उन्हें मतदाता सूची से हटाया जा रहा है। किस आधार पर? वे अब भी मतदाता हैं। सुश्री बनर्जी ने कहा कि फ़ेरीवालों, दुकानदारों, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों और गरीब लोगों से जटिल अंग्रेजी निर्देशों को समझने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने सवाल किया, ''वे आपकी अंग्रेजी कैसे समझेंगे?'' सुश्री बनर्जी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलकर काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित दिशानिर्देशों को बार-बार बदला गया है। उन्होंने कहा, ''दिशानिर्देशों को 24 बार बदला गया है। आप (चुनाव आयोग) और भाजपा दोषी हैं। आप देश को वंशवादी और तानाशाही राजनीति में डुबो रहे हैं। आपको कोई अंदाज़ा नहीं है कि चुनाव कैसे होते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि मतदाताओं को पहचान के सत्यापन में बहुत मुश्किल हो रही थी क्योंकि 2002 की मतदाता सूची से नाम, क्रम संख्या या हिस्सों का पता लगाने के लिये कोई सही व्यवस्था नहीं है। सुश्री बनर्जी ने चुनाव आयोग से सवाल किया, ''इतने लंबे समय तक एपिक संख्या से जानकारी निकालने की कोई व्यवस्था नहीं थी। कई मामलों में, 2002 की एपिक संख्या मौजूदा एपिक संख्या से मेल नहीं खाती। क्या यह एक अपराध नहीं है?'' उन्होंने इस प्रक्रिया को ''बिना नियोजन वाली तानाशाही'' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक अधिकारी भाजपा की दी गयी सूची के आधार पर मनमाने ढंग से नाम हटा रहे थे। उन्होंने कहा, ''मैंने ऐसा बेशर्म आयोग कभी नहीं देखा।'' सुश्री बनर्जी ने पूछा कि एसआईआर सिर्फ बंगाल में क्यों हो रहा है और असम, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम और मेघालय जैसे राज्यों में इसी तरह की प्रक्रिया क्यों नहीं चल रही है। उन्होंने कहा कि असम में भी चुनाव होने हैं लेकिन बंगाल को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने अल्पसंख्यकों और मतुआ समुदाय से नहीं डरने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''वे आपको बांटने की कोशिश कर रहे हैं। डरो मत। एकजुट हो जाओ और इस कट्टरपंथी ताकत से लड़ो।'' सुश्री बनर्जी ने पूरी प्रक्रिया को गलत बताते हुए कहा कि मतदाताओं की पहचान ''पूरी तरह से गलत'' थी। उन्होंने कहा कि एसआईआर जैसी चुनावी प्रक्रियाओं में आमतौर पर दो साल लगते हैं और उन्हें सिर्फ़ दो महीनों में जल्दबाजी में पूरा किया जा रहा है। उन्होंने पिछली प्रक्रिया को याद करते हुए कहा कि 2001 में हुए चुनावों के बाद एसआईआर शुरू हुआ और अंतिम सूची 2004 में प्रकाशित हुई, जिसके बाद परिसीमन हुआ। उन्होंने कहा, ''परिसीमन के बाद मतदाता एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे में चले गये। क्या आपने इस बारे में सोचा भी है?'' उन्होंने वार्ड की सीमाओं में बदलाव का भी मुद्दा उठाया, खासकर कोलकाता में जहां 2009 में परिसीमन के बाद वार्ड 100 से बढ़कर 144 हो गये थे। उन्होंने चुनाव आयोग पर 'भाजपा आयोग' होने का आरोप लगाते हुए कहा, ''क्या आयोग ने एक बार भी सोचा? बीएलओ को गाली देने से पहले, क्या आपने उन्हें प्रशिक्षण दिया? पूरी प्रक्रिया बिना योजना के है।'' सुश्री बनर्जी ने चेतावनी दी कि पूरे इलाकों में शांतिपूर्ण बैठक और रैलियां की जाएंगी और पार्टी के बूथ लेवल सहयोगियों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आप मेरे खिलाफ केस कर सकते हैं, आप जो चाहें कर सकते हैं। लेकिन मैं लोगों के लिये बोलूंगी। अगर डर के मारे सब चुप रहे, तो देश बर्बाद हो जाएगा। बंगाल को चुप नहीं कराया जा सकता।''

पेज एक का शेष

कोडिन से यूपी...

बने सिरप के कारण आए हैं। यह पूरा प्रकरण इललीगल डायवर्जन का है। इसके माध्यम से होलसेलर (सहारनपुर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी) ने इसे उन देशों व राज्यों में पहुंचाया है, जहां मद्य निषेध है। वहां नशे के आदी लोगों को इसे लेने की आदत है। वहां इसका दुरुपयोग किया गया है। मुख्यमंत्री ने सीएम ने कहा कि बच्चे हों या एडल्ट, बिना चिकित्सीय परामर्श के कोई भी इसका सेवन नहीं कर सकता। खांसी होने पर हर कोई कफ सिरप लेता है, लेकिन चिकित्सीय परामर्श से। उस पर यह अंकित भी होता है, लेकिन समाजवादी पार्टी के लोगों का पढ़ाई-लिखाई से कोई वास्ता है नहीं, इसलिए आप लोग ऐसी बाते करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की कार्रवाई की जानकारी भी सदन में रखी। मुख्यमंत्री ने कहा अब तक 79 अभियोग दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें 225 अभियुक्त नामज़द हैं। 78 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है और 134 फर्मों पर छापेमारी की कार्रवाई हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले की गहराई में जाएंगे तो बार-बार यही तथ्य सामने आता है कि कहीं न कहीं समाजवादी पार्टी से जुड़ा कोई नेता या व्यक्ति इसमें संलिप्त पाया जाता है। अवैध लेन-देन भी लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ है। एसटीएफ पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा चलाने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने इस लड़ाई को पूरी मजबूती से लड़ा है और इसमें सफलता भी प्राप्त की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले में कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। सीएम ने बुलडोजर एक्शन को लेकर समाजवादी पार्टी पर तंज कसा। कहा कि चिंता मत कीजिए, समय आने पर बुलडोजर एक्शन की पूरी तैयारी रहेगी, उस समय चिल्लाइएगा नहीं।

केवल गीत नहीं, राष्ट्र की...

कि लोकसभा के बाद उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां वंदे मातरम् पर चर्चा हो रही है। यह केवल एक गीत नहीं है, बल्कि यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम की चेतना, क्रांतिकारियों के साहस और राष्ट्र के आत्मसम्मान का मंत्र है। वंदे मातरम् का सम्मान केवल एक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि यह हमारे संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय दायित्वों का बोध कराता है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् जब अपनी रजत जयंती मना रहा था, तब देश ब्रिटिश हुकूमत के अधीन था। 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर की विफलता के बाद अंग्रेजी शासन दमन और अत्याचार की पराकाष्ठा पर था। काले कानूनों के माध्यम से जनता की आवाज को दबाया जा रहा था, यातनाएं दी जा रही थीं, लेकिन वंदे मातरम् ने देश की सुप्त चेतना को जीवित रखा। जब देश इसकी रजत और स्वर्ण जयंती मना रहा था, तब भी ब्रिटिश शासन कायम था। उस समय स्वतंत्रता की चेतना को आगे बढ़ाने का मंच कांग्रेस के अधिवेशन रहे, जहां वर्ष 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे स्वर दिया। यह पूरे देश के लिए एक मंत्र बन गया। आज जब वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रगीत के अमर रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का जो सपना था, उसे नया भारत साकार करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैरकपुर में मंगल पांडेय, गोरखपुर में शहीद बंधु सिंह, मेरठ में धन सिंह कोतवाल और झांसी में रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में देशभर में स्वतंत्रता के लिए संघर्ष हुआ। स्वातंत्र्य समर की विफलता के बाद उपजी हताशा के दौर में वंदे मातरम् ने देश की सोई हुई आत्मा को जगाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय डिप्टी कलेक्टर के रूप में ब्रिटिश शासन में कार्यरत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने आम जनमानस की भावनाओं को वंदे मातरम् के माध्यम से स्वर दिया। वंदे मातरम औपनिवेशिक मानसिकता के प्रतिकार का प्रतीक बना। भारत माता केवल भूभाग नहीं थी, बल्कि हर भारतीय की भावना थी। स्वाधीनता राजनीति नहीं, बल्कि साधना थी। 'सुजलाम, सुफलाम् मलयज-शीतलाम् शस्यश्यामलाम् मातरम् की पंक्तियों ने भारतीय मानस में चेतना का संचार किया और भारत की प्रकृति, समृद्धि, सौंदर्य और शक्ति को एक साथ मूर्त रूप दिया। जिन्ना से लखनऊ से विरोध का नारा बुलंद किया मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक मोहम्मद अली जिन्ना कांग्रेस में थे, तब तक वंदे मातरम पर कोई विवाद नहीं था। कांग्रेस छोड़ते ही जिन्ना ने इस राष्ट्रगीत को मुस्लिम लीग की राजनीति का औजार बनाया और जानबूझकर इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की। गीत वही रहा, लेकिन एजेंडा बदल गया। जिन्ना ने 15 अक्तूबर 1937 को लखनऊ से वंदे मातरम के विरुद्ध नारा बुलंद किया। उस समय कांग्रेस अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू थे। नेहरू ने 20 अक्तूबर 1937 को सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखकर कहा कि यह मुद्दा मुसलमानों को आशंकित कर रहा है, कांग्रेस के तुष्टीकरण की स्पष्ट स्वीकारोक्ति है। कांग्रेस ने 26 अक्तूबर 1937 को वंदे मातरम के कुछ अंश को हटाने का निर्णय लिया, जिसे उस समय 'सद्भाव' कहा गया, लेकिन वास्तव में यह राष्ट्र चेतना की बलि थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 मार्च 1938 को जिन्ना ने मांग की कि वंदे मातरम पूरा बदला जाए, लेकिन कांग्रेस ने प्रतिकार नहीं किया। परिणामस्वरूप मुस्लिम लीग का साहस बढ़ता गया, अलगाववाद की धार तेज हुई और सांस्कृतिक प्रतीकों पर पहला समझौता हुआ, जिसने अंततः भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन की नींव रखी। सीएम योगी ने स्पष्ट कहा कि वंदे मातरम का विरोध न तो धार्मिक था और न ही आस्था से जुड़ा, बल्कि यह पूरी तरह राजनीतिक था। उन्होंने याद दिलाया कि 1896 से 1922 तक कांग्रेस के हर अधिवेशन में वंदे मातरम गाया जाता रहा। न कोई फतवा था, न कोई धार्मिक विवाद। खिलाफत आंदोलन तक भी यह गीत हर मंच से गूंजता था। मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे नेता इसके समर्थक थे। समस्या मजहब को नहीं, बल्कि कुछ लोगों की राजनीति को थी।

विकास की रफ्तार...

का प्रावधान किया गया है। सरकार का उद्देश्य राजस्व आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ पूंजीगत निवेश को बढ़ाकर आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अनुपूरक बजट में प्रदेश की आर्थिक प्रगति और जनकल्याण से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अंतर्गत औद्योगिक विकास के लिए 4,874 करोड़, पावर सेक्टर के लिए 4,521 करोड़, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए 3,500 करोड़, नगर विकास के लिए 1,758.56 करोड़, तकनीकी शिक्षा के लिए 639.96 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित की गई है। अनुपूरक बजट में सामाजिक और भविष्य उन्मुख क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत, महिला एवं बाल विकास के लिए 535 करोड़, यूपीनेडा (सौर एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा) के लिए 500 करोड़, मेडिकल एजुकेशन के लिए 423.80 करोड़, गन्ना एवं चीनी मिल क्षेत्र के लिए 400 करोड़ की बजटीय व्यवस्था की गई है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि योगी सरकार ने एफआरबीएम अधिनियम की सीमा का हमेशा पालन किया है और किसी भी स्तर पर वित्तीय अनुशासन से समझौता नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के पत्रक के अनुसार उत्तर प्रदेश की जीडीपी 31.14 लाख करोड़ आंकी गई है, जो पहले के अनुमानों से अधिक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में उभर रहा है, जो राज्य की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। जब किसी वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि व्यय की वास्तविक आवश्यकताओं के लिए अपर्याप्त हो जाती है, तब अनुपूरक अनुदान की मांग विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत की जाती है। कई बार नई मदों पर व्यय की आवश्यकता होती है या योजनाओं में महत्वपूर्ण परिवर्तन के कारण विधानमंडल की स्वीकृति अनिवार्य हो जाती है।

अरावली रेंज की...

'एक्रेडिटेड सिटी' का दर्ज़ा हमारी सरकार के समय में ही मिला है। न्यायालय के फैसले में कहा गया है कि अरावली के संरक्षण के लिए विशेष रूप से दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और राजस्थान में जो अरावली क्षेत्र है उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए इस पूरी रेंज के वैज्ञानिक आकलन के साथ ही दिल्ली के ग्रीन बैरियर के रूप में अरावली के संरक्षण एवं सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उनका कहना था कि दिल्ली में वृक्षारोपण हो, क्षतिपूरक वनीकरण हो जिसमें गुरुग्राम की दस हजार एकड़ जमीन को संरक्षित करने का विषय हो या गुरुग्राम में साढ़े सात सौ एकड़ में ग्रीन क्रेडिट के माध्यम से क्षतिग्रस्त वनों को पुनर्जीवित करने का विषय हो, इन सब मुद्दों को उनकी सरकार ने प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया है। श्री यादव ने कहा कि न्यायालय ने ही अरावली पहाड़ी और अरावली को लेकर एक स्पष्टता दी है क्योंकि पहले बिना सोचे परखे किसी भी जगह पर खनन की प्रक्रिया शुरु कर दी जाती थी। यह भी तय नहीं था कि नहीं होता था कि अरावली पहाड़ी और इसके अंतर्गत कौन-कौन से क्षेत्र आते हैं। अब कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि अरावली का क्षेत्र क्या है और वहां खनन कार्य नहीं हो सकता है। उच्चतम न्यायालय के अनुसार अरावली पहाड़ियों में खनन को विनियमित करने को लेकर समान नीति के संबंध में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात के वन विभाग ने विचार किया है। अरावली पहाड़ियां और पर्वत श्रृंखलाएं भारत की सबसे पुरानी भूवैज्ञानिक संरचनाओं में से हैं और इन सभी राज्यों में फैली हुई हैं। ऐतिहासिक रूप से, इन्हें राज्य सरकारों द्वारा 37 जिलों में मान्यता दी गई है। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर एक समिति का गठन किया गया जिसने सिर्फ राजस्थान में ही अरावली में खनन को विनियमित करने की औपचारिक परिभाषा दी। यह परिभाषा राज्य सरकार की 2002 की समिति रिपोर्ट पर आधारित थी। इसमें स्थानीय ऊंचाई से 100 मीटर ऊपर उठने वाले सभी लैंडफ़ॉर्म को पहाड़ के रूप में पहचाना गया और उसके आधार पर, पहाड़ों और उनकी सहायक ढलानों दोनों पर खनन पर रोक लगाई गई। इसलिए, यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली सभी भू-आकृतियों में खनन की अनुमति है।

गैंगस्टर एक्ट में चुनिंदा...

2022 की सरकारी अधिसूचना के तहत राज्यपाल ने महानगरीय क्षेत्रों में पुलिस आयुक्तों, संयुक्त आयुक्तों और अतिरिक्त आयुक्तों को जिलाधिकारी के सभी अधिकार प्रदान किए, जिनमें गैंगस्टर एक्ट के तहत अधिकार भी शामिल हैं। हालांकि कोर्ट ने इसके बाद भी सवाल उठाया कि कमिश्नरेट जिलों में पुलिस को इतने व्यापक और स्वतंत्र अधिकार क्यों दिए गए जबकि गैर कमिश्नरेट जिलों में यही प्रक्रिया संयुक्त प्रशासनिक निगरानी में होती है। कोर्ट ने आशंका जताई कि इस तरह की व्यवस्था का दुरुपयोग अक्सर छोटे और सड़क स्तर के अपराधियों के खिलाफ होता है जबकि वास्तविक गैंगस्टर और संगठित अपराध सिंडिकेट बहुत हद तक अप्रभावित रहते हैं। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार ने गैंगस्टर एक्ट के मामलों के शीघ्र निस्तारण, गवाहों की पेशी सुनिश्चित करने, गवाह संरक्षण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, अभियोजन गवाहों की समय पर अदालत में उपस्थिति या जिला शासकीय अधिवक्ताओं को संवेदनशील बनाने के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई। इसके अलावा, पुलिस की जवाबदेही तय करने के लिए भी केवल पारंपरिक विभागीय जांच पर ही निर्भरता दिखाई देती है, जो प्रायः निचले स्तर के अधिकारियों तक सीमित रह जाती है। कोर्ट ने कहा कि संगठित अपराध से जुड़े प्रभावशाली आरोपी अक्सर जमानत की शर्तों का उल्लंघन करते हैं। अभियोजन विभाग और सरकारी वकील उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं। आरोपियों की ओर से बार-बार स्थगन अर्जी दाखिल की जाती हैं, जिन्हें बिना ठोस आपत्ति के स्वीकार कर लिया जाता है जबकि जमानत रद्द कराने की दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं होता। कोर्ट ने कहा कि अभियोजकों की कार्यप्रणाली को नियंत्रित करने और उनकी जवाबदेही तय करने के लिए भी राज्य स्तर पर कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। कोर्ट ने राज्य सरकार को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि कमिश्नरेट व्यवस्था में डीएम को बाहर रखते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत कामकाज किस आधार पर किया जा रहा है। यह भी पूछा कि कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद अपराध दर में वास्तव में कोई कमी आई है या नहीं और जिन अधिकारियों को डीएम के कार्य सौंपे गए हैं, क्या उन्हें इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक अभियोजन को गैंगस्टर एक्ट से संबंधित जिलेवार विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। गृह विभाग को यह भी निर्देश दिया गया कि गैंगस्टर एक्ट या उससे जुड़े मामलों में शक्ति के दुरुपयोग को लेकर अधिकारियों के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही और विभागीय कार्यवाहियों का पूरा ब्योरा पेश करने को कहा है।

कोडीन सिरप के...

लिए प्रमोद को 60 पेटी कोडीन सिरप बनारस में दी थी और इन्हें बेचकर पैसे कमाने को कहा था। अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे अब तक 13 पेटियां नशे के आदी लोगों को बेच चुके थे और शेष पेटियों को बेचने की तैयारी के दौरान एएनटीएफ टीम ने उन्हें पकड़ लिया। एएनटीएफ द्वारा की गई बरामदगी में 47 कार्टून कोडीन सिरप के अलावा वाहन, मोबाइल फोन और नकदी शामिल है। इस कार्रवाई को एएनटीएफ ऑपरेशनल यूनिट आगरा के निरीक्षक हरवेन्द्र मिश्रा, उपनिरीक्षक गौरव शर्मा सहित टीम ने अंजाम दिया। थाना अलीगंज पुलिस ने भी कार्रवाई में सहयोग किया।

भारत-न्यूजीलैंड के...

आने वाले 95 प्रतिशत माल पर फायदा होगा। इस समझौते पर बातचीत 16 मार्च को शुरू हुई थी और इसमें जो सहमति बनी है उसके तहत भारत के वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और कृषि उत्पादों सहित सभी भारतीय निर्यातों के लिए बड़े अवसर खुले हैं। वाणिज्य मंत्री श्री गोयल ने कहा कि न्यूज़ीलैंड ने भारत को अब तक की सबसे बेहतर बाज़ार पहुंच और सेवाओं का प्रस्ताव दिया है, जिसमें कंप्यूटर-संबंधित सेवाएं, पेशेवर सेवाएं, ऑडियो-विजुअल सेवाएं, दूरसंचार, निर्माण, पर्यटन और यात्रा से जुड़ी सेवाएं शामिल हैं।

यूपी कैबिनेट ने ...

से आयरन एवं स्टील प्लांट स्थापित करने के लिए, अपोलो कोटेड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को सिकंदराबाद बुलन्दशहर में 350 करोड़ की लागत से कोल्ड रोलिंग मिल स्थाापित करने के लिए, हल्दीराम स्नैक्स मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड को हरदोई में 349.27 करोड़ की लागत से स्नैक्स प्लांट लगाने के लिए, श्री भवानी पेपर मिल्स लिमिटेड को रायबरेली में 305 करोड़ की लागत से पेपर मिल स्थापित करने के लिए लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी होंगे। इसी तरह ड्रीमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्ध नगर में 414.88 करोड़ की लागत से प्रिंटेड सर्किट बोर्ड प्लांट स्थापित करने के लिए, एसीसी लिमिटेड सलाई बनवा ग्रीनफील्ड ग्राइडिंग यूनिट को सोनभद्र में 803 करोड़ की लागत से सीमेंट उत्पादन के लिए, एनएसएल रिन्यूएबल पॉवर प्राइवेट लिमिटेड को मेरठ में 4,499.51 करोड़ की लागत से सोलर इंटिग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग पार्क बनाने के लिए, अम्बर इंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड को जनपद गौतमबुद्धनगर के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में 3.532 करोड़ की लागत से उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स प्लांट स्थापित करने के लिए, एसेंटके सर्किट को जनपद गौतमबुद्धनगर में 3.250 करोड़ की लागत से पीसीवी एवं सेमी कंडक्टर प्लांट स्थापित करने के लिए, स्वरूप स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को जनपद मुजफ्फरनगर के जानसठ क्षेत्र में 266.70 करोड़ की लागत से टीमटी स्टील्स प्लांट स्थापित करने के लिए, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड को जनपद अलीगढ़ के कासिमपुर में 628 करोड़ की लागत से सीमेंट उत्पादन शुरू करने के लिए एवं अम्बा शक्ति स्टील्स को मुजफ्फरनगर में 241.50 करोड़ की लागत से स्टील्स उत्पादन शुरू करने के लिए लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी होंगे।

मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा में किया सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा पहुंच कर हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने फुटबॉल और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एकता बिष्ट और कोच लियाकत अली ख़ान को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के दौरान उपस्थित खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों , जनता और विद्यालय का बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनपद अल्मोड़ा के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य, खेल, पर्यटन, कनेक्टिविटी और शहरी सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में सोबन सिंह जीना मेडिकल इंस्टिट्यूट में 100 नई एमबीबीएस सीटों के साथ 36 आईसीयू बेड जोड़े गए हैं, जिससे भविष्य में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी और गंभीर रोगियों को बेहतर उपचार मिल सकेगा। बेस अस्पताल में कार्डियक केयर यूनिट की शुरुआत की गई है, जिससे हृदय रोगियों को जनपद स्तर पर ही उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है। इसके साथ ही 5 करोड़ की लागत से महिला चिकित्सालय का उन्नयन कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत जागेश्वर धाम सहित अल्मोड़ा जनपद के अन्य ऐतिहासिक मंदिरों के सुधारीकरण एवं विकास के कार्य किए जा रहे हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि शहरी समस्याओं के समाधान की दिशा में अल्मोड़ा नगर क्षेत्र में पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु 21 वाहन पार्किंग परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। साथ ही युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से अल्मोड़ा में नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना की गई है, जो सामाजिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने खेल सुविधाओं के लिए घोषणा करते हुए कहा कि खेलों के प्रोत्साहन हेतु हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम अल्मोड़ा में खिलाड़ियों के लिए 50 बेड क्षमता वाले छात्रावास का निर्माण किया जाएगा।

गुजरात में आदिवासी फंड के दुरुपयोग का आआपा ने लगाया आरोप, मांगा जवाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने गुजरात सरकार पर आदिवासी समुदायों के विकास के लिए आवंटित सरकारी कोष के दुरुपयोग का आरोप लगाया। पार्टी ने दावा किया है कि गुजरात में आदिवासी विकास के लिए निर्धारित लगभग 50 करोड़ रुपये का उपयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक कार्यक्रम और उससे जुड़े आयोजनों में किया गया। आआपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा जारी आदिवासी कोष को प्रधानमंत्री अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। आदिवासी हितों के लिए आरक्षित फंड का उपयोग कार्यक्रमों की भव्य तैयारियों और सुविधाओं पर किया गया। अनुराग ढांडा ने बताया कि यह जानकारी उन्हें सूचना के अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से प्राप्त हुई है। गुजरात में आआपा विधायक चैतर वसावा ने इस संदर्भ में आरटीआई दाखिल की थी। इसके जवाब में विभाग से मिली आधिकारिक जानकारी में स्पष्ट हुआ कि आदिवासी फंड का उपयोग किन-किन मदों में किया गया। उन्होंने कहा कि गुजरात के देदियापाड़ा में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम के लिए पंडाल लगाने पर 7 करोड़, डोम लगाने पर 3 करोड़, मंच निर्माण पर 5 करोड़, चाय-सामोसा पर 2 करोड़ और परिवहन व्यवस्था पर 7 करोड़ खर्च किए गए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मोबाइल शौचालय और साफ-सफाई पर 2 करोड़ 40 लाख खर्च किए गए। भाजपा नेताओं ने अरविंद केजरीवाल पर सोने के शौचालय का आरोप लगाया था, लेकिन अब यह सवाल उठता है कि आदिवासी फंड से इतनी बड़ी राशि क्यों बर्बाद की जा रही है। जो लोग केजरीवाल पर आरोप लगाते थे, उन्हें जवाब देना चाहिए कि आदिवासी फंड का इस तरह उपयोग क्यों किया गया।

गुरु तेग बहादुर ने धार्मिक स्वतंत्रता, शोषण, उत्पीड़न, भेदभाव, कट्टरता के उन्मूलन के लिए बलिदान करके गौरवशाली विरासत का किया सृजन: प्रो जगमोहन

जालंधर। भारतीय क्रांतिकारी मार्क्सवादी पार्टी (आरएमपीआई) की पंजाब राज्य समिति ने सोमवार को डॉ लखविंदर सिंह जोहल की अध्यक्षता में 'देश भगत यादगार जालंधर' के 'गदरी शहीद विष्णु गणेश पिंगले हॉल' में एक राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया। शहीद-ए-आजम भगत सिंह के भतीजे प्रोफ़ेसर जगमोहन सिंह ने 'श्री गुरु तेग बहादुर, चारों साहिबजादों और अतुलनीय सिख शहीदों के अद्वितीय बलिदान की भावना का समकालीन महत्व' विषय पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि बलिदान की अनूठी गाथा के रचयिता गुरु तेग बहादुर, सार्वभौमिक दानदाता दशमेश पिता, उनके चार प्रतिभाशाली पुत्रों और अतुलनीय सिख शहीदों ने किसी विशेष धर्म के विरुद्ध या किसी अन्य धर्म की रक्षा के लिए स्वयं को बलिदान नहीं किया। बल्कि, उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता, मानवाधिकारों और सर्वमानवता की रक्षा तथा शोषण, उत्पीड़न, भेदभाव और कट्टरता के उन्मूलन के लिए स्वयं को बलिदान करके एक गौरवशाली विरासत का सृजन किया। उनका युद्ध किसी विशेष धर्म, जाति, नस्ल या क्षेत्र के शासकों के विरुद्ध नहीं था। उन्होंने दमनकारी व्यवस्था के रक्तपात से मेहनतकश जनता की शाश्वत मुक्ति के लिए मानवीय संघर्ष किया। प्रो जगमोहन ने कहा कि सिख शहीदों के अद्वितीय बलिदान और उनकी महान एकजुटता का लाभकारी प्रभाव स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और भी अधिक स्पष्ट रूप से सामने आया, जो ग़दर तहरीक, जलियांवाला बाग हत्याकांड और शहीद भगत सिंह के लेखन में स्पष्ट रूप से व्यक्त होता है।

डा. आनन्द भारद्वाज को गीता रत्न सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अध्यात्म चेतना संघ की ओर से आयोजित किये गये विराट गीता महोत्सव के दौरान डॉ. आनन्द भारद्वाज को गीता रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया, जबकि, डा. के त्रिपाठी (चिकित्सा), इन्द्र मोहन बर्थवाल (खेल), विपुल रुहेला (गजल व सुगम सगीत), हंसवी टोंक (कथक नृत्य) तथा भावना सिंह (चित्रकला) को अपने-अपने क्षेत्रों में अतिविशिष्ट योगदान के लिये हरिद्वार गौरव से सम्मानित किया गया।

संस्था द्वारा विगत नवम्बर माह में आयोजित की गयी श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल, रानीपुर की अनुष्का (कक्षा 6) ने प्रथम, शिवडेल पब्लिक स्कूल की हर्षिका (कक्षा 6). द्वितीय तथा दीक्षा राइजिंग पब्लिक स्कूल के अब्दुल समी (कक्षा 7) ने तृतीय पुरस्कार जीता। इसके अतिरिक्त कक्षा 6, 7 व 8 से प्रथम तीन स्थान पाने वाले प्रतिभागी विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता प्रभारी महेश चन्द्र काला के अनुसार इस प्रतियोगिता में दस विद्यालयों के लगभग साढे चार हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया था। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए डा. आनन्द भारद्वाज ने कहा कि संस्कृत भारती संस्था देश के लगभग सभी संगठित जिलों में गीता शिक्षण कक्षाओं का संचालन कर रही है, क्योंकि, संस्कारों की शिक्षा स्कूल और विश्वविद्यालय की किताबों से नहीं, बल्कि धार्मिक, अध्यात्मिक व सनातनी वातावरण के निर्माण से मिलती है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा. आनन्द भारद्वाज, किशन दास महाराज, अध्यात्म चेतना संघ के संस्थापक व संचालन आचार्य करुणेश मिश्र तथा संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा मन्त्रोचारण के बीच किये गये दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। आचार्य करुणेश मिश्र ने संस्था के बाल संस्कार अभियान का परिचय देते हुए बताया कि वर्ष 2013 में आरम्भ किये श्रीमद्भगवद्गीता रूपी अभियान से अब तक पैंसठ हजार से भी अधिक विद्यार्थी लाभान्वित चुके हैं। कार्यक्रम में घनश्याम भवन, हरिद्वार के महंत किशन दास महाराज, उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, शोध अधिकारी डॉ. हरीश चंद गुरुरानी, शाश्वत वशिष्ठ, कमलकांत शर्मा, मोहिता राघव सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक, प्रधानाचार्य, प्रतिनिधि व अभिभावक उपस्थित रहे।

क्रिसमस को लेकर बाजारों में छायी रौनक, सजावटी सामानों, उपहारों की बढ़ी मांग

चंडीगढ़। क्रिसमस पर्व के नजदीक आते ही केन्द्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ के बाजारों में रौनक शुरू हो गयी है। जैसे-जैसे क्रिसमस का दिन नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे बाजारों में खरीदारी करने वालों की भीड़ बढ़ती जा रही है। दुकानों पर क्रिसमस ट्री, सांता क्लॉज की ड्रेस, कैप, स्टार, जिंगल बेल और सजावटी सामान की भरमार देखने को मिल रही है। लोगों ने अपने घरों और दुकानों को सजाने के लिए रंग-बिरंगे स्टार और लाइटें लगा ली हैं, जिससे बाजार का माहौल पूरी तरह से उत्सवमय हो गया है। बाजार में क्रिसमस बेल की खास वेरायटी उपलब्ध है, जिसकी कीमत 100 रुपये से लेकर 350 रुपये तक है। इसके अलावा सांता क्लॉज के स्टीकर, पोस्टर, फूल, मास्क, चश्मे, हेयर बैंड, पर्स, सॉक्स, घड़ी और ढोलक जैसे आकर्षक उत्पादों की भी अच्छी खासी मांग बनी हुई है। बच्चों में खास तौर पर सांता की कैप और ड्रेस को लेकर जहां जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, वहीं अब बड़े लोग भी सांता की ड्रेस खरीद रहे हैं।

पंजाबी सूफी गायक पूरन शाह कोटी का निधन

जालंधर। पंजाबी सूफी गायक हंस राज हंस के गुरु और गायक मास्टर सलीम के पिता पंजाबी सूफी गायक पूरन शाह कोटी का सोमवार को जालंधर में कुछ समय की बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 72 साल के थे। शाह कोटी गायक मास्टर सलीम के पिता थे। गायक हंस राज हंस और सबर कोटी उनके शिष्य थे। शहकोटी के निधन की खबर से पूरे पंजाब और दुनिया भर के संगीत प्रेमियों में दुख की लहर दौड़ गयी है। न केवल अपनी भावपूर्ण गायकी के लिए, बल्कि कलाकारों की कई पीढ़ियों के गुरु के रूप में भी जाने जाने वाले पूरन शाह कोटी जी संगीत का एक जीता-जागता स्कूल थे। उन्होंने हंस राज हंस, जसबीर जस्सी और उनके पुत्र, मास्टर सलीम, जो पंजाबी संगीत की जानी-मानी आवाजों में से एक हैं, सहित कई प्रमुख गायकों के करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

कूड़ा डंपिंग हटाने की मांग को लेकर व्यापार मंडल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। व्यापार मंडल, भगत सिंह चौक के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर से टिबड़ी फाटक, हरिद्वार रोड पर की जा रही कूड़ा डंपिंग को हटाने की मांग की है। व्यापार मंडल, भगत सिंह चौक के अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने बताया कि टिबड़ी फाटक पर कूड़ा डंप किए जाने से आसपास स्थित शिवलोक कॉलोनी, वॉटर वर्क्स कॉलोनी तथा भगत सिंह चौक से टिबड़ी फाटक के बीच दुकानों एवं आवासीय क्षेत्रों में दुर्गन्ध एवं प्रदूषण फैल रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस मामले में सोमवार को उन्होंने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी मयूर दीक्षित से वार्ता कर ज्ञापन सौंपा। भेंटवार्ता के दौरान जिलाधिकारी ने एमएनए से वार्ता कर समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। वहीं साथ ही अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई हटाने और सौंदर्यीकरण कराये जाने की बात भी कही। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि भविष्य में अन्य कॉलोनियों का कूड़ा भी इसी स्थान पर डंप किए जाने की संभावना है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। साथ ही निकट भविष्य में प्रस्तावित कुंभ मेले को देखते हुए उक्त मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां पुलिस लाइन यातायात एवं जीआरपी कार्यालय स्थित हैं तथा कुंभ के दौरान भारी भीड़ का निकास भी इसी मार्ग से होता है। व्यापार मंडल ने प्रशासन से जनहित एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कूड़ा डंपिंग को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है। इस मौके पर उपाध्यक्ष संजय गुप्ता, सचिव अमित कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष विनोद मलिक, मीडिया प्रभारी ओमपाल सिंह व विजय सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

स्कूल छात्रों के झगड़े में हुई गोलीबारी में एक छात्र घायल

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर के लुहारका रोड पर रविवार देर शाम उस समय दहशत का माहौल बन गया जब 11वीं और 12वीं के स्कूली छात्रों के बीच झगड़े के दौरान गोलियां चल गईं। इस फायरिंग में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत सिविल हॉस्पिटल अमृतसर में भर्ती कराया गया। अमृतसर के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शिवरेला ने झगड़े और फायरिंग की पुष्टि करते हुए सोमवार को कहा कि छात्रों के बीच स्कूल में झगड़ा हुआ था। जिसके बाद वह समझौते के लिए इकट्ठा हुए थे। मगर, वहां भी बहस इतनी बढ़ गई कि कई राउंड फायरिंग हुई। उन्होंने कहा कि मामले का पता चलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जांच के बाद इस मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक कुछ दिन पहले अमृतसर के एक स्कूल में 11वीं व 12वीं में पढ़ रहे छात्रों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े के बाद माहौल बिगड़ा तो दोनों पक्षों के छात्रों के बीच समझौता कराने की कोशिश की गई। दोनों पक्षों को समझौते के लिए रविवार शाम को लोहारका रोड पर बुलाया गया था। जहां दोनों पक्षों के छात्रों के साथ उनके परिजन वाले भी पहुंचे हुए थे। जब छात्रों के बीच समझौता कराया जा रहा था तो उनके परिवार वाले भी बीच में कूद पड़े। इस वजह से दोनों पक्षों में फिर तेज बहस हो गई। मामला फायरिंग तक पहुंच गया। इस दौरान चली गोली में अर्शदीप सिंह नाम के छात्र घायल हो गया। वह दौड़कर गाड़ी में बैठ गया लेकिन फिर भी दूसरे पक्ष ने उस पर फायरिंग की।

बिना स्वाध्याय के सामर्थ्य विकसित नहीं हो सकता: बालकृष्ण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय में चार दिवसीय क्रीड़ा महोत्सव ओजस का समापन हुआ। खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देह का निर्माण माता के गर्भ में होता है, जबकि विचारों का निर्माण गुरुजनों के सान्निध्य में होता है, इसीलिए गुरु के सान्निध्य को द्विज कहा जाता है। अभी आपका आगम काल चल रहा है, अर्थात गुरुजनों के द्वारा आपको दीक्षित किया जा रहा है। अभी दूसरा चरण स्वाध्याय काल शेष है। न्होंने कहा कि बिना स्वाध्याय के सामर्थ्य विकसित नहीं हो सकता। खेल प्रतियोगिता के विषय में आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि खेल किसी भी आयोजन की आत्मा होते हैं और युवा वर्ग को अनुशासन तथा जीवन की दिशा देने का कार्य करते हैं। भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता का अर्थ प्रतिद्वन्द्वता या प्रतिस्पर्धा नहीं है, प्रतियोगिता का अर्थ है कि यदि कोई एक व्यक्ति या पक्ष कोई योगदान कर रहा है तो उससे बेहतर प्रति योगदान करने वाला कौन है। इस अवसर पर पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गिरिश केजे, स्पोर्ट्स कमेटी प्रमुख डॉ. सौरभ शर्मा, साध्वी देवसुमना, साध्वी देवस्वस्ति, साध्वी देवविभा सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नरेला औद्योगिक क्षेत्र में जूता फैक्ट्री में लगी आग

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला औद्योगिक क्षेत्र के जे-3079 में रविवार देर रात एक जूता फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के प्रवक्ता एके मलिक ने सोमवार को बताया कि दमकल कंट्रोल रूम को रात करीब 10:58 बजे सूचना मिली कि नरेला औद्योगिक क्षेत्र में हरिश्चंद्र रोड के पास स्थित एक जूता फैक्ट्री में आग लग गई है। सूचना मिलने के बाद शुरुआती तौर पर पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। वहीं जूता व प्लास्टिक ज्यादा होने के कारण आग तेजी से फैली। आग की गंभीरता को देखते हुए कुछ ही मिनटों में अतिरिक्त संसाधनों की मांग की गई। रात 11:05 बजे आग को मेक-4 (बड़ा) घोषित किया गया। जिसके बाद दमकल की 12 और गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग फैक्ट्री के अंदर लगी मशीनों, जूते के डिब्बों और तैयार जूतों में फैल गई थी।

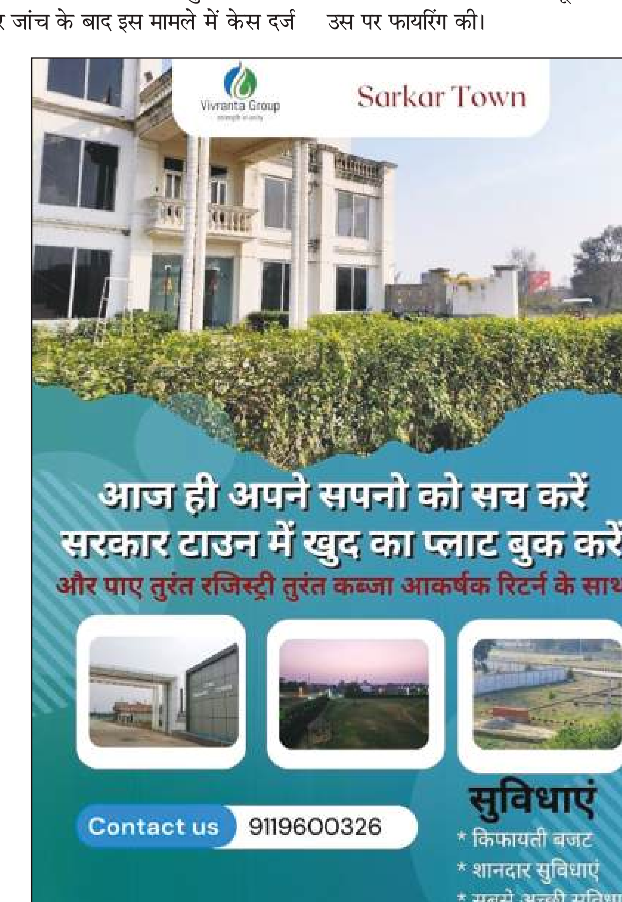

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063